नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

रांची में भाजपा ने निकाला महिला आक्रोश मार्च

• बोकारो, रविवार 26 अप्रैल 2026 • वर्ष : 09 • अंक : 337 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो, पटना व औरंगाबाद से प्रकाशित

झारखंड में प्रचलित डायन प्रथा लैंगिक हिंसा का गंभीर रूप : विक्रम नाथ

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने झारखंड में प्रचलित डायन प्रथा को अमानवीय और लैंगिक हिंसा का गंभीर रूप बताया है। उन्होंने कहा कि यह केवल अंधविश्वास नहीं बल्कि सामाजिक असमानता, सत्ता और पितृसत्ता से जुड़ा मुद्दा है। इस पर प्रभावी रोक के लिए शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और संवेदनशील होना आवश्यक है। यह बात रांची के न्यायिक अकादमी में महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराध, विशेषकर झारखंड में डायन प्रथा जैसी गंभीर सामाजिक समस्या पर आधारित एक न्यायिक कोलोकीयम (सेमिनार) को संबोधित करते हुए कहा है। कार्यक्रम में अपराध पीड़ितों को राहत एवं पुनर्वास प्रदान करने में विधिक सेवा संस्थाओं की भूमिका पर भी विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ ने अपने संबोधन में कहा कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 महिलाओं को समानता, भेदभाव से मुक्ति और गरिमापूर्ण जीवन का अधिकार देते हैं

लेकिन वास्तविकता में इन अधिकारों और उनके क्रियान्वयन के बीच बड़ा अंतर है। उन्होंने कहा कि महिलाओं के खिलाफ अपराध समाज की गहरी संरचनात्मक समस्या का परिणाम हैं, जहां हिंसा को सामान्य मान लिया गया है। कोलोकीयम में चर्चा के दौरान यह भी बताया गया कि न्याय केवल अपराधियों को सजा देने तक सीमित नहीं होना चाहिए बल्कि पीड़ितों के पुनर्वास को उसका केंद्र बनाना होगा। विधिक सेवा संस्थाओं को गांव स्तर तक पहुंच बनाकर पीड़ितों को कानूनी सहायता, जागरूकता और मुआवजा दिलाने में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा कि मॉब लींचिंग को लेकर कानून के मार्गदर्शन के साथ सुप्रीम कोर्ट ने भी कई बार गाइडलाइन दी हैं यदि सही तरीके से गाइडलाइन और कानून का क्रियान्वयन हो जाए और जिला स्तर पर इसकी लीगल बॉडी प्रो-एक्टिव तरीके से काम करे, तो इसमें कमी लाई जा सकती है। उन्होंने कहा कि किसी भी संस्थान की जिम्मेदारी होती है कि वह निष्पक्ष होकर काम करे। वही ज्यूडिशियल की भूमिका लंबित मामलों के निष्पादन में तेजी की होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि फायर फाइटिंग की धारणा को बदलना होगा। सही आदमी को सही जगह पर अगर बैठाया जाए तो ऐसे मामलों के निष्पादन में तेजी आ सकती है। दो सत्रों में आयोजित इस कार्यक्रम के प्रथम सत्र का धन्यवाद ज्ञापन महिला बाल विकास एवं समाज कल्याण सचिव उमाशंकर सिंह ने किया। वही द्वितीय सत्र में कानूनी एवं तकनीकी विषय पर विशेषज्ञों ने अपने विचार रखें। कार्यक्रम के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में स्वयंसेवी संस्था की महिलाओं समेत दुर्घटना में पीड़ित परिवार एवं ब्रेस्ट कैंसर से पीड़ित महिला को राशि प्रदान की गई। इस अवसर पर सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश एवं राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष न्यायमूर्ति विक्रम नाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। वही न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में झारखंड उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति महेश शरदचंद्र सोनक, न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद सहित कई गणमान्य व्यक्ति भी मौजूद थे।

जंगली हाथियों ने घर में सो रहे परिवार को कुचला, दो की मौत

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

सरायकेला। खरसावां जिले से एक दर्दनाक घटना सामने आई है। यहां जंगली हाथियों के झुंड ने एक ही परिवार के दो सदस्यों को मौत के घाट उतार दिया। यह घटना बीती रात ईचागढ़ थाना क्षेत्र के सोड़ो पंचायत अंतर्गत हाड़ात गांव की है। मिली जानकारी के अनुसार हाथियों का झुंड देर रात गांव में दाखिल हुआ। जब तक ग्रामीण कुछ समझ पाते हाथियों ने घरों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान एक मकान में मौजूद पांच लोग हाथियों की चपेट में आ गए। चीख पुकार सुनकर ग्रामीण इकट्ठा हुए लेकिन हाथियों के उग्र तेवर देख कोई पास जाने की हिम्मत नहीं जुटा पाया। घटना के संबंध में ईचागढ़ थाना प्रभारी बजरंग कुमार महतो ने बताया कि इस हमले में चाइना देवी और उसकी 13 वर्षीय बेटी अमिता बाला की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं परिवार के दो अन्य सदस्य कमलचंद महतो के पिता मोहन महतो और मां सतुला देवी गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। सभी घायलों को जमशेदपुर के एमजीएम अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। घटना को लेकर ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति गहरा रोष है। ग्रामीणों की सूचना के बाद वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और जांच में जुट गई। घटना के बाद पूरे गांव में दहशत का माहौल है और लोग अपनी सुरक्षा के लिए गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने सरकार से मृतकों के परिजनों के लिए उचित मुआवजे और क्षेत्र में हाथियों के प्रवेश को रोकने के लिए पुख्ता इंतजाम करने की मांग की है।

किराए के मकान में मिला महिला का शव

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। शहर थाना क्षेत्र स्थित रेड़मा में भगवती अस्पताल के पास शनिवार को एक मकान की चाहरदीवारी से अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ। इससे इलाके में सनसनी फैल गई। मृतका की उम्र 40 से 45 वर्ष के बीच बताई जा रही है। महिला की हत्या पत्थर से कुचलकर की गई है। उसके शरीर और चेहरे पर गहरे जख्म के निशान मिले हैं। प्रारंभिक जांच में दुष्कर्म की आशंका भी जताई जा रही है क्योंकि महिला के कपड़े अस्त-व्यस्त हालत में पाए गए थे। थाना प्रभारी के अनुसार शव करीब दो दिन पुराना प्रतीत हो रहा है जिससे उसकी पहचान में दिक्कत आ रही है।

संक्षिप्त समाचार

हाइवा की चपेट में आने से स्कूल बस खलासी की मौत

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू जिले के रेहला थाना क्षेत्र के कधवन गांव में शनिवार सुबह एक स्कूल बस खलासी की हाइवा की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना के वक्त खलासी बच्चों को बस में बैठा रहा था। इस हादसे में स्कूली बच्चे सुरक्षित बच गए। मृतक की पहचान रेहला निवासी 60 वर्षीय नूर मोहम्मद के रूप में हुई है। घटना के बाद उन्हें एमआरएमसीएच ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शव का पोस्टमॉर्टम करने के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है।

आपसी रंजिश में हुई गोलीबारी

धनबाद(नबिटा ब्यूरो)। जिला में बाघमारा स्थित बरोरा थाना क्षेत्र में दिनदहाड़े फायरिंग की घटना से हड़कंप मच गया। पुरानी रंजिश को लेकर हुई इस वारदात में एक युवक घायल हो गया। हालांकि उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार घटना माथाबंध ग्राउंड में घटी, जहां चार से पांच बाइक पर सवार होकर करीब 8 से 10 युवक पहुंचे। आरोप है कि शंकर बेलदार के बेटे गौरव चौहान ने सबसे पहले पिस्टल निकाली और फायरिंग शुरू कर दी। इस दौरान एक गोली रविंदर चौहान उर्फ गुरखा के पैर को छूते हुए निकल गई जिससे वह घायल हो गए।

झारखंड पात्रता परीक्षा आज

रांची(नबिटा ब्यूरो)। झारखंड पात्रता परीक्षा लगभग 18 साल बाद रविवार को आयोजित होने जा रही है। झारखंड लोक सेवा आयोग ने इस परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस परीक्षा में करीब 1.75 लाख विद्यार्थी राज्य के छह जिलों रांची, बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, हजारीबाग तथा देवघर में कुल 434 केंद्रों पर परीक्षा देंगे। विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सुबह 8 बजे पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं जबकि परीक्षा सुबह 10 बजे से 1 बजे तक होगी।

गंगा स्नान के दौरान डूबी चार लड़कियां

पटना (नबिटा ब्यूरो)। बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर में एक शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। चिरैया गांव में गंगा नदी में नहाने के दौरान चार लड़कियां डूब गईं। इनमें से दो को किसी तरह बचा लिया गया जबकि दो लड़कियां अभी भी लापता हैं। जानकारी के मुताबिक चिरैया गांव में हरदेव राय के बेटे संजन कुमार की 28 अप्रैल को शादी होनी है।

वार्ड पार्षद की चाकू गोदकर हत्या

छपरा(नबिटा ब्यूरो)। मांझी नगर पंचायत क्षेत्र के गोढ़ा गांव में शादी के महज 12 घंटे पहले दूल्हे की चाकू गोदकर हत्या कर दी गई। इस घटना ने पूरे इलाके को स्तब्ध कर दिया है। मृतक की पहचान वार्ड पार्षद राजा बाबू ठाकुर के रूप में हुई है। उनका आज यानी शनिवार को तिलकोत्सव कार्यक्रम निर्धारित था। घर में शादी की तैयारियां जोरों पर थीं, टेंट-पंडाल सज चुके थे।

पूर्व नक्सली की पीट-पीटकर हत्या

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चाईबासा। पश्चिमी सिंहभूम जिले में एक सनसनीखेज हत्या का मामला सामने आया है। गोइलकेरा थाना क्षेत्र के दुगुनिया गांव निवासी एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान 32 वर्षीय रमेश चांपिया के रूप में हुई है जो पहले नक्सली संगठन से जुड़ा हुआ बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे 4-5 हथियारबंद लोग रमेश के घर पहुंचे। उन्होंने उसे बाहर बुलाया और अपने साथ ले गए। बताया जा रहा है कि रमेश की पत्नी भी कुछ दूरी तक उनके पीछे गई लेकिन हथियारबंद लोगों ने उसे धमकाकर वापस भेज दिया। इसके बाद आरोपियों ने रमेश को घर से कुछ दूरी पर ले जाकर उसकी बेरहमी से पिटाई की जिससे उसकी मौत हो गई। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक हमलावरों ने उसके साथ काफी क्रूरता बरती। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी शव को गोइलकेरा-मनोहरपुर मुख्य सड़क पर फेंककर फरार हो गए। शनिवार सुबह स्थानीय लोगों ने सड़क पर शव देखा जिसके बाद इलाके में दहशत फैल गई। सूचना मिलने पर गोइलकेरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए चक्रधरपुर अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। जानकारी के अनुसार रमेश पहले नक्सली संगठन का सक्रिय सदस्य रह चुका था और इसी कारण वह पुलिस के रडार पर आया था। उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। जेल से रिहा होने के बाद उसने संगठन से दूरी बना ली और सामान्य जीवन जीने लगा था। वर्तमान में वह सड़क निर्माण कार्य में मुंशी के रूप में काम कर रहा था। प्रारंभिक आशंका जताई जा रही है कि संगठन से दूरी बनाने के कारण ही वह नक्सलियों के निशाने पर था। हालांकि पुलिस अभी इस एंगल की पुष्टि नहीं कर रही है।

तीन अफीम तस्कर गिरफ्तार, नेटवर्क खंगालने में जुटी पुलिस

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के खूंटी जिले में नशे के खिलाफ अभियान के तहत पुलिस को शनिवार को बड़ी सफलता मिली। मुरहू थाना क्षेत्र में चाईबासा मुख्य मार्ग पर स्थित नील फैक्ट्री के पास छापेमारी कर पुलिस ने तीन अफीम तस्करों को गिरफ्तार किया। पकड़े गए आरोपियों के पास से करीब 980 ग्राम अवैध अफीम बरामद हुई है जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 5 लाख रुपये आंकी जा रही है। पुलिस अधीक्षक ऋषभ गर्ग को मिली गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई थी। सूचना थी कि बंदगांव की ओर से तस्कर अफीम लेकर सप्लाई के लिए आने वाले हैं। इसी के आधार पर पुलिस ने मौके पर घेराबंदी कर कार्रवाई की। दबिश के दौरान तस्करों ने भागने की कोशिश की लेकिन पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए तीनों को मौके पर ही दबोच लिया। हालांकि एक आरोपी भागने में सफल रहा जिसकी तलाश जारी है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान जगदीश डहंगा (पश्चिम सिंहभूम), जबार पूर्ति (पश्चिम सिंहभूम) और रैजीश केरकेट्टा (सिमडेगा) के रूप में हुई है। इनके पास से अफीम के अलावा दो मोटरसाइकिलें (पल्सर और बुलेट) और तीन मोबाइल

फोन भी बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार मोबाइल के जरिए ही ये तस्कर खरीदारों से संपर्क में रहते थे। मामले में मुरहू थाना में एनडीपीएस एक्ट की अलग-अलग धाराओं के तहत कांड संख्या 36/26 दर्ज किया गया है। पुलिस अब इस गिरोह के आगे और पीछे के नेटवर्क की जांच में जुटी है, ताकि पूरे रैकेट का खुलासा किया जा सके। खूंटी के एसपी ऋषभ गर्ग ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि जिले में नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी और इसमें शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

भाजपा ने निकाला महिला आक्रोश मार्च

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। नारी शक्ति वंदन अधिनियम सदन से पास कराने में विफल रही भाजपा इन दिनों कांग्रेस एवं अन्य विपक्षी दलों के विरुद्ध आंदोलन कर रही है। इसी के तहत झारखंड प्रदेश भाजपा के द्वारा आज शनिवार को महिला आक्रोश मार्च निकाला गया। राजधानी रांची के मोरहाबादी में राज्य के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में आई महिलाओं ने इस दौरान जेएमएम और कांग्रेस के विरुद्ध जमकर नारेबाजी की। आक्रोश मार्च से पहले मोरहाबादी मैदान के समीप एक जनसभा आयोजित की गई जिसमें पार्टी के प्रदेश स्तर के सभी बड़े नेता उपस्थित रहे। केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी के नेतृत्व में आयोजित इस महिला आक्रोश कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा, पूर्व सीएम रघुवर दास, पूर्व सीएम मधु कोड़ा, पूर्व सीएम चंपाई सोरेन के अलावा नेता प्रतिपक्ष सह पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी, केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ, सांसद दीपक प्रकाश समेत आला नेता मौजूद थे। इस मौके पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने राज्य में चल रही जेएमएम, कांग्रेस और राजद की सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि परिवारवाद वाली पार्टी नहीं चाहती है कि महिलाएं सशक्त हो और राजनीतिक क्षेत्र में वह मजबूत हो। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सिर्फ कल्पना सोरेन की चिंता है। वहीं कांग्रेस को मैडम और प्रियंका गांधी के लिए चिंता है। ऐसे में देश की बहू-बेटी-बहने आक्रोशित हैं और इन्हें सबक सिखाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि झारखंड में महिला उत्पीड़न की घटना चरम पर है। तीन साल की बच्चियों के साथ दुष्कर्म की घटना होती है और पुलिस प्रशासन चुप बैठी रहती है। ऐसे में इन महिलाओं ने अब तय कर लिया है कि सबक जरूर सिखाएंगे। इस अवसर पर केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने संबोधित करते हुए कहा कि यह परिवारवाद वाली पार्टी देश की महिलाओं के साथ धोखा देने वाली पार्टी है। सदन में जिस तरह से विपक्षी दलों ने इस बिल के चर्चा के वक्त किया है उसे इस देश की बहनें नहीं भूलेंगी और सबक सिखाकर रहेंगी।

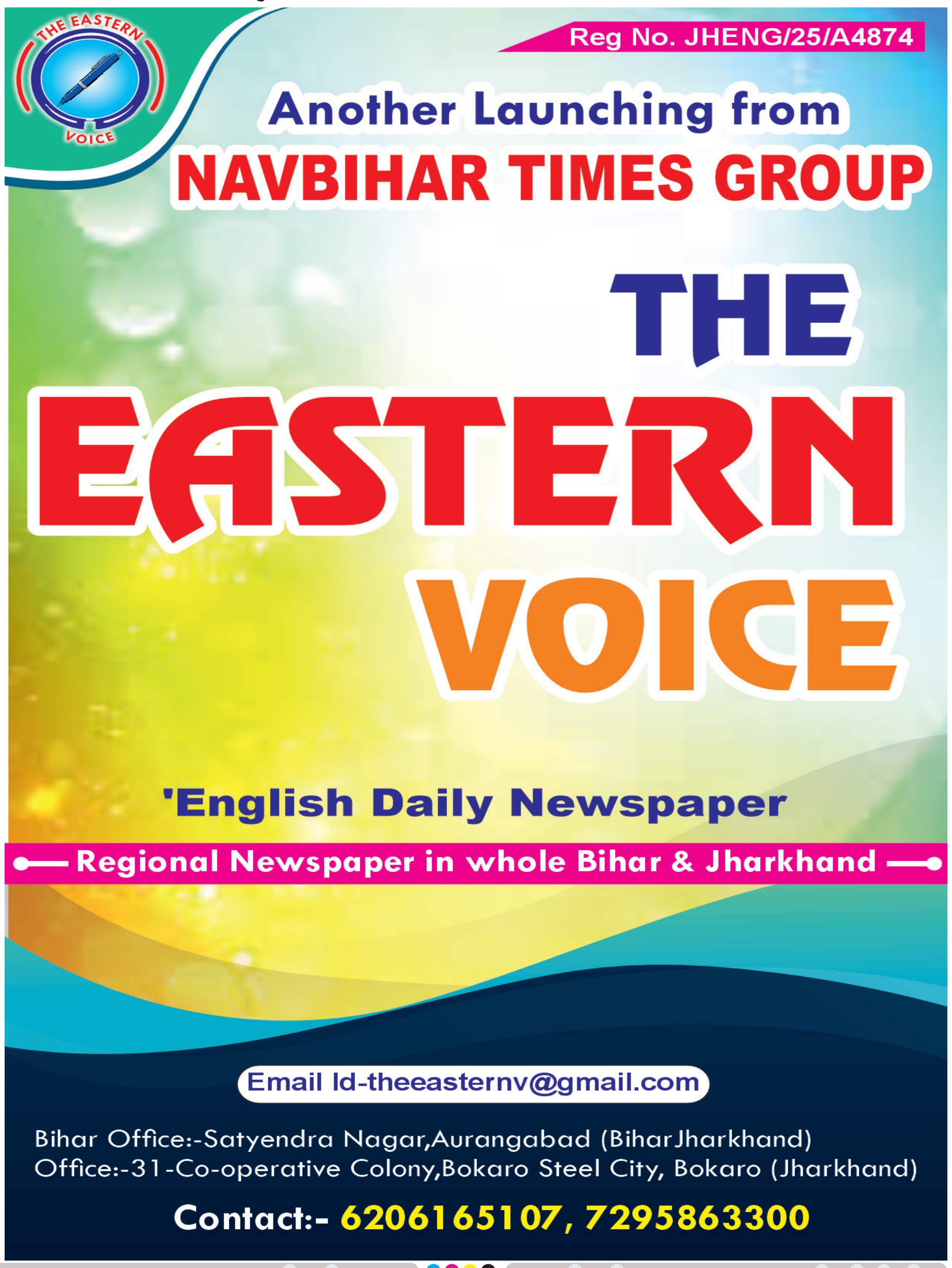

बिहार में जारी रहेगी शराबबंदी, बंगाल में बनेगी एनडीए सरकार : विजय

बिहार के डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने देवघर के बैद्यनाथ धाम में की पूजा-अर्चना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। बाबा मंदिर में शनिवार को बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी का आगमन हुआ। डिप्टी सीएम विजय चौधरी अपने पूरे परिवार के साथ देवघर के बैद्यनाथ धाम मंदिर पहुंचे और यहां पर पूजा अर्चना की। प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए उनको वीआईपी ट्रीटमेंट के साथ पूजा कराया गया। सबसे पहले मंदिर में प्रवेश करने के बाद विजय चौधरी और उनके पूरे परिवार को तीर्थ पुरोहितों ने विधि विधान के साथ मंदिर में संकल्प कराया। पुरोहितों से संकल्प करवाने के बाद डिप्टी सीएम विजय चौधरी गर्भ गृह में जाकर भगवान

भोलेनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक किया। मीडिया से बात करते हुए डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने बताया कि बिहार का डिप्टी सीएम बनने के बाद बिहार के विकास के लिए लंबी लकीर खींचनी है। भगवान भोलेनाथ के आशीर्वाद के बाद विकास की लकीर खींचना और भी आसान हो जाएगा। बिहार में शराबबंदी को समाप्त करने की हो रही चर्चा के सवाल पर डिप्टी सीएम ने कहा कि विश्वास मत प्राप्त करने के दौरान ही बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नीतीश कुमार ने जिस लकीर को खींची है वह लकीर और भी लंबी होगी। विजय चौधरी ने कहा कि बिहार में शराबबंदी को किसी भी कीमत पर नहीं हटाया जाएगा। शराब की अवैध बिक्री पर बिहार सरकार सख्त है और आने वाले समय में बिहार में इसपर रोक जारी रहेगी। वहीं, बंगाल चुनाव को लेकर बिहार के डिप्टी सीएम विजय चौधरी ने कहा कि आने वाले समय में स्पष्ट हो जाएगा कि बंगाल में एनडीए गंठबंधन पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बना रही है। पहले चरण के मतदान में हुई बंपर वोटिंग से तृणमूल कांग्रेस के नेताओं को यह पता चल चुका है कि बंगाल में इस बार एनडीए की

फर्जीवाड़ा गैंग का खुलासा, दर्जनों आधार-वोटर कार्ड व 89 डेबिट कार्ड बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फर्जी दस्तावेज और बैंकिंग धोखाधड़ी से जुड़े एक गिरोह का पर्दाफाश किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार दिनांक 24 अप्रैल 2026 को गुप्त सूचना मिली कि विष्णुगढ़ थाना कांड संख्या-08/26 के अभियुक्त अपने घर आए हुए हैं और पुनः धोखाधड़ी के कार्य में संलिप्त हैं। सूचना के आधार पर पु०नि० सह थाना प्रभारी सपन कुमार महथा के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित छापामारी की गई, हालांकि पुलिस के पहुंचने से पहले अभियुक्त मौके से फरार हो गया। छापेमारी के दौरान उसके घर से भारी मात्रा में फर्जी एवं संदिग्ध दस्तावेज और बैंकिंग उपकरण बरामद किए गए। बरामद सामानों में 35 आधार कार्ड, 28 वोटर आईडी कार्ड, 89 विभिन्न बैंकों के डेबिट कार्ड, 8 पैन कार्ड, 39 पासबुक, 7 चेकबुक, 3 सिम कार्ड, 2 लैपटॉप, 2 डोंगल और 2 मोबाइल फोन शामिल हैं। जांच में यह भी सामने आया कि कई आधार और वोटर कार्ड में एक ही फोटो या एक ही आधार नंबर का अलग-अलग नामों से उपयोग किया गया है, जिससे बड़े स्तर पर पहचान की जालसाजी की आशंका जताई जा रही है। विशेष रूप से वादिनी बसंती देवी के आवास योजना की दूसरी किस्त, जो ठरउ्छ पेमेंट बैंक में गई थी, उसका डेबिट कार्ड भी अभियुक्त के घर से बरामद किया गया है, जो इस गिरोह के बैंकिंग फ्रॉड में शामिल होने की पुष्टि करता है। पुलिस के अनुसार जब्त किए गए डेबिट कार्ड विभिन्न बैंकों जैसे इक़्, ल्ठ्ठ्र, अक्त्र, बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, फिनो पेमेंट बैंक, ठरउ्छ और क्ब्ढइ से संबंधित हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में पासबुक और चेकबुक भी अलग-अलग लोगों के नाम पर पाए गए हैं। छापामारी दल में थाना प्रभारी सपन कुमार महथा के साथ पु०अ०नि० अनुपम प्रकाश, आशिष कुमार सिंह, ग्लेडिस बरजो, महिला दारोगा कंचन कुमारी एवं थाना रिजर्व बल शामिल थे। पुलिस अब फरार अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही है तथा पूरे नेटवर्क का खुलासा करने में जुटी है। प्रारंभिक जांच से यह मामला बड़े साइबर एवं बैंकिंग धोखाधड़ी गिरोह से जुड़ा प्रतीत हो रहा है।

अपराधियों की धरपकड़ के लिए हजारीबाग पुलिस ने मांगा जन-सहयोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही। बीते दिन हजारीबाग रोड स्थित बैंक ऑफ महाराष्ट्र में हथियार के बल पर हुई भीषण बैंक लूट की घटना के बाद पुलिस महकमा पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। अपराधियों की गिरफ्तारी सुनिश्चित करने के लिए पुलिस द्वारा सघन छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस ने सोशल मीडिया पर दो अपराधियों के सीसीटीवी फुटेज फोटो जारी करते हुए आम जनता से इस मामले में सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की है। पहचान के लिए पुलिस द्वारा जारी फुटेज के एआई संशोधित फोटो खबर में संलग्न किए गए हैं। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल अपराधी हथियारों से लैस और अत्यंत खतरनाक हो सकते हैं, जिसके मद्देनजर आम नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

2023 में ही सर्वसम्मति से पास हो चुका है महिला आरक्षण बिल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हजारीबाग ब्यूरो। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने महिला आरक्षण के मुद्दे पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को आड़े हाथों लिया है। रांची में भाजपा के "महिला आक्रोश मार्च" पर पलटवार करते हुए कुणाल यादव ने इसे महिलाओं और विशेषकर अनुसूचित जाति/जनजाति समाज को गुमराह करने वाली भ्रम फैलाने की राजनीति करार दिया। कुणाल यादव ने कहा कि संसद ने 2023 में ही महिला आरक्षण बिल सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया था, जो महिलाओं को लोकसभा और विधानसभाओं में 33% आरक्षण का संवैधानिक अधिकार देता है।

उन्होंने स्पष्ट किया कि 2023 के कानून में अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं के लिए आरक्षित सीटों के भीतर 33% उप-आरक्षण का स्पष्ट प्रावधान पहले से मौजूद है। कुणाल यादव ने सवाल उठाया कि जब कानून बन चुका है, तो केंद्र सरकार इसे लागू करने में देरी क्यों कर रही है ? हाल ही में 17 अप्रैल 2026 को लोकसभा में पेश 131वें संविधान संशोधन विधेयक का जिक्र करते हुए प्रवक्ता ने कहा कि भाजपा इसे "नया बिल" बताकर प्रचारित कर रही है, जबकि यह केवल पूर्व कानून में एक अधूरा बदलाव था। इस संशोधन बिल मे लोकसभा सीटों को 543 से बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव। जनगणना की शर्त को हटाकर सीधे परिसीमन से जोड़ने की कोशिश थी। इस प्रक्रिया में स्पष्टता न होने के कारण यह विधेयक जरूरी दो-तिहाई बहुमत हासिल नहीं कर सका। अब "भाजपा अपनी विफलता को विपक्ष के मत्थे

■ महिला आरक्षण के नाम पर भ्रम फैलाने की राजनीति बंद करे भाजपा : कुणाल यादव

मढ़ रही है। जब उसके पास स्पष्ट रोडमैप नहीं था और लोकसभा में सीटों की संख्या में अचानक भारी वृद्धि का तर्क समझ से परे था, तो इस संशोधन बिल का गिरना तय था। कुणाल यादव ने कहा कि भाजपा अनुसूचित जाति/ जनजाति महिलाओं के नाम पर भावनात्मक राजनीति कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि परिसीमन की प्रक्रिया पूरी हुए बिना यह तय करना असंभव है कि कौन सी सीटें आरक्षित होंगी। 2026 के संशोधन प्रस्ताव में इस व्यावहारिक ढांचे का अभाव था। झामुमो प्रवक्ता ने भाजपा के 'आक्रोश मार्च' को राजनीतिक पाखंड बताते हुए कहा की केंद्र सरकार बताये की देश में जनगणना कब शुरू होगी? परिसीमन की प्रक्रिया कब तक पूरी होगी? महिला आरक्षण, विशेषकर अनुसूचित जाति/ जनजाति महिलाओं के लिए, जमीन पर कब लागू होगा? कुणाल यादव ने अपने बयान के अंत में कहा कि महिला आरक्षण देश की आधी आबादी का संवैधानिक हक है। 2023 में कानून बनने के बावजूद 2026 में संशोधन की विफलता भाजपा की अदूरदर्शिता को दर्शाती है। अब देश को भ्रामक नारों और आक्रोश मार्च की नहीं, बल्कि एक स्पष्ट समयसीमा और कार्यान्वयन की जरूरत है। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के जिला प्रवक्ता कुणाल यादव ने महिला आरक्षण संशोधन विधेयक (131वां संशोधन) को भाजपा की एक सोची-समझी "पॉलिटिकल फिक्सिंग" करार दिया है।

संक्षिप्त समाचार

भीषण गर्मी में राहत अस्थायी प्याऊ का उद्घाटन, राहगीरों को मिलेगा निःशुल्क शीतल पेयजल

गिरिडीह (नबिटासं)। भीषण गर्मी के बीच आम लोगों को राहत पहुंचाने के उद्देश्य से कोयलांचल चैम्बर ऑफ कॉमर्स और आरसीएम वंडर वर्ल्ड के संयुक्त तत्वावधान में गिरिडीह में एक अस्थायी प्याऊ का भव्य उद्घाटन किया गया प्याऊ का उद्घाटन केसीसीआई के अध्यक्ष राहुल बर्मन और आरसीएम के टेक्निकल एडवाइजर पवन केड़िया ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद सैकड़ों राहगीरों के बीच शीतल जल, सत्तू शर्बत, मैंगो शर्बत और गुड़-चना का वितरण किया गया इस अवसर पर राहुल बर्मन ने बताया कि हर वर्ष गर्मी के मौसम में इस तरह के अस्थायी प्याऊ का संचालन किया जाता है, जो करीब दो महीने तक चलता है। इस वर्ष भी बरगंडा रोड स्थित आरसीएम वंडर वर्ल्ड के बाहर आज से इस सेवा की शुरूआत की गई है उन्होंने कहा कि इस पहल से राहगीरों, खासकर स्कूली बच्चों को भीषण गर्मी में बड़ी राहत मिलेगी। सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक चलने वाली इस सेवा के तहत लोगों को निःशुल्क शीतल जल और विभिन्न प्रकार के शर्बत उपलब्ध कराए जाएंगे प्रत्येक दिन अलग अलग प्रकार के शर्बत सत्तू, मैंगो और ऑरेंज के साथ मिट्टी के घड़े का ठंडा पानी भी वितरित किया जाएगा कार्यक्रम में केसीसीआई के संरक्षक एवं वंडर वर्ल्ड के संचालक अरविंद कुमार सहित गोपालदास भदानी, विकास गुप्ता, राजेश गुप्ता, धर्म प्रकाश, अमरनाथ मंडल, राहुल कुमार, रवि कुमार, संजय बर्णवाल, सीताराम, सुबर्जित चटर्जी, अरुण गुप्ता, प्रदीप मंडल, अजय प्रसाद, संटू कुमार और मनोहर कुमार समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।यह पहल न केवल सामाजिक सरोकार का उदाहरण है, बल्कि भीषण गर्मी में जरूरतमंदों के लिए राहत का एक महत्वपूर्ण माध्यम भी बन रही है।

ओवरलोडिंग पर प्रशासन का शिकंजा, 5 वाहन जब्त

गिरिडीह (नबिटासं)। जिले में ओवरलोडेड वाहनों के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए लगातार कार्रवाई तेज कर दी है। इसी कड़ी में शनिवार अहले सुबह चलाए गए विशेष जांच अभियान में कुल 5 ओवरलोडेड वाहनों को जब्त किया गया जिला परिवहन पदाधिकारी संतोष कुमार के नेतृत्व में चलाए गए इस अभियान में हिरोडीह थाना क्षेत्र से 2 और जमुआ थाना क्षेत्र से 3 वाहन पकड़े गए। यह कार्रवाई परिवहन विभाग एवं संबंधित थाना पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा की गई अभियान के दौरान सघन जांच में पाया गया कि सभी जब्त वाहन निर्धारित क्षमता से अधिक भार लेकर चल रहे थे। पकड़े गए वाहनों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई प्रारंभ कर दी गई है जिला परिवहन पदाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि ओवरलोडिंग सिर्फ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं का बड़ा कारण है। इससे न केवल सड़कें क्षतिग्रस्त होती हैं, बल्कि आम लोगों की सुरक्षा भी खतरे में पड़ती है। उन्होंने दो टूक कहा कि जिले में ओवरलोडिंग के खिलाफ ह्यजीरो टॉलरेंसह्न नीति लागू है और यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। संबंधित अधिकारियों को नियमित जांच के निर्देश दिए गए हैं साथ ही वाहन चालकों और परिवहन व्यवसाय से जुड़े लोगों से अपील की गई है कि वे निर्धारित मानकों का पालन करें और ओवरलोडिंग से बचें। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य दंड देना नहीं, बल्कि सड़क सुरक्षा को मजबूत करना और दुर्घटनाओं को रोकना है।

औचक निरीक्षण में सख्त दिखे डीसी, लेटलतीफी पर दो टूक, सुधारें कार्यशैली, नहीं तो कार्रवाई तय

मेदिनीनगर/पलामू (नबिटासं)। जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने शनिवार को सतबरवा प्रखंड कार्यालय का औचक निरीक्षण कर सरकारी कर्मियों की कार्यप्रणाली पर सख्त रुख अपनाया। निरीक्षण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी कृष्णा मुरारी तिर्की के अनुपस्थित पाए जाने पर डीसी ने तत्काल फोन कर जवाब-तलब किया और स्पष्ट किया कि भौतिक रूप से उपायुक्त स्तर से अनुमति लेने के पश्चात ही जिला मुख्यालय छोड़ें।ऐसे अनुपस्थित रहना बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वहीं, प्रखंड के लिपिक दीपक कुमार द्वारा गलत जानकारी दिए जाने पर उपायुक्त ने मौके पर ही कड़ी फटकार लगाई और भविष्य में ऐसी लापरवाही दोहराने पर कठोर कार्रवाई की चेतावनी दी। प्रखंड सभागार में मौजूद कर्मियों के साथ बैठक करते हुए डीसी ने बेहद सख्त संदेश दिया। उन्होंने कहा कि ह्लसरकारी सेवा में लापरवाही अब नहीं चलेगी। या तो अपनी कार्यशैली सुधार लें, अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहें।ह्व उन्होंने स्पष्ट किया कि आम जनता को यदि कार्यालयों में समस्या होगी, तो संबंधित कर्मियों को भी उसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। डीसी ने सभी कर्मियों को समय पर कार्यालय आने, कार्यों का समयबद्ध निष्पादन करने और आमजनों के साथ संवेदनशील व्यवहार रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी पद जिम्मेदारी का पद है और इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी।निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने प्रखंड परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने, पानी के लीकेज को तुरंत ठीक कराने तथा कार्यालय व्यवस्था को सुव्यवस्थित करने के निर्देश भी दिए। साथ ही अंचल निरीक्षक से एनएच से जुड़े कार्यों की जानकारी लेकर प्रगति की समीक्षा की। स्पष्ट संकेत देते हुए डीसी श्री शेखावत ने कहा कि ह्लजनता के काम में बाधा डालने वाले या लापरवाही बरतने वाले कर्मियों पर सीधे कार्रवाई होगी। अब जवाबदेही तय होगी।

फरार चल रहे आरोपी गिरफ्तार

मनिहारी /कटिहार (नबिटासं)। मनिहारी थाना पुलिस ने विभिन्न कांडों में फरार चल रहे आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मनिहारी पुलिस ने विशेष छापामारी कर मनिहारी कांड संख्या 89/26, दिनांक 25.03.26 धारा एससी एसटी एक्ट एवं 27 आर्मस एक्ट के फरार चल रहे प्राथमिकी आरोपी तालिब (35)पिता अमीन सब्जी फरोस,अनवर सब्जी फरोस (33),पिता सोबराती सब्जीफरोस,समीर सब्जी फरोस (27) पिता ढोरी सब्जीबरोस सभी बालूटोला, थाना मनिहारी, जिला कटिहार निवासी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इस अभियान में एसआई नीरज कुमार निराला शामिल रहे ।

प्रखंड कार्यालय और स्वास्थ्य उपकेंद्र का निरीक्षण

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। प्रखंड कार्यालय के पश्चात डीसी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत सतबरवा के स्वास्थ्य उपकेंद्र पहुंचे।यहां उन्होंने वैक्सीनेशन के लिए आई महिलाओं से संवाद किया।इसके पश्चात उपकेंद्र के विभिन्न कमरों में बने अलग-अलग कक्षों की जांच की।परिसर में खराब पड़े एक जलमीनार को दुरुस्त करने का आश्वासन दिया।

इस दौरान उपकेंद्र के प्रभारी द्वारा बताया गया कि एक और जल मीनार को इस्तेमाल कर पानी की जरूरत पूरी की जाती है। उपकेंद्र के लैब टेक्नीशियन से उपायुक्त ने अपना शुगर जांच कराया जिसका नतीजा सामान्य रहा। शनिवार को ही उपायुक्त श्री शेखावत ने एक ही परिसर में बने राजकीयकृत मध्य विद्यालय एवं बालिका उच्च विद्यालय का भी निरीक्षण किया।इस दौरान उन्होंने मध्य विद्यालय में नामांकित बच्चियों की जानकरी ली और सभी बच्चियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने की दिशा में योजना बनाकर कार्य करने की बात कही। परिसर में बने शौचालय एवं रसोई घर में बन रहे खिचड़ी का भी अवलोकन किया। इसके बाद उच्च विद्यालय में अध्यनरत दसवीं के बच्चियों संग सीधा संवाद किया।उन्होंने कहा कि मेहनत का कोई शॉर्टकट नहीं होता,खूब मेहनत से पढ़ाई करें एवं अपनी रुचि के अनुसार उसपर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि आप पढ़ लिख कर कुछ बढ़िया करेंगे तो सतबरवा एवं जिला का नाम रोशन होगा।यह सबके लिये गर्व का विषय रहेगा।

सार्वजनिक स्थलों पर शराब पीने वालों को सख्त चेतावनी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। हुसैनाबाद शहर में कानून व्यवस्था को मजबूत करने और अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए शुक्रवार को हुसैनाबाद पुलिस ने विशेष अभियान चलाया। एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला और थाना प्रभारी चंदन कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शहर के कई होटलों व संदिग्ध ठिकानों पर औचक छापेमारी की।

अभियान के दौरान हुसैनाबाद शहर स्थित कई होटलो मे बारीकी से जांच की गई। पुलिस ने साफ निर्देश दिया कि होटलों में बैठकर शराब पीना या पिलाना पूरी तरह प्रतिबंधित है।होटल संचालकों को सख्त चेतावनी दी गई कि अगर परिसर में अवैध रूप से शराब परोसी गई, तो उनपर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। जिनका लइसेंस होगा उन्हें रद्द कराया जायेगा। साथ ही आने-जाने वाले लोगों की पहचान पत्रों की भी जांच की गई। एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला ने सख्त लफ्जो मे कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर नशाखोरी से अपराध बढ़ता है। उन्होंने आम लोगों से पुलिस का सहयोग करने और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना देने की अपील की। थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए ऐसे अभियान आगे भी

एसडीपीओ व थाना प्रभारी ने चलाया सघन वाहन चेकिंग अभियान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। शुक्रवार को हुसैनाबाद में ट्रैफिक नियमों को लेकर पुलिस प्रशासन सख्त नजर आया। नवपदस्थापित एसडीपीओ आईपीएस दिव्यांश शुक्ला एवं पुलिस निरीक्षक सह थाना प्रभारी चंदन कुमार के संयुक्त नेतृत्व में शहर के पटेल चौक पर सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान दोपहिया वाहनों की जांच की गई।

जांच के क्रम में कुल 37 दोपहिया वाहनों को जब्त कर थाना लाया गया, जहां परिवहन विभाग के कर्मियों द्वारा चालान काटकर जुमार्ना वसूलने के बाद वाहनों को छोड़ा गया। इस मौके पर एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला ने कहा कि सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। बिना वाहन के कागजात, फिटनेस या ड्राइविंग लाइसेंस के पाए जाने पर संबंधित चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। वहीं थाना प्रभारी चंदन कुमार ने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। अभियान के दौरान डीटीओ पलामू के कर्मी सहित थाना के कई अधिकारी एवं पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।

नाइट क्रिकेट टूनामेंट का फाइनल 26 को, एसडीपीओ होंगे मुख्य अतिथि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। आदर्श युवा जागृति मंच, जपला के तत्वावधान में आयोजित स्व. धर्मदेव राम नॉकआउट नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट 2026 का फाइनल मुकाबला 26 अप्रैल को रात्रि 7:00 बजे कपूर्री ठाकुर मैदान, अनुमंडल हुसैनाबाद में खेला जाएगा। फाइनल मैच को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल है और बड़ी संख्या में दर्शकों के पहुंचने की संभावना जताई जा रही है। मंच के अध्यक्ष सुंदरम अग्रवाल ने बताया कि टूनार्मेंट का उद्घाटन 18 अप्रैल को अनुमंडल पदाधिकारी गौरांग महतो द्वारा किया गया था।

प्रतियोगिता के अंतिम मुकाबले में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) हुसैनाबाद दिव्यांश शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे और विजेता व उपविजेता टीमों को पुरस्कार प्रदान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करेंगे। इसी क्रम में शुक्रवार को मंच के संरक्षक सह पूर्व लोकसभा प्रत्याशी जितेंद्र पासवान तथा सचिव पियूष कुमार अग्रवाल उर्फ टिंकू अग्रवाल ने नवपदस्थापित एसडीपीओ दिव्यांश शुक्ला से शिष्टाचार मुलाकात कर उन्हें बुके भेंट करते हुए फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।मौके पर मंच के सचिव पियूष अग्रवाल (टिंकू), मैच के स्कोरर प्रदीप पटेल (पीपी), अर्जुन पटेल एवं अंतू चौधरी सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे। मंच की ओर से एसडीपीओ को पत्र भेजकर कार्यक्रम के दौरान शांति एवं विधि-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की भी मांग की गई है। आयोजकों के अनुसार नाइट क्रिकेट टूनार्मेंट को लेकर युवाओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है और फाइनल मुकाबले को सफल बनाने की तैयारियां जोरों पर हैं।

जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग 2026 का शुभारंभ

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिरिडीह। जिला प्रशासन गिरिडीह के तत्वावधान में आयोजित जिला स्तरीय अस्मिता सिटी लीग 2026 का भव्य शुभारंभ गिरिडीह आउटडोर स्टेडियम में हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त रामनिवास यादव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अंजना भारती, जिला खेल पदाधिकारी श्री अर्जुन बारला सहित कई अधिकारी उपस्थित रहे उपायुक्त ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता खेल प्रतिभाओं को निखारने के साथ-साथ युवाओं में अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना विकसित करने का मजबूत मंच है। एथलेटिक्स में शानदार प्रदर्शन अंडर-14 200 मीटर वर्षा कुमारी प्रथम, निशा मुर्मू द्वितीय, एलिस बड़ला तृतीय अंडर-14 60 मीटर अक्षरा टुडू प्रथम, एलिस बड़ला द्वितीय, स्मृति मुर्मू तृतीय सीनियर 100 मीटर रोशनी कुमारी प्रथम, सोनाली टुडू द्वितीय, नंदिता कुमारी तृतीय अंडर-17 100 मीटर अदिति चौधरी प्रथम, राज नंदिनी द्वितीय, प्रिया सोरेन तृतीय अंडर-17 200 मीटर श्रृष्टि हेस्सा प्रथम, प्रिया सोरेन द्वितीय, प्रीति वर्मा तृतीय सीनियर 1500 मीटर विद्या प्रथम, श्रृष्टि कुमारी द्वितीय, रूपा कुमारी तृतीय सीनियर 200 मीटर प्रज्ञा श्रीवास्तव प्रथम, रोशनी कुमारी द्वितीय, सोनाली टुडू तृतीय कबड्डी फाइनल मुकाबले दूसरे दिनअंडर 14 यूएमएस मांगलुस्कार वश युवा कबड्डी अकादमी अंडर 17 सरस्वती शिशु विद्या मंदिर वश कर्मेल स्कूल सीनियर इंद्रा थे।

एसडीओ ने प्रखंडस्तरीय अधिकारियों, प्रधानाचार्यों व शिक्षकों संग की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बरही हजारीबाग । झारखंड शिक्षक पात्रता परीक्षा (जेटेट) को लेकर बरही अनुमंडल में सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। इस संबंध में अनुमंडल पदाधिकारी जोहन टुडू ने प्रखंड स्तरीय अधिकारियों के साथ बैठक कर कदाचारमुक्त एवं शांतिपूर्ण परीक्षा संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, बरही अनुमंडल के कुल 15 परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा आयोजित होगी।

इसमें बरही के 7, चौपारण के 4 तथा पद्मा और बरकट्ठा के 2-2 केंद्र शामिल हैं। इन केंद्रों पर करीब 8 हजार से अधिक परीक्षार्थी शामिल होंगे। परीक्षा पूर्वाह्न 10 बजे से अपराह्न 1 बजे तक संचालित की जाएगी। अनुमंडल के चिन्हित परीक्षा केंद्रः बरही में प्लस टू उच्च विद्यालय, परियोजना बालिका उच्च विद्यालय, आरएनवाईएम कॉलेज, बरही इंटर महाविद्यालय, बॉयज मध्य विद्यालय, डीएवी पब्लिक स्कूल तथा श्रीदास इंटरनेशनल स्कूल (देवचंदा मोड़) को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वहीं बरकट्ठा में परियोजना बालिका उच्च विद्यालय एवं प्लस टू उच्च विद्यालय, चौपारण में केबीएसएस प्लस टू उच्च विद्यालय, मध्य विद्यालय सिंहपुर, अमोली अपूर्वा उच्च विद्यालय और सुंदरलाल जैन उच्च विद्यालय सिंघरावा तथा पद्मा में मां विंध्यवासिनी बीएड कॉलेज करमाटांड़ एवं रामनारायण प्लस टू उच्च विद्यालय को केंद्र निर्धारित किया गया है। एसडीओ ने सभी दंडाधिकारियों केंद्राधीक्षकों और पुलिस पदाधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि परीक्षा हर हाल में कदाचारमुक्त, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न कराई जाए। केंद्रों पर सघन जांच, प्रवेश के दौरान सख्ती, इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स पर पूर्ण प्रतिबंध और संदिग्ध गतिविधियों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा गया है। साथ ही परीक्षा केंद्रों के आसपास धारा 144 का पालन, भीड़ नियंत्रण और पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती पर भी जोर दिया गया।सभी केंद्रों पर दंडाधिकारी एवं पुलिस पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति कर दी गई है। बैठक में उपस्थित रहे : बैठक में विभिन्न जयपाल महतो बीडीओ बरही, चंद्रशेखर कुणाल सीओ बरही, संजय यादव बीडीओ चौपारण सहित अन्य प्रखंड के बीडीओ व सीओ सहित बरकट्ठा बीईईओ राकेश कुमार, डीएवी, प्लस टू उवि आदि विभिन्न विद्यालय के शिक्षक व दंडाधिकारी उपस्थित रहे। एसडीओ ने परीक्षार्थियों से समय पर केंद्र पहुंचने और सभी दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है, ताकि परीक्षा सुचारू रूप से संपन्न हो सके।

डीसी ने किया मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर का निरीक्षण

नबिटा संवाददाता

रामगढ़। हाईकोर्ट के सख्त आदेश के बाद अब रामगढ़ के प्रसिद्ध आस्था का केंद्र रजरप्पा स्थित मां छिन्नमस्तिका मंदिर परिसर में बड़ा बदलाव शुरू हो गया है। रजरप्पा मंदिर परिसर से अतिक्रमण हटाने के बाद अब प्रशासन पूरे इलाके को आधुनिक और सुव्यवस्थित बनाने की तैयारी में जुट गया है।

इसी कड़ी में आज शनिवार को रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने मंदिर परिसर का निरीक्षण किया। इसके पूर्व प्रशासनिक भवन में अहम बैठक की। जिसमें मंत्री फागु बेसरा, मंदिर प्रबंधन समिति के सदस्य और विभिन्न विभागों के पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक में मंदिर के पुनर्विकास की पूरी रूपरेखा और आगे की कार्य योजना पर विस्तार से चर्चा की गई। झारखंड उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार पिछले दिनों जिला प्रशासन ने मंदिर परिसर से 254 अवैध दुकानें हटा दी थी और अब मंदिर के पुनर्विकास को लेकर रामगढ़ के डीसी एक्टिव दिख रहे हैं। डीसी आज प्रशासनिक टीम के साथ रजरप्पा मंदिर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने पूरे क्षेत्र का निरीक्षण किया। साथ ही प्रस्तावित बस स्टैंड, एंट्री-एग्जिट गेट, घाट निर्माण और दुकानों के नए स्थानों को चिन्हित किया। इस दौरान डीसी ने पदाधिकारियों से कहा कि सभी कार्य समय-सीमा के भीतर और आपसी समन्वय से पूरा करें, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

निरीक्षण के दौरान मीडिया से बातचीत में रामगढ़ डीसी ऋतुराज ने कहा कि मंदिर परिसर को व्यवस्थित और सुरक्षित बनाना हमारी प्राथमिकता है। हटाई गई दुकानों के लिए भी जगह चिन्हित की जा रही है। विकास के साथ-साथ प्रभावित दुकानदारों के हितों का भी ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए वैकल्पिक स्थानों की पहचान की जा रही है, ताकि सभी को व्यवस्थित समाधान मिल सके। इसके अलावा मंदिर विकास कार्य के दौरान काटे जाने वाले पेड़ों के बदले क्षतिपूर्ति वनीकरण की योजना पर भी काम शुरू हो चुका है। अधिकारियों ने इसके लिए अलग से स्थल निरीक्षण कर जरूरी निर्देश दिए हैं।

स्पष्ट है कि रजरप्पा मंदिर को एक आधुनिक, सुरक्षित और सुव्यवस्थित धार्मिक स्थल बनाने की दिशा में प्रशासन ने बड़ी पहल शुरू कर दी है। अब देखना होगा कि यह योजना जमीन पर कितनी तेजी से उतरती है।

चार नाबालिगों को कराया गया मुक्त

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

धनबाद। बाल श्रम उन्मूलन को लेकर प्रशासन ने सख्ती दिखाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। झरिया थाना क्षेत्र के फल पट्टी स्थित एक दुकान पर छापेमारी कर चार बाल श्रमिकों को मुक्त कराया गया। यह कार्रवाई उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन के निर्देश पर जिला धावा दल द्वारा की गई। श्रम अधीक्षक पंकज कुमार के नेतृत्व में हुई इस कार्रवाई के दौरान "चंदन काइट्स" नामक प्रतिष्ठान से चार नाबालिग बच्चों को रेस्क्यू किया गया। जांच में सामने आया कि इन बच्चों से बेहद कम मजदूरी पर काम कराया जा रहा था। सभी बच्चे झरिया क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, इस प्रतिष्ठान के खिलाफ पहले भी शिकायतें मिल चुकी थीं। जनता दरबार में एक 13 वर्षीय बालक को बहला-फुसलाकर काम पर रखने और काम के दौरान उसके साथ हुई दुर्घटना का मामला भी सामने आया था। जिसके बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया। श्रम अधीक्षक पंकज कुमार ने स्पष्ट कहा कि जिला को बाल श्रम मुक्त बनाने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी होटल, गैराज, ढाबा या अन्य प्रतिष्ठान में बाल श्रमिक पाए जाने पर संचालकों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दोषी पाए जाने पर 20 हजार से 50 हजार रुपये तक का जुर्माना और 6 महीने से 2 साल तक की सजा या दोनों हो सकते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बाल श्रम के खिलाफ जागरूकता और कार्रवाई को और तेज करने के लिए पूरे जून माह में विशेष अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान में श्रम विभाग के अधिकारियों के साथ-साथ झारखंड ग्रामीण विकास ट्रस्ट और बाल संरक्षण इकाई के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। प्रशासन ने आम लोगों से भी अपील की है कि वे बाल श्रम की जानकारी मिलने पर तुरंत इसकी सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

जनगणना में औरंगाबाद की शानदार भागीदारी, 95 हजार से अधिक लोगों ने की स्व-गणना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

औरंगाबाद। भारत की जनगणना–2027 के अंतर्गत औरंगाबाद जिले ने जागरूक नागरिक भागीदारी का एक प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया है। अब तक 95 हजार से अधिक औरंगाबाद वासियों ने स्व-गणना में भाग लेकर जिले को विकास और सटीक आंकड़ों की दिशा में मजबूत कदम दिलाया है। प्रशासनिक अधिकारियों ने इसे केवल एक संख्या नहीं, बल्कि नागरिक जिम्मेदारी, जागरूकता और बेहतर भविष्य की दिशा में बढ़ता हुआ महत्वपूर्ण प्रयास बताया है। जनगणना किसी भी जिले, राज्य और देश की विकास योजनाओं की आधारशिला होती है, क्योंकि इसी के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, आवास, सड़क, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं की योजनाएं तैयार की जाती हैं। जिला प्रशासन ने कहा कि स्व-गणना के माध्यम से नागरिक स्वयं अपनी सामाजिक, आर्थिक और पारिवारिक

जानकारी सही रूप में दर्ज कर सकते हैं, जिससे आंकड़ों की शुद्धता और पारदर्शिता सुनिश्चित होती है। यही सटीक आंकड़े भविष्य की सरकारी योजनाओं को प्रभावी और जनहितकारी बनाने में मदद करते हैं। प्रशासन ने सभी जिला वासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस महत्वपूर्ण अभियान से जुड़ें और जनगणना–2027 को सफल बनाएं। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक नागरिक की सहभागिता ही जिले के समग्र विकास की वास्तविक ताकत है।

उन्होंने कहा कि यदि किसी व्यक्ति ने अभी तक स्व-गणना नहीं की है, तो वह शीघ्र इस प्रक्रिया में भाग लेकर अपना नागरिक कर्तव्य निभाए। यह केवल सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अपने जिले और आने वाली पीढ़ियों के बेहतर भविष्य के निर्माण में सीधा योगदान है। जिला प्रशासन द्वारा लगातार जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है, ताकि हर परिवार तक जनगणना का महत्व पहुंच सके। अधिकारियों का मानना है कि औरंगाबाद की यह सक्रिय भागीदारी आने वाले समय में जिले को विकास की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगी। 95 हजार से अधिक लोगों की सहभागिता ने यह साबित कर दिया है कि औरंगाबाद जागरूक भी है और अपने भविष्य के प्रति जिम्मेदार भी। जनगणना–2027 में यह भागीदारी जिले के लिए गर्व का विषय बन गई है।

सहरसा व पूर्णिया कोर्ट से आनंद विहार के लिए स्पेशल ट्रेनें चलेंगी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

समस्तीपुर। यात्रियों की बढ़ती भीड़ को ध्यान में रखते हुए समस्तीपुर मंडल प्रशासन ने सहरसा एवं पूर्णिया कोर्ट से आनंद विहार के लिए विशेष ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया है। मंडल रेल प्रबंधक (डीआरएम) ज्योति प्रकाश मिश्रा ने शनिवार को इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि गाड़ी संख्या 05575/05576 सहरसा–आनंद विहार–सहरसा स्पेशल ट्रेन सुपौल, झंझारपुर, सकरी, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, रक्सौल और नरकटियागंज के रास्ते संचालित होगी। गाड़ी संख्या 05575 सहरसा–आनंद विहार स्पेशल 28 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक प्रत्येक मंगलवार को सहरसा से

रात 8:00 बजे प्रस्थान कर विभिन्न स्टेशनों पर रुकते हुए गुरुवार को 01:05 बजे आनंद विहार पहुंचेगी। वापसी में गाड़ी संख्या 05576 आनंद विहार–सहरसा स्पेशल 30 अप्रैल से 16 जुलाई 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को आनंद विहार से सुबह 05:15 बजे खुलकर शुक्रवार को 10:30 बजे सहरसा पहुंचेगी। इस ट्रेन में तृतीय वातानुकूलित इकोनॉमी के 8, शयनयान के 10 तथा साधारण श्रेणी के 2 कोच लगाए जाएंगे।

इसी प्रकार गाड़ी संख्या 05579/05580 पूर्णिया कोर्ट–आनंद विहार–पूर्णिया कोर्ट स्पेशल ट्रेन भी सहरसा, सुपौल, निर्मली, झंझारपुर, सकरी, जनकपुर रोड, सीतामढ़ी, रक्सौल और नरकटियागंज मार्ग से चलेगी। गाड़ी संख्या 05579 पूर्णिया कोर्ट–आनंद विहार स्पेशल 26 अप्रैल से 12 जुलाई 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं रविवार को पूर्णिया कोर्ट से शाम 4:30 बजे खुलकर तीसरे दिन 01:05 बजे आनंद विहार पहुंचेगी।

वहीं वापसी में गाड़ी संख्या 05580 आनंद विहार–पूर्णिया कोर्ट स्पेशल 28 अप्रैल से 14 जुलाई 2026 तक प्रत्येक रविवार एवं मंगलवार को आनंद विहार से सुबह 05:15 बजे प्रस्थान कर अगले दिन 13:45 बजे पूर्णिया कोर्ट पहुंचेगी। डीआरएम ने बताया कि इन ट्रेनों में भी यात्रियों की सुविधा के लिए 8 तृतीय एसी इकोनॉमी, 10 शयनयान तथा 2 साधारण श्रेणी के कोच उपलब्ध रहेंगे। इन विशेष ट्रेनों के परिचालन से यात्रियों को काफी राहत मिलने की उम्मीद है।

भीषण गर्मी में तपने लगा पलामू, 44.6 डिग्री सेल्सियस पहुंचा तापमान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पलामू। जिले के कई इलाके इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। पिछले 15 दिनों से पलामू का तापमान 43 डिग्री सेल्सियस के आसपास बना हुआ था। लेकिन शनिवार को पलामू में इस सीजन का सबसे अधिक तापमान दर्ज किया गया है। शनिवार को पलामू का तापमान 44.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है। अभी अप्रैल के दूसरे पखवाड़े की शुरुआत हुई है और अप्रैल महीने में अब तक का यह सबसे अधिक तापमान रिकॉर्ड हुआ है।

पिछले कुछ सालों का टूटा रिकॉर्ड

पिछले कुछ सालों में 44.6 डिग्री सेल्सियस पलामू में तापमान अप्रैल के महीने में रिकॉर्ड नहीं किया गया। शुक्रवार को पलामू का तापमान 43.6 डिग्री सेल्सियस, गुरुवार को 43.2 जबकि बुधवार को 42.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। पलामू के इलाके का तापमान लगातार बढ़ता जा रहा है।

19 अप्रैल को रिकॉर्ड किया गया था अधिक तापमान

इस सीजन में सबसे अधिक तापमान 19 अप्रैल को रिकॉर्ड किया गया था। उस दौरान पलामू का तापमान 43.9 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। 2024 के मई महीने में पलामू का तापमान 47.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था।

हालांकि 70 के दशक में 47 डिग्री सेल्सियस के आसपास एक बार पलामू में तापमान को रिकॉर्ड किया गया था। भीषण गर्मी ने पलामू के जनजीवन को प्रभावित किया है। वही स्वास्थ्य विभाग ने हाई अलर्ट जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से आम लोगों के लिए गाइडलाइन भी जारी की गई है।

जेपीएससी झारखंड पात्रता परीक्षा आज, परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर के दायरे में लागू रहेगी निषेधाज्ञा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

रांची। झारखंड पात्रता परीक्षा लगभग 18 साल बाद रविवार को आयोजित होने जा रही है। झारखंड लोक सेवा आयोग ने इस परीक्षा के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। इस परीक्षा में करीब 1.75 लाख विद्यार्थी राज्य के छह जिलों रांची, बोकारो, धनबाद, पूर्वी सिंहभूम, हजारीबाग तथा देवघर में कुल 434 केंद्रों पर परीक्षा देंगे।

परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक की व्यवस्था

विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर सुबह 8 बजे पहुंचने के निर्देश दिए गए हैं, जबकि परीक्षा सुबह 10 बजे से 1 बजे तक होगी। परीक्षा केंद्रों पर बायोमेट्रिक तथा आईआरआईएस वेरिफिकेशन के बाद ही विद्यार्थियों को परीक्षा केन्द्र पर प्रवेश मिलेगा। गौरतलब है कि इस परीक्षा के माध्यम से राजकीय विश्वविद्यालयों एवं उसके अंगीभूत कॉलेजों में सहायक प्राध्यापक के पदों पर अभ्यर्थियों की नियुक्ति की पात्रता तय होगी तथा पीएचडी में नामांकन होगा।

रांची में परीक्षा को लेकर निषेधाज्ञा जारी

जेपीएससी द्वारा आयोजित झारखंड पात्रता परीक्षा को लेकर रांची जिला प्रशासन ने तैयारी पूरी करते हुए कदाचार मुक्त परीक्षा संचालन के लिए निषेधाज्ञा लागू की है। उपायुक्त सह जिला दण्डाधिकारी मंजूनाथ भजंत्री एवं अपर जिला दण्डाधिकारी, विधि-व्यवस्था के आदेश पर पुलिस बल एवं पुलिस पदाधिकारी के साथ दंडाधिकारी की प्रतिनियुक्ति की गई है।

परीक्षा केंद्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू

जिला प्रशासन को ऐसी आशंका है कि परीक्षा केन्द्रों पर असामाजिक तत्वों के द्वारा भीड़ लगाकर विधि-व्यवस्था भंग करने की चेष्टा की जा सकती है। इसे ध्यान में रखते हुए सदर अनुमंडल दंडाधिकारी कुमार रजत ने परीक्षा केन्द्रों के 200 मीटर की परिधि में निषेधाज्ञा लागू की है, जिसके तहत सरकारी कार्य में लगे पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा सरकारी कार्यक्रम एवं शवयात्रा को छोड़कर पांच या पांच से अधिक व्यक्तियों का एक जगह जमा होना पर पाबंदी लगा दी गई है।

हथियार लेकर चलने पर पाबंदी

इसके अलावा किसी प्रकार का ध्वनि विस्तारक यंत्र का व्यवहार करना और किसी प्रकार का अस्त्र-शस्त्र, जैसे-बंदूक, राइफल, रिवॉल्वर, बम, बारूद आदि लेकर चलना निषेध रहेगी। यह निषेधाज्ञा 26.4.2026 की सुबह 7.00 बजे से अपराह्न 4.00 बजे तक प्रभावी रहेगी। गौरतलब है कि रांची में मारवाड़ी कॉलेज समेत कुल 117 परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं।

धनबाद में मेडिकल वेस्ट प्लांट से बढ़ा बीमारियें का खतरा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के कशीयाटांड़ स्थित मेडिकल बायो-वेस्ट प्लांट पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगे हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्लांट से निकलने वाला मेडिकल कचरा न केवल पर्यावरण को प्रदूषित कर रहा है, बल्कि आसपास के दर्जनों गांवों में बीमारियों का खतरा भी बढ़ा रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक प्लांट संचालक नियमों को दरकिनार करते हुए मेडिकल कचरे को वैज्ञानिक तरीके से नष्ट करने के बजाय जमीन में गड्ढा खोदकर दबा रहे हैं। गर्मी और बरसात के मौसम में इन गड्ढों से उठने वाली तेज दुर्गंध पूरे इलाके में फैल जाती है। जिससे लोगों का रहना मुश्किल हो गया है। लोगों का यह भी कहना है कि इस लापरवाही के कारण संक्रमण फैलने का खतरा लगातार बना हुआ है। स्थिति को लेकर ग्रामीणों में गहरा आक्रोश है और वे खुद को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

इस मुद्दे पर स्थानीय जिला परिषद

सदस्य और ग्रामीण कई बार जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को लिखित शिकायत दे चुके हैं। लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद मामला प्रदूषण नियंत्रण विभाग तक पहुंचा गया है। शिकायत के बाद विभाग की जांच टीम ने मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। जांच में यह पुष्टि हुई कि बायोमेडिकल कचरे को जमीन में दबाया जा रहा है।

जांच टीम के सदस्य निरालाल बास्की ने बताया कि शिकायत सही पाई गई है और पूरी रिपोर्ट वरीय अधिकारियों को भेज दी गई है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। वहीं, ग्रामीणों ने साफ चेतावनी दी है कि अगर जल्द समाधान नहीं निकला तो वे आंदोलन का रास्ता अपनाएंगे।

सारण में दो सड़क हादसों में किशोर व वृद्ध की मौत

छपरा/नबिटा सं। बिहार के सारण जिले में शनिवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में एक किशोर और एक वृद्ध की मौत हो गई। दोनों घटनाओं के बाद इलाके में शोक का माहौल है, वहीं पुलिस मामलों की जांच में जुट गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, पहली घटना दरियापुर थाना क्षेत्र के केवटयिया रामपुर गांव के समीप हुई, जहां अनियंत्रित अज्ञात वाहन की चपेट में आने से केवटिया गांव निवासी भूषण राय के 12 वर्षीय पुत्र अमित कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद चालक वाहन लेकर फरार हो गया। दूसरी घटना मांझी थाना क्षेत्र के डुमरी गांव की है। यहां 75 वर्षीय देवनाथ राय सड़क पार कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर रूप से घायल अवस्था में उन्हें सदर अस्पताल लाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटनाओं की सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस ने दोनों मामलों में अलग-अलग प्राथमिकी दर्ज कर अज्ञात वाहनों की पहचान और चालक की गिरफ्तारी के लिए जांच शुरू कर दी है।

शराब के साथ दो गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

ओबरा (औरंगाबाद)। ओबरा थाना क्षेत्र के हेमजा मुर्गी फार्म से पुलिस ने भारी मात्रा में देसी शराब के साथ दो व्यक्ति हेमजा गांव निवासी रोहित कुमार एवं विजय सिंह को गिरफ्तार किया है। थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली कि मुर्गी फार्म में अवैध शराब रहकर बिक्री किया जा रहा है। सूचना पर त्वरित कार्रवाई करते हुए छापेमारी की गई तो 400 एम एल के तीन उजाला प्लास्टिक का बोतल साथ में 69 पाउच देसी शराब 200 एम एल का बरामद किया गया है। सभी को जब्त तक करते हुए थाने लाकर एक प्राथमिकी दर्ज करते हुए दोनों लोगों को जेल भेज दिया गया है।

मध्य विद्यालय धनगाई में नहीं हैं संस्कृत व अंग्रेजी के शिक्षक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। जिले के बारुण प्रखंड के मध्य विद्यालय धनगाई का भवन अत्यंत जर्जर स्थिति में है। बता दें कि विद्यालय में कुल पांच कमरे हैं जिनमें से तीन की स्थिति बहुत खराब है। वहीं खपड़ैल भवन की छत से बारिश के दिनों में पानी टपकता है। विद्यालय के जर्जर भवन रहने से छात्रों की परेशाली बढ़ जाती है। वहीं विद्यालय में संस्कृत व अंग्रेजी के शिक्षक नहीं है जिससे छात्रों को उक्त विषयों की जानकारी नहीं मिलती है। बता दें कि विद्यालय में पांच से अधिक छात्र-छात्राएं नामांकित हैं परंतु केवल दो कमरों में कक्षाएं संचालित की जा रही है। शिक्षकों ने बताया कि एक कमरे में कक्षा एक और दो, दूसरे में कक्षा तीन और चार और तीसरे में कक्षा पांच और छह को पढ़ाई होती है नियमित रूप से 41० छात्र-छात्राएं प्रतिदिन विद्यालय आते हैं परंतु इतनी बड़ी संख्या में छात्रों को बैठाकर पढ़ाई कराना एक चुनौती है। अधिक छात्रों की उपस्थिति के कारण बच्चे बरामदें में भी शिक्षा ग्रहण करने को मजबूर हैं। कक्षा सात की छात्राएं पिंकी कुमार, स्वीटी कुमारी ने बताया कि में विद्यालय में हिंदी, संस्कृत और अंग्रेजी के शिक्षक नहीं है जिसमें शिक्षण कार्य प्रभावित हो रहा है।

पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर ने गढ़वा विधायक के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। जिले में सियासी टकराव अब सतह पर आ गया है। भाजपा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के खिलाफ सदर थाना में मामला दर्ज किया गया है। पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर की लिखित शिकायत पर यह मुकदमा दर्ज किया गया है।

पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर का आरोप है कि गढ़वा विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी ने उनके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया था। विधायक के बयान को आधार बनाते हुए पूर्व मंत्री ने सदर थाना में लिखित शिकायत दी है। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। विधायक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराने के बाद पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर ने इसकी जानकारी मीडिया के साथ साझा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी के द्वारा लगातार उनपर और उनके परिवार के बारे में असंसदीय भाषा का प्रयोग किया जा रहा है। इस कारण वर्तमान विधायक के खिलाफ पूर्व में भी उन्होंने मामला दर्ज कराया था और आज फिर गढ़वा सदर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर ने कहा कि वर्तमान विधायक उनके बारे में कई बार कई तरह के आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग कर चुके हैं। इसकी कारण पत्नी, बेटी और परिवार के अन्य सदस्य काफी आहत हुए हैं। इस कारण एक बार फिर आज हमने यह मामला दर्ज कराया है।

वहीं इस संबंध में गढ़वा एसडीपीओ नीरज कुमार ने कहा कि पूर्व मंत्री मिथलेश ठाकुर ने वर्तमान विधायक सत्येंद्रनाथ तिवारी पर आपराधिक मामला दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच करेगी और विधि सम्मत कार्रवाई करेगी।

श्रद्धांजलि सभा में याद की गई शांति देवी की संघर्षगाथा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हसपुरा (औरंगाबाद)। प्रखंड के टनकुपि गांव में स्वर्गीय शांति देवी की द्वितीय पुण्यतिथि उनके पैतृक आवास पर श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। इस अवसर पर आयोजित भव्य स्मृति सभा में क्षेत्र के कई गणमान्य लोग, जनप्रतिनिधि और सामाजिक कार्यकर्ता शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रशिक्षक राम इकबाल सिंह ने की, जबकि संचालन भी उन्होंने ही किया। सभा की शुरुआत शांति देवी के पुत्र, कम्युनिस्ट पार्टी के आंचल सचिव एवं मल्हारा पंचायत के पूर्व मुखिया चंद्रशेखर सिंह द्वारा अतिथियों के स्वागत से हुई। इस दौरान उन्होंने स्थानीय विधायक अमरेंद्र कुशवाहा को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में कम्युनिस्ट पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व जिला मंत्री नारायण सिंह सहित पूर्व प्रमुख नागेश्वर यादव, राज्य कार्यकारिणी सदस्य सह व्यापार मंडल अध्यक्ष सुरेश प्रसाद यादव, शिक्षक अरुण कुमार रंजन, पूर्व प्रमुख विजय यादव, शिक्षक नागेश्वर राम, सरपंच प्रतिनिधि श्याम किशोर यादव, युवा नेता दीपक कुमार, सहायक मंत्री अरुण कुमार रंजन, पूर्व सरपंच केशव यादव, रामनरेश सिंह, मनोज यादव, कामेश्वर यादव, कुसुम राजवंशी, जनार्दन यादव और रामदेव राजवंशी समेत अन्य वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। वक्ताओं ने अपने संबोधन में स्वर्गीय शांति देवी के संघर्षमय जीवन, त्याग और सिद्धांतों को विस्तार से याद किया। उन्होंने कहा कि कम उम्र में ही पति स्वर्गीय सुखदेव सिंह के निधन के बाद परिवार पर आए संकट के बावजूद शांति देवी ने अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उन्होंने न केवल अपने बच्चों का पालन-पोषण किया, बल्कि उन्हें उच्च शिक्षा दिलाकर समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया।

अवैध बालू खनन पर विभाग सख्त, दो टैक्ट्रर जब्त

नबिटा संवाददाता

औरंगाबाद। प्रशासन द्वारा लगातार चलाए जा रहे अभियान के तहत औरंगाबाद खनन विभाग की टीम ने दाउदनगर पुलिस के सहयोग से बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान अवैध रूप से बालू लादकर ले जा रहे दो ट्रैक्टर को जब्त कर लिया गया। जबकि अन्य फरार हो गए। यह कार्रवाई थाना क्षेत्र के केरा सहित अन्य क्षेत्रों में की गई। दरअसल, अवैध खनन की शिकायत पर विभाग ने बालू लदे दो ट्रैक्टर को जब्त किया है। इस मामले में खान निरीक्षक प्रत्यूष कुमार के द्वारा संबंधित थाने में ट्रैक्टर और उसके स्वामी के विरुद्ध संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गयी है। वैसे, विभाग सोन और पुनपुन नदी सहित अन्य नदी क्षेत्रों के बालू घाटों पर अवैध खनन को लेकर चौकस है। हालांकि अवैध खनन से सरकार को करोड़ो रूपये राजस्व की क्षति हो रही है। सख्ती के बावजूद रात्रि में अवैध कारोबारी नदियों से बालू खनन करके प्रति ट्रेलर 3

हजार से लेकर 4 हजार में बेच रहे हैं। टेंडर होने के बावजाद बालू माफिया अपने मंसूबों को अंजाम दे रहे है। खान निरीक्षक प्रत्यूष कुमार ने बताया कि खनिज विकास पदाधिकारी हरेश कुमार के निर्देशानुसार अवैध खनन के विरुद्ध लगातार छापेमारी चल रही है। किसी भी सूरत में अवैध कारोबारियों को बक्सा नहीं जाएगा। अवैध खनन के साथ-साथ बालू घाटों के की लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई तय है।

सिंडिकेट बनाकर हो रहा है अवैध उत्खनन :

विदित हो कि बालू माफिया सिंडिकेट बनाकर नदी से बालू का अवैध उत्खनन कर बिक्री कर रहे हैं। बालू माफिया उसके लिए टीम बना लिया है। एक टीम नदी से बालू का उठाव करता है। दूसरा टीम ग्राहक ढूंढते रहता है। तीसरी टीम नदी से लेकर ग्राहक तक बालू पहुंचाने का काम करता है और चौथी टीम पुलिस एवं खनन विभाग पर नजर बनाए रखता है, जैसे ही भनक मिलती है, बालू के आगे-आगे चल रही टीम के सदस्यों को सूचित कर देता है, तभी गंतव्य स्थान तक पहुंचता है। बालू बिक्री कर बालू माफिया टीम के सभी सदस्यों को कुछ न कुछ राशि का भुगतान करता है और अवैध उत्खनन का धंधा पूरे जिले में फैलाए हुए है। रात्रि के समय बालू माफिया खनन कर उसे ट्रैक्टर-ट्रॉलियों और अन्य वाहनों से विभिन्न स्थानों पर सप्लाई किया जाता है। पुनपुन नदी क्षेत्र में कई जगहों पर बालू की अवैध डंपिंग भी की गई है।

लूट के बाद हत्या से बौराई भीड़

◉उग्र भीड़ की पिटाई से एक अपराधी की मौत ◉ दूसरा अपराधी जिंदगी और मौत से जूझ रहा ◉ज्वेलरी की दुकान को बनाया था निशाना ◉ अपराधियों की गोली से एक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गोपालगंज जिले से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। भोरे थाना क्षेत्र के लाला छापर गांव में लूट और हिंसा के दौरान दो लोगों की मौत हो गई। वहीं एक युवक की हालत गंभीर है। इससे पूरे इलाके में तनाव और दहशत का माहौल है। जानकारी के अनुसार, हथियारबंद अपराधियों ने लाला छापर स्थित एक सोने-चांदी की दुकान को निशाना बनाया। अपराधी दुकान में घुसकर जेवरात लूटने लगे। वारदात को अंजाम देकर भाग रहे अपराधियों का विरोध करने पर उन्होंने अंधाधुंध फायरिंग शुरू कर दी। इस गोलीबारी में सिसई गांव निवासी डब्लू मिश्र को गोली लग गई, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। डब्लू मिश्र की मौत की खबर फैलते ही ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। भाग रहे अपराधियों को ग्रामीणों ने घेर लिया। खुद को घिरता देख अपराधियों ने फायरिंग जारी रखी, लेकिन उग्र भीड़ के सामने उनकी एक नहीं चली। ग्रामीणों ने दो अपराधियों को पकड़ लिया और उनकी जमकर पिटाई कर दी। लाठी-डंडों और लात-घूंसों से हुई इस पिटाई में एक अपराधी की मौत हो गई। वहीं दूसरे की हालत गंभीर है।

घटना की सूचना मिलते ही भोरे थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। गांव में तनाव को देखते हुए भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी मामले की जांच में जुटे हैं और यह पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि गिरोह में और कितने सदस्य शामिल थे। बताया जा रहा है कि इस मामले में चार अपराधी पकड़े गए थे, जिनमें से एक की मौत हो चुकी है, जबकि तीन अन्य अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं।

स्कूल के अभाव में तीन किमी पैदल जाते हैं धरमपुर गांव के बच्चे

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

डोभी/गयाजी। डोभी प्रखंड के घोराघाट पंचायत अंतर्गत धरमपुर गांव में सरकारी विद्यालय नहीं होने से बच्चों की पढ़ाई पर गहरा असर पड़ रहा है।

गांव के बच्चों को शिक्षा के लिए दूसरे पंचायत का सहारा लेना पड़ता है, जिससे उन्हें रोजाना लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। धरमपुर के कोनिया निवासी श्रवण कुमार ने बताया कि गांव में विद्यालय नहीं होने के कारण छोटे-छोटे बच्चों को घोराघाट, पचरतन और कोठवारा स्थित स्कूलों में पढ़ने जाना पड़ता है। यह सभी विद्यालय गांव से करीब 3 किलोमीटर की दूरी पर हैं जिससे खास कर छोटे बच्चे को काफी परेशानी होती है। ग्रामीणों का कहना है की दूरी अधिक होने के कारण बच्चे नियमित रूप से स्कूल नहीं जा पाते हैं, जिससे उनकी पढ़ाई प्रभावित हो रही है। बरसात और गर्मी के मौसम में यह समस्या और भी गंभीर हो जाती है।

पंसस ने पत्र लिखकर की जीर्ण शीर्ण पईन मरम्मत की मांग

लगभग 500 एकड़ खेतों की होती है सिंचाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

औरंगाबाद। मदनपुर प्रखंड अंतर्गत बनिया पंचायत के झरही नदी शिवा बिगहा चहका से सैलवां कोइरी बिगहा पईन जो निकली है वह जीर्ण शीर्ण अवस्था में है।सैलवां कोइरी बिगहा पईन से लगभग 500 एकड़ जमीन का सिंचाई होता है।पईन में गाद जमा होने एवं जगह जगह पर टुट जाने के कारण किसानों के खेतों का सिंचाई नहीं हो पा रहा है।सैलवां पईन से कोइरी बिगहा, बेलसर, चट्टी एवं महुआवा ग्राम के किसानों का खेतों में पटवन होता है।

लगातार किसानों के मांग पर पंचायत समिति सदस्या बबिता देवी द्वारा औरंगाबाद के जिला पदाधिकारी एव कार्यपालक अभियंता लघु जल संसाधन विभाग औरंगाबाद मंत्री लघु जल संसाधन विभाग बिहार को अनेकों बार सैलवां पईन के जिर्णोद्धार करवाने हेतु आवेदन पत्र लिखकर मांग किया गया है।लघु जल संसाधन विभाग औरंगाबाद के द्वारा उक्त पईन के जिर्णोद्धार करवाने के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार कर स्वीकृति दिलवाने हेतु राज्य मुख्यालय भेजा गया है।

आज सचिव लघु जल संसाधन विभाग बिहार पटना, अभियंता प्रमुख लघु जल संसाधन विभाग बिहार पटना तथा जिला पदाधिकारी औरंगाबाद एवं कार्यपालक अभियंता लघु जल संसाधन विभाग औरंगाबाद को आवेदन पत्र लिखकर उक्त पईन के जिर्णोद्धार करवाने हेतु सरकार से स्वीकृति दिलवाने हेतु आवेदन पत्र भेजा हूं। सरकार से मैं मांग करता हूं कि बरसात से पहले सैलवां पईन को जिर्णोद्धार करवाने की कृपा करेंगे ताकि किसानों को अकाल का सामना न करना पड़े। उक्त जानकारी पंचायत समिति सदस्य के प्रतिनिधि संजीव कुमार ने विज्ञप्ति जारी कर दी।

तंबाकू मुक्त बिहार विषय पर सेमिनार

सरकार से खैनी, बीड़ी, सिगरेट खुले स्थानों पर बेचने पर पाबंदी लगाने की मांग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बिहार इंस्टीट्यूट ऑफ इकोनॉमिक स्ट्डीज पटना के द्वारा इंडियन रेड क्रॉस सोसाइटी पटना के सभा भवन में श्री उपेंद्र नारायण विद्यार्थी अध्यक्ष ,बिहार यक्ष्मा संघ के अध्यक्षता में तंबाकू मुक्त बिहार विषय पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया।

सेमिनार को विषय प्रवेश कराते हुए इंस्टीट्यूट के निदेशक डॉ प्यारेलाल ने कहा कि तंबाकू मुक्त बिहार बनाने के लिए हम कई जिलों में जिला प्रशासन के समन्वय से कार्य कर रहे है। इसमें हम काफी सफल हुए है,क्योंकि आज तंबाकू के सेवन से विशेषकर युवाओं में फेफड़े का कैंसर,कुपोषित बच्चे का जन्म, अस्थमा की बीमारी,किडनी का कैंसर,दांतों का पिला होना , पैरों में कई तरह की बीमारी आदि हो रहा है,और आगे भी इस तरह का कई बीमारी होने का खतरा उत्पन्न होने की संभावना है।

इंस्टीट्यूट चाहती है कि सामाजिक संगठन, सरकार, पंचायत, हॉस्पिटल, शिक्षक, मीडिया आदि का एक मंच हो ,तभी हम बिहार को तंबाकू मुक्त बिहार बना सकते है,जिसका प्रयास हम कर रहे है।

मुख्य अतिथि वाइटल स्टूडीज तंबाकू नियंत्रण दिल्ली के उप निदेशक डॉ अमित यादव ने बताया कि ऑस्ट्रेलिया,फिनलैंड, मालदीप आदि देशों में 21वर्ष से कम उम्र के बच्चे न तो तंबाकू बेच सकते है और न ही खरीद सकते है।

हालांकि इस तरह का प्रतिबंध भारत में भी सख्ती से लागू किया जाना चाहिए,तभी हम तंबाकू मुक्त समाज बना सकते है। उन्होंने बताया कि एक सर्वे के अनुसार तंबाकू के बिक्री से सरकार को करीब 200करोड़ रुपए का टैक्स आता है,जबकि तंबाकू के सेवन से उत्पन्न रोगों के उपचार में भारत सरकार 1341 करोड़ के करीब खर्च करती है।

सेमिनार को डॉ सौरभ ने संबोधित करते हुए बताया कि भारत में प्रति वर्ष तंबाकू के सेवन से 13 लाख 50000 के करीब हो जाता है,जिसमें खैनी ,बीडी,सिगरेट का प्रयोग ज्यादा है।

सेमिनार के माध्यम से बिहार सरकार से निवेदन किया गया कि खैनी ,बीडी, सिगरेट बेचने का लाइसेंस दिया जाय,और खुले स्थानों पर बेचने की पाबंदी हो।सरकार सीएसआर के राशि को एक जगह एकत्रित कर राज्य स्तर पर सामाजिक संस्थानों की एक कमिटी बनाए, और उसके माध्यम से तंबाकू नियंत्रण पर व्यय करे।

सेमिनार को डॉ मनोज कुमार ने कहा कि अभी बिहार के गांवों में करीब 89प्रतिशत की आबादी रहती है,शहरों में सिर्फ 11 प्रतिशत के करीब ही आबादी रहती है।

सेमिनार को बिहार सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष चंद्र भूषण,बिहार विद्यापीठ के अवधेश के नारायण,बचपन बचाओ आंदोलन के मुख्तरूल हक, ए एन सिन्हा इंस्टीट्यूट पटना के साथी,पटना उच्च न्यायालय के अधिवक्ता के अलावा डॉ अमिताभ कुमार सिंहा, संजय कुमार, ब्रह्मा कुमारी संस्थान के साथी आदि कई सरकारी विभागों के साथियों ने अपना विचार व्यक्त कर तंबाकू मुक्त बिहार बनाने का समर्थन किया। सेमिनार का धन्यवाद ज्ञापन इंस्टीट्यूट के साथी डॉ आसिफरजा ने किया, और आगे भी इस अभियान को जारी रखने का आह्वान किया।

गंगा स्नान करने गयीं चार लड़कियां डूबीं ,दो अब भी लापता

दो को स्थानीय लोगों ने बचाया

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर में एक शादी समारोह के दौरान बड़ा हादसा हो गया। चिरैया गांव में गंगा नदी में नहाने के दौरान चार लड़कियां डूब गईं। इनमें से दो को किसी तरह बचा लिया गया, जबकि दो लड़कियां अभी भी लापता हैं। जानकारी के मुताबिक, चिरैया गांव में हरदेव राय के बेटे संजन कुमार की 28 अप्रैल को शादी होनी है। शादी में शामिल होने के लिए घर पर सगे-संबंधी पहुंचे थे। इसी दौरान कुछ लोग गंगा स्नान के लिए गए थे, तभी चार लड़कियां अचानक तेज धारा में बहने लगीं।

घटना होते ही स्थानीय लोगों ने साहस दिखाते हुए गंगा में छलांग लगाई और दो लड़कियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। लेकिन दो लड़कियां धारा में बह गईं, जिनकी तलाश अभी जारी है।

लापता लड़कियों की पहचान वैशाली जिले के राघोपुर की अमृता कुमारी और माधुरी कुमारी के रूप में हुई है। अमृता अपने ननिहाल हरदेव राय के यहां शादी में शामिल होने आई थी, जबकि माधुरी कुमारी हरदेव राय की भतीजी बताई जा रही है।

घटना के बाद गांव में चीख-पुकार मच गई है। शादी वाले घर में भी मातम का माहौल है।

विद्युतकर्मी पर महिला ने लगाया छेड़खानी का आरोप

बक्सर। कृष्णाब्रह्म थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने बिजली की जांच के लिए घर में घुसे विद्युत कर्मियों पर छेड़खानी और मारपीट का आरोप लगाते हुए महिला थाना में आवेदन दिया है। इस मामले को गंभीरता से लेते हुए महिला थाना की पुलिस प्राथमिकी करने से पहले जांच में जुटी है। वहीं, दूसरी ओर आरोपित पक्ष ने भी कृष्णाब्रह्म थाना में बिजली चोरी और मारपीट की दो प्राथमिकी कराई है। पीड़िता द्वारा लगाए गए आरोप के अनुसार दो दिन पूर्व खुद को विद्युत कर्मी बताते हुए छह-सात व्यक्ति उनके घर में बिजली मीटर की जांच करने के बहाने घुस गए। अचानक घर में घुसे लोगों को देख जब महिला ने इसका विरोध किया तो उसके साथ न सिर्फ मारपीट की गई बल्कि कर्मियों ने उसके साथ अभद्रता करते हुए छेड़छाड़ भी किया। बचाव करने आए घर के सदस्यों के साथ भी विद्युत कर्मियों ने मारपीट करते हुए गले में मौजूद सोने का लॉकेट और कान की बाली छीन ली।

गांधी विचार मंच कार्य समिति की बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। गांधी विचार मंच, पटना के कार्य समिति की बैठक बिहार आर्थिक अध्ययन संस्थान के सभा कक्ष में मंच के अध्यक्ष प्रोफेसर मनोज कुमार की अध्यक्षता में 24 अप्रैल को संपन्न हुई। कार्य समिति में बिहार में गांधी पुस्तक के लोकार्पण और अन्य व्यवस्था संबंधी विचार किया गया। सर्वप्रथम गांधी स्मृति यात्रा के संयोजक सह मंच के अध्यक्ष ने उत्तर प्रदेश राजस्थान और हरियाणा के प्रमुख स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 21 फरवरी से 3 मार्च तक यात्रा आयोजित हुई। यात्रा में चार लोग शामिल थे। यात्रा के दरमियान रहने और खाने में नहीं के बराबर खर्च हुआ। एक जगह को छोड़कर कहीं पर भी रहने में खर्च नहीं हुआ। लेकिन हम लोगों ने महसूस किया कि पूर्व तैयारी में कमी रही। लखनऊ ,अलीगढ़, बनारस और प्रयागराज में बैठक तैयारी के साथ फिर करने की जरूरत है। चंद्रभूषण जी ने यात्रा के खर्च का विवरण प्रस्तुत किया। निर्णय लिया गया कि अब तक के सभी यात्राओं का विपत्र मंच के समक्ष प्रस्तुत किया जाए।

5 मई को बिहार संग्रहालय पटना में बिहार में गांधी पुस्तक के लोकार्पण संबंधी व्यवस्था पर चर्चा कर निर्णय लिया गया।

निर्णय लिया गया कि बिहार और झारखंड में जहां-जहां यात्रा गई है वहां के लोगों को लोकार्पण का आमंत्रण भेजा जाए। सभी उपस्थित सदस्य अपने स्तर से आमंत्रण प्रेषित करें।

प्रथम क्रम में बिहार के उन सभी स्थानों पर यात्रा आयोजित की जाए। प्रमोद शर्मा महामंत्री गांधी विचार मंच द्वारा व्यवस्था के संबंधी सुझाव दिया। बैठक में प्रोफेसर मनोज कुमार, प्रमोद शर्मा, सर्वोदय समाज के चंद्रभूषण, प्रोफेसर परमानंद सिंह पूर्व विभाग अध्यक्ष विश्वविद्यालय गांधी विचार विभाग तिलकामांझी भागलपुर विश्वविद्यालय, डॉक्टर प्यारेलाल निदेशक बिहार आर्थिक अध्ययन संस्थान आदि सदस्य उपस्थित थे।

खादी और भूदान की समस्या पर भी विचार किया गया और निर्णय लिया गया कि बिहार के खादी संस्थाओं का अध्ययन किया जाए। प्रमोद शर्मा इस संबंध में आवश्यक पहल करेंगे। दस्तावेज उपलब्ध कराएंगे। डॉक्टर प्यारेलाल तथ्यों का विश्लेषण करने में मदद करेंगे। प्रोफेसर परमानंद सिंह ने बिहार के कृषि समस्या और गांधिय समाधान पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करेंगे। भूदान के संबंध में विस्तृत रिपोर्ट चंद्र भूषण तैयार करेंगे।

ट्रेन पर पत्थरबाजी, बाल-बाल बचे यात्री

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मोतिहारी। बिहार में ट्रेनों पर पत्थरबाजी की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं। अवध एक्सप्रेस को भी अब असामाजिक तत्वों ने निशाना बनाया है। इससे पहले वंदे भारत एक्सप्रेस पर भी पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आ चुकी हैं।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर शाम मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज रेलखंड पर सेमरा और सुगौली स्टेशन के बीच यह घटना हुई। जब बांद्रा से बरौनी जाने वाली गाड़ी संख्या 19037 अवध एक्सप्रेस सुगौली स्टेशन में प्रवेश कर रही थी, तभी उस पर पत्थरबाजी की गई।

इस घटना में बी-1 कोच की बर्थ संख्या 15 के पास खिड़की का शीशा टूट गया।

हालांकि, किसी यात्री के घायल होने की सूचना नहीं है, जिससे बड़ा हादसा टल गया। घटना के तुरंत बाद कोच अटेंडेंट ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) को सूचना दी, जिसके बाद मामले में अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

सांसद ने गांवों का दौरा कर सुनीं लोगों की समस्याएं, दिया समाधान का भरोसा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शिवाजीनगर। समस्तीपुर के सांसद शांभवी चौधरी ने शनिवार को शिवाजीनगर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों का दौरा किया और ग्रामीणों की समस्याओं से रूबरू हुईं। इस दौरान उनका मुख्य पड़ाव करियन गांव रहा, जहां उन्होंने विश्व विख्यात महान दार्शनिक उदयनाचार्य के स्थल पर पहुंच उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण उपस्थित हुए। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने अपनी-अपनी समस्याएं सांसद के समक्ष रखीं। सांसद ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए शीघ्र समाधान कराने का आश्वासन दिया। इस मौके पर ग्रामीणों द्वारा सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें उदयन सेवा संस्थान के प्रतिनिधियों ने सांसद को

सम्मानित किया और एक ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में महान दार्शनिक उदयनाचार्य के ऐतिहासिक महत्व से अवगत कराते हुए उनके जन्मस्थल की उपेक्षा पर चिंता जताई गई। साथ ही सरकार से मांग की गई कि उदयनाचार्य स्थल का सौंदर्यीकरण किया जाए, इसे पर्यटक स्थल के रूप में विकसित किया जाए तथा गंगा दशहरा के अवसर पर इसे राजकीय पर्व घोषित कर प्रतिवर्ष उदयन महोत्सव आयोजित किया जाए। ज्ञापन प्राप्त करने के बाद सांसद शांभवी चौधरी ने आश्वासन दिया कि उदयनाचार्य स्थल को पर्यटक स्थल का दर्जा दिलाने सहित सभी मांगों को सरकार के समक्ष मजबूती से रखा जाएगा और हरसंभव सहयोग किया जाएगा।

कार्यक्रम के उपरांत सांसद ने प्रखंड क्षेत्र के बोरज गांव का भी दौरा किया, जहां हाल ही में नदी में स्नान के दौरान एक ही परिवार के तीन बच्चों की डूबने से हुई मौत के मामले में पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने पीड़ित के परिजनों को सांत्वना दी और हरसंभव सहायता का भरोसा दिलाया।

इस दौरान शिवाजीनगर सांसद प्रतिनिधि अशोक कुमार सिंह, अनीश राज, मुखिया संजीव कुमार पासवान, मिथिलेश झा, शंभू झा, पवन झा, बिपिन झा, नबीन कुमार सिंह, माधव झा, गंगेश पाठक, देवचन्द्र पाठक, अजित झा, मोहनानंद पाठक, राम कुमार चौधरी, लाल देव महतो, मणिशंकर सिन्हा, सुनील सिंह, नूतन देवी, नीतू देवी, पवित्र कमती, राज कुमार पासवान, कैलाश पंडित, संजय झा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अधेड़ की बेरहमी से हत्या, इलाके में दहशत

पुलिस पड़ताल में जुटी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना ।जिले के मोकामा प्रखंड के कसहा दियारा में एक अधेड़ व्यक्ति की बेरहमी से हत्या कर दी गई। इस घटना से इलाके में दहशत का माहौल है। मृतक की पहचान वाल्मीकि निषाद (70 वर्ष) के रूप में हुई है, जो बेगूसराय जिले के चकिया थाना क्षेत्र के मलहीपुर गांव के रहने वाले थे। बताया जा रहा है कि वह कसहा दियारा में अपने बथान पर सोए हुए थे। शनिवार की रात अपराधियों ने गला दबाकर और धारदार हथियार से हमला कर उनकी हत्या कर दी।

घटना की सूचना मिलते ही पटना ग्रामीण एसपी कुंदन कुमार, बाढ़ एसडीपीओ रामकृष्णा, हाथीदह और मरांची थाना के पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पटना से एफएसएल को बुलाया गया,

जिसने मौके से साक्ष्य जुटाए। इसके साथ ही डॉग स्क्वायड की भी मदद ली जा रही है। हालांकि हत्या का कारण अभी तक साफ नहीं हो पाया है। मरांची थाना की पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी हुई है।

ग्रामीण रमता देवी ने बताया कि जब मृतक का बेटा उन्हें जगाने गया तो वह मृत पड़े थे और उनके सिर में गंभीर चोट के निशान थे। उन्होंने कहा कि वाल्मीकि का किसी से कोई विवाद नहीं था। पूर्व पंचायत समिति सदस्य शैली देवी ने बताया कि पुलिस की सूचना मिलने के बाद वह मौके पर पहुंचीं। उन्होंने देखा कि व्यक्ति मृत पड़ा था और उसके सिर में गंभीर जख्म थे।

मोटरसाइकिल सवार दो डांसर सोन नदी में गिरीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

आरा। सहार थाना क्षेत्र अंतर्गत सहारझअरवल मार्ग पर सोन नदी पुल के पास शनिवार सुबह सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई।

हादसे के दौरान बाइक पर सवार दो महिला डांसर संतुलन बिगड़ने से नदी में जा गिरीं, जबकि बाइक चला रहा युवक पुल पर ही रेलिंग से टकराकर घायल हो गया।

स्थानीय ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए नदी में कूदकर दोनों डांसरों को सुरक्षित बाहर निकाला। घायल युवक की पहचान संटू कुमार के रूप में हुई है। वह पटना जिला के जीवन बिगहा, खिरी मोड़ का निवासी बताया जा रहा है। दोनों महिला डांसर गड़हनी स्थित एक ऑर्केस्ट्रा कंपनी में कार्यरत हैं।

घटना के बाद तीनों घायलों को तत्काल सहार पीएचसी में भर्ती

कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। यह हादसा सुबह करीब सात बजे हुआ।

बताया जाता है कि दोनों महिला डांसर, सुंदरी कुमारी और प्रेम शीला कुमारी, पटना जिले के जीवन बिगहा(खिरी मोड़) में शुक्रवार की रात उपेन्द्र पाल के घर आयोजित तिलकोत्सव समारोह में कार्यक्रम करने गई थीं।

शनिवार की सुबह वे बाइक से वापस गड़हनी लौट रही थीं। संटू बाइक चला रहे थे। इसी दौरान सहार पुल पर चालक को झपकी आ गई, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर पुल की रेलिंग से टकरा गई।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक के पीछे बैठी दोनों महिला डांसर नदी में गिर गईं, जबकि चालक संटू पुल पर ही घायल हो गया।

स्थापना दिवस मना

शिवाजीनगर। बहेड़ी रोड स्थित होली पार्क स्कूल बहेड़ी में विद्यालय के संस्थापक रामदेव बाबू की जयंती के अवसर पर एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार द्वारा संस्थापक के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके शैक्षणिक योगदान को याद किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं एवं गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों को सप्रेम कलम भेंट कर सम्मानित किया गया। साथ ही सत्र 2025-26 में अपने-अपने वर्ग में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को मेडल, मोमेंटो एवं कलम देकर प्रोत्साहित किया गया। समारोह की अध्यक्षता विद्यालय के पूर्व प्राचार्य लाल बाबू पटेल ने की, जबकि कार्यक्रम का संचालन वर्तमान प्राचार्य दिवाकर कुमार ने किया।

उन्होंने कहा कि संस्थापक रामदेव बाबू का उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से समाज का विकास करना था, जिसे विद्यालय आज भी निरंतर आगे बढ़ा रहा है पुरस्कार वितरण समारोह में विद्यालय के निदेशक विकेश कुमार सिंह सहित कई शिक्षकों ने भागीदारी निभाई।

वैज्ञानिक सर्वे के बाद आगे बढ़ा 'क्लिफ वॉक' प्रोजेक्ट

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बिहारशरीफ। बिहार का राजगीर अब सिर्फ धार्मिक पर्यटन नहीं, बल्कि एडवेंचर डेस्टिनेशन के रूप में भी अपनी पहचान मजबूत करने जा रहा है। नेचर सफारी में बने ग्लास स्काई वॉक की सफलता के बाद अब यहां क्लिफ वॉक प्रोजेक्ट पर काम शुरू होने जा रहा है, जो सैलानियों को बिल्कुल नया अनुभव देगा।

प्रस्तावित क्लिफ वॉक को इस तरह डिजाइन किया जा रहा है कि पर्यटक घाटियों के ऊपर चट्टानों के किनारे चलते नजर आएंगे। इस पर चलते वक्त ऐसा एहसास होगा मानो इंसान हवा में तैर रहा हो। नीचे गहरी खाई और चारों तरफ हरियाली इस रोमांच को कई गुना बढ़ा देगी।राजगीर का मौजूदा ग्लास ब्रिज पहले ही पर्यटकों के बीच आकर्षण का केंद्र बना हुआ है। लेकिन नया क्लिफ वॉक उससे भी ज्यादा लंबा और चुनौतीपूर्ण होगा।

यह प्रोजेक्ट खास तौर पर उन लोगों को ध्यान में रखकर तैयार किया जा रहा है जो एडवेंचर और थ्रिल का अनुभव लेना चाहते हैं।

यह क्लिफ वॉक जेठियन पर्वत श्रृंखला की खड़ी चट्टानों पर बनाया जाएगा, जो अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए जानी जाती है।

यह इलाका नेचर सफारी के पास ही स्थित है, जिससे यहां आने वाले पर्यटकों को एक साथ कई अनुभव मिल सकेंगे। इस योजना को जमीन पर उतारने से पहले विशेषज्ञों द्वारा विस्तृत सर्वे किया गया है।

मिट्टी और चट्टानों की मजबूती जांचने के लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया गया, ताकि निर्माण पूरी तरह सुरक्षित और टिकाऊ हो।

सरकार इस प्रोजेक्ट को विकसित करते समय पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दे रही है।

जल स्तर, खनिज और प्राकृतिक संरचना का अध्ययन कर यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि विकास और प्रकृति के बीच संतुलन बना रहे। क्लिफ वॉक शुरू होने के बाद बिहार में एडवेंचर टूरिज्म को नई दिशा मिलने की उम्मीद है।

पटना हाईकोर्ट में एटीएस की मॉक ड्रिल, आतंकी हमले से निपटने की तैयारी का प्रदर्शन

प्रदर्शन कार्यक्रम का शुभारंभ पटना हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संगम कुमार साहू ने किया

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पटना उच्च न्यायालय परिसर किसी तरह के आतंकी हमले से भी पूरी तरह से सुरक्षित है। राज्य पुलिस महकमे की एंटी-टेररिज्म स्क्वाड (एटीएस) की तरफ से एक व्यापक मॉक ड्रिल का आयोजन कर इसे लेकर अपनी काबिलियत दिखाई गई। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसी आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने के लिए सुरक्षा तैयारियों एवं प्रतिक्रिया तंत्र का आकलन करना था। इसका शुभारंभ मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति संगम कुमार साहू के सम्मान में गार्ड ऑफ ऑनर देने के साथ हुआ। इस अवसर पर कई न्यायाधीश उपस्थित रहे। अपने समापन संबोधन में मुख्य न्यायाधीश ने पटना उच्च न्यायालय परिसर में सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था के महत्व पर बल दिया। उन्होंने वर्तमान सुरक्षा ढांचे, विभिन्न प्रवेश द्वारों एवं संवेदनशील क्षेत्रों में तैनाती की समीक्षा की तथा न्यायालय परिसर की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए प्रस्तावित उपायों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अंतर्गत एक जीवंत प्रदर्शन एवं मॉक ड्रिल का आयोजन किया गया जिसमें एक काल्पनिक परिदृश्य प्रस्तुत किया गया। इस परिदृश्य में पन आतंकवादियों की तरफ से पटना के फतुहा के समीप भारतीय वैज्ञानिकों को ले जा रही एक बस के अपहरण की घटना का अभ्यास किया गया। इस दौरान एटीएस कर्मियों की तरफ से समन्वित कार्रवाई, रणनीतिक हस्तक्षेप एवं त्वरित निष्पादन का प्रदर्शन किया गया। यह मॉक ड्रिल विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के बीच समन्वय को सुदृढ़ करने तथा आपात स्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने की तैयारियों को और बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई। कार्यक्रम में महाधिवक्ता की भी उपस्थिति रही। इसके अतिरिक्त एडीजी, एटीएस, रजिस्ट्रार जनरल, पटना उच्च न्यायालय, एसपी, एटीएस, एसएसपी, पटना सहित न्यायालय रजिस्ट्री के अन्य अधिकारी एवं गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। इस अवसर पर एडीजी, एटीएस पंकज कुमार दराद ने एंटी-टेररिज्म स्क्वाड की भूमिका, कार्यप्रणाली तथा आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने में इसकी महत्ता पर प्रकाश डाला।

डॉ. प्रेम कुमार ने जानकी नवमी पर दी बधाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

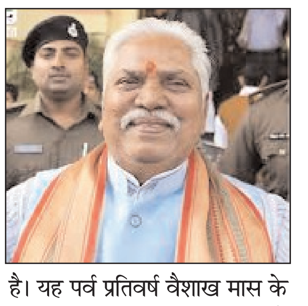

पटना। विधान सभा के अध्यक्ष डॉ. प्रेम कुमार ने माता सीता के पावन प्राकट्य के प्रतीक 'जानकी नवमी' के अवसर पर समस्त बिहारवासियों को अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। डॉ. प्रेम कुमार ने कहा कि जानकी नवमी केवल एक धार्मिक तिथि नहीं है, बल्कि भारतीय संस्कृति के उन मूल्यों को रेखांकित करने का अवसर है जो युगों से हमारा मार्गदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने और माता सीता के आदर्शों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। जानकी नवमी हमें सिखाती है कि कठिन परीक्षाओं के बीच भी चरित्र और धर्म को अडिग बनाए रखा जा सकता है। जानकी नवमी को सीता नवमी के नाम से भी जाना जाता है। यह पर्व प्रतिवर्ष वैशाख मास के शुक्ल पक्ष की नवमी तिथि को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है। पौराणिक मान्यताओं के अनुसार इसी शुभ तिथि को मिथिला के राजा जनक द्वारा हल जोतते समय भूमि से माता सीता का प्राकट्य हुआ था। इसी कारण उन्हें 'भूमिजा' भी कहा जाता है। माता सीता का पावन व्यक्तित्व पवित्रता, संयम और असीम त्यागमयी स्त्रीत्व की साक्षात प्रतिमूर्ति माना जाता है। उनका संपूर्ण जीवन आदर्श नारीत्व, धैर्य और गरिमा का सर्वोच्च उदाहरण है। कठिनतम परिस्थितियों में भी धर्म के मार्ग पर अडिग रहना उनकी महानता को दर्शाता है। समाज और मर्यादा की रक्षा के लिए उन्होंने स्वयं के सुखों का सहर्ष त्याग किया।

बिहार विधान सभा के अध्यक्ष ने कहा कि यह पावन पर्व पौराणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों को अपनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करता है। यह पर्व विशेष रूप से मिथिला (बिहार), उत्तर प्रदेश और नेपाल के क्षेत्रों में बड़े उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इन क्षेत्रों की लोक संस्कृति में माता सीता को 'बेटी' के रूप में पूजा जाता है जिससे भक्तों का उनके साथ गहरा भावनात्मक संबंध स्थापित होता है। आध्यात्मिक दृष्टि से जानकी नवमी उन स्त्रियों के लिए विशेष फलदायी मानी जाती है जो सुखद वैवाहिक जीवन, अखंड सौभाग्य और संतान सुख की कामना रखती हैं। माता जानकी की कृपा से जीवन में सुख, शांति और स्थिरता का वास होता है।

पीएम मोदी के विचारों को हर बूथ तक पहुंचाना हमारा उद्देश्य : संजय सरावगी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम इस महीने 26 अप्रैल को होने जा रहा है। इस कार्यक्रम को खास बनाने और जन-जन तक पहुंचाने के लिए प्रदेश भाजपा पूरी तरह तैयार है। इस कार्यक्रम को लेकर आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में एक बैठक हुई जिसमें सभी मंडल के अध्यक्ष और मन की बात कार्यक्रम के संयोजक उपस्थित रहे। 26 अप्रैल को होने वाले 'मन की बात' कार्यक्रम के 133वें संस्करण की तैयारी के लिए वर्चुअल रूप से आयोजित इस बैठक में मंडल अध्यक्ष के अलावा भी कार्यक्रम के प्रदेश टीम के सदस्य भी शामिल हुए। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 'मन की बात' एक मासिक कार्यक्रम है जिसमें वे देश के नागरिकों को संबोधित करते हैं। कार्यक्रम को सुनना और देखना हर कोई चाहता है। ऐसे में प्रदेश भाजपा ने 26 अप्रैल को आयोजित होने वाले मन की बात कार्यक्रम को हर बूथ पर सुने जाने की व्यवस्था की जा रही है, जिससे लोग प्रधानमंत्री के प्रेरक संबोधन को सुन सकें। उन्होंने कहा कि हमारा ध्येय जन-भागीदारी और संगठनात्मक मजबूती के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विचारों को हर बूथ तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी अपने मन की बात में समाज के अंदर किसी भी क्षेत्र में बेहतर काम करने वालो को रेखांकित कर उसकी सराहना करते हैं और उसे देश के सामने लाते हैं। इस कारण यह और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। बैठक में वर्चुअल माध्यम से प्रदेश संगठन महामंत्री भीखू भाई दलसानिया की उपस्थिति रही और उनका भी मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष सह 'मन की बात' के प्रदेश संयोजक राजेंद्र सिंह तथा कार्यक्रम की प्रदेश टीम के साथ आगामी कार्यक्रम की रूपरेखा, संगठनात्मक तैयारी एवं जनभागीदारी को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने कहा कि हर महीने के अंतिम रविवार को आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय महत्व के विषयों, सकारात्मक कहानियों और जन-भागीदारी पर बात करते हैं जिसका उद्देश्य संवाद स्थापित करना और 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करना है। कार्यक्रम में 'वोकल फॉर लोकल', प्राकृतिक खेती और विभिन्न अभियानों पर जोर दिया जाता है।

डूबने से तीन की मौत, मुख्यमंत्री मर्माहत

मृतकों के आश्रितों को चार-चार लाख अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भागलपुर के नवगछिया के रंगरा प्रखंड अंतर्गत झल्लूदास टोला स्थित गंगा घाट पर नहाने के दौरान गंगा नदी में डूबने से एक ही परिवार के 3 लोगों की मौत पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इस घटना को काफी दुखद बताया है। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रबंधन विभाग को मृतकों के आश्रितों को 04-04 लाख रूपये अनुग्रह अनुदान देने का निर्देश दिया है। मुख्यमंत्री ने शोक संतप्त परिजनों को दुख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

वन स्टॉप सेंटर कर्मियों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू, सेवा गुणवत्ता पर फोकस

इनमें केंद्र प्रशासक, केस वर्कर, मनो-सामाजिक परामर्शी और कंप्यूटर ऑपरेटर सह कार्यालय सहायक शामिल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आने वाले महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से 26 अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर्स में कार्यरत कर्मियों के लिए 5 दिवसीय प्रशिक्षण शुरू किया गया है। यह प्रशिक्षण पटना स्थित दशरथ मांझी श्रम एवं नियोजन अध्ययन संस्थान में 23 अप्रैल से 27 अप्रैल तक आयोजित की गई है। प्रशिक्षण में केंद्र प्रशासक, केस वर्कर, मनो-सामाजिक परामर्शी और कंप्यूटर ऑपरेटर सह कार्यालय सहायक शामिल हैं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य इन कर्मियों की कार्यकुशलता, संवेदनशीलता और सेवा प्रदान करने की गुणवत्ता को अधिक सुदृढ़ करना है। ताकि हिंसा से प्रभावित महिलाओं एवं बच्चों को प्रभावी, संवेदनशील और समयबद्ध सहायता मिल सके। वन स्टॉप सेंटर में महिलाओं के विरुद्ध किसी भी प्रकार की हिंसा (शारीरिक, मानसिक, यौनिक, आर्थिक या घरेलू) के मामलों में एकीकृत सहायता प्रदान करने वाले महत्वपूर्ण केंद्र है। इन केंद्रों के तहत पीड़ित महिलाओं को एक ही छत के नीचे चिकित्सा सहायता, मनो-सामाजिक परामर्श, अस्थायी आश्रय (शेल्टर), पुलिस सहायता और डिजिटल और प्रशासनिक सेवाएं उपलब्ध कराई जाती है। यह केंद्र महिलाओं को सुरक्षित, गोपनीय और सम्मानजनक वातावरण में त्वरित सहायता सुनिश्चित करते है। राज्य सरकार ने हाल ही में 26 नए अतिरिक्त वन स्टॉप सेंटर स्थापित किये है, जिससे सेवा नेटवर्क का और विस्तार हो रहा है। महिला एवं बाल विकास निगम की ओर से आयोजित इस 5 दिवसीय प्रशिक्षण में कर्मियों को बेहतर केस मैनेजमेंट, मनो-सामाजिक परामर्श की उन्नत क्षमता, डिजिटल दक्षता, कंप्यूटर आधारित कार्यालय प्रबंधन, संवेदनशीलता एवं पीड़ित-केंद्रित दृष्टिकोण तथा समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण जैसे कौशलों पर जोर दिया जाएगा। इससे माध्यम से पीड़ित महिलाओं और बच्चों को न केवल त्वरित मदद मिलेगी, बल्कि उनकी पुनर्वास प्रक्रिया भी मजबूत होगी। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यान, कार्यशाला और व्यावहारिक सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। राज्य में महिला सशक्तीकरण और हिंसा पीड़ितों की सुरक्षा के लिए वन स्टॉप सेंटर योजना केंद्र सरकार की 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' और 'महिला सशक्तीकरण' अभियानों से जुड़ी हुई है।

ममता सरकार ने बंगाल के गौरवशाली संस्थानों को राजनीतिक अराजकता का केंद्र बनाया : धर्मेंद्र प्रधान

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पश्चिम बंगाल के शैक्षणिक संस्थानों की वर्तमान स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बंगाल के संस्थानों को उनके पुराने गौरव और शैक्षणिक उत्कृष्टता पर वापस लाने का संकल्प, असल में बंगाल के भविष्य को सुरक्षित करने का आह्वान है। जादवपुर विश्वविद्यालय की घटना का संदर्भ देते हुए धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि यूजीसी की विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट ममता सरकार की विफलता का एक पुख्ता दस्तावेज है। उन्होंने कहा कि जिस संस्थान ने कभी देश को महान शिक्षाविद और वैज्ञानिक दिए, आज वहां का प्रशासन 'लापरवाह' और 'जवाबदेही से शून्य' हो चुका है। यूजीसी समिति द्वारा एंटी-रैगिंग ढांचे को 'कमजोर' बताना और अनुदान में 10% कटौती की सिफारिश करना यह दर्शाता है कि राज्य सरकार ने परिसरों को केवल राजनीतिक प्रभाव के लिए इस्तेमाल किया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि टीएमसी शासन के तहत बंगाल के विश्वविद्यालयों में शैक्षणिक जिम्मेदारी के बजाय राजनीतिक हस्तक्षेप को प्राथमिकता दी गई है जिससे सुरक्षा तंत्र पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। उन्होंने कहा कि कैंपस में 'भय मुक्त' वातावरण प्रदान करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी थी जिसमें वह पूरी तरह विफल रही है। श्री प्रधान ने स्पष्ट किया कि बंगाल का छात्र अब गिरावट को अपनी नियति नहीं मानता।

राज्य में शैक्षणिक संस्थानों के सुधार की मांग अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुकी है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सुधार की बात करने पर मुख्यमंत्री का विचलित होना यह दर्शाता है कि उन्हें बंगाल के युवाओं की शिक्षा से अधिक अपनी राजनीतिक पकड़ खोने का डर है।

गन्ना किसानों को अब एक ही जगह सभी सुविधाएं, विभाग की नई पहल

गन्ना किसानों का होगा वन स्टॉप समाधान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। गन्ना उद्योग विभाग द्वारा गन्ना सेवा केंद्र के माध्यम से छोटे और सीमांत किसानों को सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। ताकि किसानों को गन्ना की खेती में होने वाली परेशानी दूर हो सके और वह कम लागत में बेहतर गन्ना की खेती कर सकें। विभाग के मुताबिक यह योजना सबसे पहले उन जिलों में लागू की जाएगी जहां सबसे ज्यादा गन्ना का उत्पादन होता है और मशीनीकरण कम है। इसके बाद अन्य जिलों में इसे लागू किया जाएगा। यह किसानों के लिए एक वन-स्टॉप समाधान होगा। यहां किसानों को खेती से जुड़ी सलाह, नई किस्मों की जानकारी, सरकारी योजनाओं और सब्सिडी की जानकारी, मिल और बाजार से जुड़ाव के बारे में भी जानकारी मिलेगी। इससे किसानों का समय और खर्च दोनों बचेंगे और सरकारी योजनाओं का लाभ आसानी से मिलेगा। बताया जाता है कि गन्ना उद्योग विभाग ने छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के साथ ही मशीन खरीदने में मदद करेगा और किसानों को प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराएगा।

नीलांशु रंजन के उपन्यास 'माई पापा इज ग्रेट' का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। मशहूर शायर और लेखक नीलांशु रंजन के नये उपन्यास 'माई पाप इज ग्रेट' का लोकार्पण शनिवार को राजधानी पटना के जगजीवन राम शोध संस्थान प्रबुद्ध लेखकों और बुद्धिजीवियों की उपस्थिति में हुआ। पत्रकार से लेखक में तब्दील हुए नीलांशु रंजन का यह तीसरा उपन्यास सामाजिक विसंगतियों के साथ रोमांटिसिज्म को जोड़ता है और उस क्लासिक किस्सागोई की याद दिलाता है जो आज के जमाने में कहीं खो गया है। उपन्यास में भोगविलास के साथ मध्यमवर्गीय द्वंद्व को चित्रमय शैली में लिखा गया है। इसमें मध्यमवर्ग के सौभाग्य और दुर्भाग्य दोनो के दर्शन होते हैं। उपन्यास के विभिन्न पहलुओं पर लेखक संतोष दीक्षित, चर्चित लेखिका शोभ अक्षर, फिल्मकार अनवर जमाल, बिहार लोक सेवा आयोग के पूर्व चेयरमैन इम्तियाज अहमद करीमी, फिल्मकार संतोष समित ने प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रसिद्ध लेखिका भावना शेखर, वीणा अमृत, आराधना प्रसाद उपस्थित थीं। कार्यक्रम का संचालन आकाशवाणी और दूरदर्शन के उदघोषक खालिद रसीद ने किया।

किसानों के लिए मौका, 15 मई से पहले करें ये काम, मिलेगा फायदा

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। अच्छी और मुनाफे वाली खेती के लिए अच्छे गुणवत्ता वाले बीजों की आवश्यकता होती है। इनका बाजार मूल्य अधिक होने के कारण इन्हें खरीदना सभी किसानों के लिए आसान नहीं होता है। ऐसे में किसानों की मदद के लिए बिहार सरकार आगे आई है। बिहार सरकार के कृषि विभाग ने किसानों की सहायता के लिए बीज अनुदान योजना शुरू की है। इस योजना के तहत बिहार सरकार किसानों को अनुदान पर अच्छी गुणवत्ता वाले सभी फसलों के बीज बिहार राज्य बीज निगम लिमिटेड के माध्यम से मुहैया करवाती है। योजना के तहत किसानों को 100 प्रतिशत तक अनुदान पर बेहतर बीज उपलब्ध कराए जाते हैं। इसका लाभ लेने के लिए आवेदक को बिहार का निवासी होना आवश्यक है। आवेदक के पास आवश्यक जमीन होनी चाहिए। किसान का निबंधन डीबीटी पोर्टल पर होना आवश्यक है। योजना का लाभ लेने के लिए किसान 15 मई तक आवेदन कर सकते हैं। इस योजना की अधिक जानकारी बिहार कृषि ऐप, कृषि विभाग की वेबसाइट से ली जा सकती है। इसके साथ ही जिला कृषि कार्यालय से भी इस संबंध में अधिक जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

जानकी नवमी पर गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में पूजा अर्चना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राजधानी पटना के गर्दनीबाग स्थित ठाकुरबाड़ी मंदिर में शनिवार को जानकी नवमी के अवसर पर मां जानकी प्रकटोत्सव श्रद्धा, भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। इस मौके पर मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना, आरती और धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में बिहार राज्य धार्मिक न्यास पर्षद के अध्यक्ष प्रो. रणवीर नंदन ने विधि-विधान से मां सीता और राम दरबार की पूजा-अर्चना की तथा आरती उतारी। पूजा के दौरान मंदिर परिसर भक्तिमय माहौल से गूंज उठा। इस अवसर पर प्रो. रणवीर नंदन ने जानकी नवमी के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान श्रीराम को भगवान विष्णु का अवतार माना जाता है जबकि माता सीता मां लक्ष्मी का स्वरूप हैं। जानकी नवमी के दिन ही माता सीता का धरती पर अवतरण हुआ था, इसलिए यह दिन सनातन परंपरा में अत्यंत पवित्र माना जाता है। उन्होंने कहा कि इस दिन श्रीराम के साथ माता सीता की पूजा करने से श्रीहरि और मां लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार माता सीता की आराधना करने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है, कष्टों का नाश होता है और किसी वस्तु की कमी नहीं रहती। प्रो. नंदन ने कहा कि मां जानकी के पूजन से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष चारों पुरुषार्थों की प्राप्ति होती है। साथ ही जानकी नवमी के दिन विधिपूर्वक माता सीता और भगवान राम की पूजा करने से 16 महादानों, पृथ्वी दान तथा समस्त तीर्थों के दर्शन के समान पुण्य फल मिलता है। जानकी नवमी के अवसर पर मंदिर में श्रद्धालुओं ने माता सीता और प्रभु श्रीराम के जयकारे लगाए तथा सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। समारोह को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा गया।

नेस्ले इंडिया ने दर्ज की एक दशक की सबसे मजबूत तिमाही वृद्धि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। नेस्ले इंडिया के बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स ने 31 मार्च 2026 को समाप्त चौथी तिमाही और वित्तीय वर्ष के लिए आर्थिक परिणामों को मंजूरी दी। कंपनी ने इस तिमाही में लगभग एक दशक की सबसे मजबूत वृद्धि दर्ज की। कुल बिक्री और घरेलू बिक्री में क्रमशः 23.4 प्रतिशत और 23.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि घरेलू बिक्री 6,445 करोड़ रुपये से अधिक रही। स्टैंडअलोन परिणामों पर टिप्पणी करते हुए चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने कहा कि कंपनी ने उच्च डबल-डिजिट वृद्धि दर्ज करते हुए अब तक की सबसे अधिक घरेलू बिक्री हासिल की है। उन्होंने बताया कि यह प्रदर्शन डबल-डिजिट वॉल्यूम ग्रोथ, बढ़े हुए विज्ञापन निवेश, मजबूत निष्पादन, पैठ विस्तार और प्रीमियम उत्पादों पर फोकस के कारण संभव हुआ। ग्रामीण बाजारों में विस्तार करते हुए नेस्ले इंडिया ने अपनी पहुंच लगभग 2,16,000 गांवों तक बढ़ाई।

नदी-नहर की गाद से बनेंगी सड़कें, कृषि भूमि के कटाव पर लगेगा ब्रेक

आरसीडी की सड़कों के निर्माण में नदी, नहर, तालाब और पोखरों की सिल्ट इस्तेमाल की तैयारी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पथ निर्माण विभाग की सड़कों के निर्माण में अब नदी-नहर, तालाब, पोखर आदि जलाशयों के गाद (सिल्ट) का इस्तेमाल किया जाएगा। इससे एक तरफ जहां कृषि उपजाऊ क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित होगी वहीं दूसरी ओर जलाशयों की धारण क्षमता भी बढ़ेगी। विभागीय अधिकारियों की मानें तो सड़क निर्माण की कई परियोजनाओं में जलाशयों के गाद का इस्तेमाल करने की प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। पथ निर्माण विभाग के सचिव पंकज कुमार पाल ने हाल ही में संपन्न विभागीय बैठक में नदी तल एवं नहर चैनलों से निकाले गए डी-सिल्टेड सामग्री के प्रभावी उपयोग के लिए संबंधित मुख्य अभियंता (सीई) को जिला स्तर पर समन्वय स्थापित कर समिति के साथ आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही जल संसाधन विभाग से आवश्यक अनापत्ति प्रमाण-पत्र (एनओसी) प्राप्त कर कार्यों को शीघ्र गति प्रदान करने के लिए कहा है। सचिव ने बताया कि सड़कों के निर्माण में डी-सिल्टेड सामग्री के इस्तेमाल से कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में निर्माण कार्य को तेजी मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि पटना में किमी 00 से 06 तक समग्र उद्यान, दीघा से सभ्यता द्वार और भद्र घाट से दीदारगंज (किमी 0.00 से 8.50) तक के कार्यों में डी-सिल्टेड सामग्री का उपयोग किया जाएगा। इससे निर्माण कार्यों में तेजी आएगी। इसी के साथ नालंदा जिले में सलेपुर से राजगीर (एनएच-82) तक 27.180 किमी लंबाई में 4-लेन ग्रीनफील्ड पर्यटक मार्ग (बौद्ध सर्किट) में भी इस सामग्री के उपयोग से कार्य में प्रगति आएगी। बक्सर जिले में चौसा-बक्सर बाईपास (एनएच-319) के 4-लेनिंग कार्य और दरभंगा जिले में बलभद्रपुर से बेला नवादा (एनएच-119 डी) तक 4-लेन एक्सेस कंट्रोल्ड ग्रीनफील्ड राष्ट्रीय राजमार्ग (भारतमाला परियोजना अंतर्गत) सहित अन्य महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भी इस पहल से गति आने की संभावना है। आमस-दरभंगा कॉरिडोर (पैकेज-4) जैसी प्रमुख परियोजनाएं भी इससे लाभान्वित होंगी।

प्राचीन मंदिरों का जादू, कैमूर और गया में बढ़ रहा धार्मिक पर्यटन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार के गांवों में सदियों पुरानी मान्यताएं और परंपराएं आज भी जीवंत हैं। वर्षों तक अनदेखी रही कहानियां अब विकास की रफ्तार के साथ धीरे-धीरे पर्यटकों और श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित करने लगी हैं। गांवों का शांत वातावरण, मिलनसार लोग और रहस्यमयी जगहें किसी भी व्यक्ति में गहरा लगाव पैदा करती हैं। राज्य व उसके बाहर के खोजी पर्यटकों व धार्मिक लोगों के लिए ये अनोखा अनुभव बनता जा रहा है। इन स्थलों को पिछले कुछ वर्षों में विकसित किया गया है। इसके लिए शहरों से गांवों तक पक्की सड़क का निर्माण, बेहतर परिवहन सुविधा, बिजली, हाट-बाजारों का आधुनिकीकरण, पर्यटकों के लिए अन्य सुविधाओं का विस्तार हुआ है। कैमूर जिला अपने पहाड़ों और नदियों के लिए पर्यटकों को आकर्षित करता रहा है, लेकिन इसकी पौराणिक गाथाएं भी कम आकर्षक नहीं हैं। रामगढ़ प्रखंड मुख्यालय से करीब तीन किलोमीटर दूर अकोढ़ी गांव स्थित है जहां एक जागृत शक्तिपीठ और सिद्धपीठ है। कहते है कि वर्ष 1982-83 में यहां नौ दिवसीय विशाल यज्ञ का आयोजन हुआ था जिसमें चारों पीठों के शंकराचार्य शामिल हुए थे। गांव में दुर्गावती नदी के तट पर स्थित प्राचीन देवी मंदिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर खींच रहा है। नदी के पूर्वी छोर पर जौहरी मां का मंदिर और पश्चिमी छोर पर हनुमानगढ़ी मंदिर है। इस मंदिर का निर्माण गाजीपुर के संत सत्यनारायणाचार्य जी महाराज ने करवाया था। यहां हर वर्ष हनुमान जयंती पर 21 विद्वान पंडित 108 बार सुंदरकांड का पाठ करते हैं। इस दिन गांव में आस्था का बड़ा संगम देखने को मिलता है। मकर संक्रांति के अवसर पर यहां खिचड़ी भोज का आयोजन होता है जिसमें पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क ठहरने की व्यवस्था भी उपलब्ध है। बेहतर सड़क सुविधा से विकास की बयार यहा बह रही है। पर्यटकों की संख्या हर साल बढ़ रही है, जिससे गांव के लोगों को रोजगार मिला है। बेगूसराय जिले के वीरपुर पश्चिम पंचायत के वीरपुर टोला में पाल कालीन दुर्लभ मूर्तियां आज भी मौजूद हैं। इनमें सूर्य, बसहा और काली की प्राचीन मूर्तियां शामिल हैं। यह जगह जिला मुख्यालय से मात्र 13 किलोमीटर दूर है। स्थानीय लोग इन मूर्तियों की रोजाना पूजा करते हैं। वर्ष 2001-2003 के दौरान भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) और जीडी कॉलेज की टीम ने वीरपुर टीला का उत्खनन किया था, जिसमें ये ऐतिहासिक अवशेष मिले। धीरे-धीरे यह स्थल पर्यटकों के लिए भी विकसित हो रहा है। गया जिले के गुरुआ से करीब 20 किलोमीटर दूर नदौरा पंचायत में लगभग 300 वर्ष पुराना भगवान शिव का मंदिर है। यहां रोजाना औरंगाबाद जिले से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा-अर्चना करने आते हैं। हर वर्ष महाशिवरात्रि और सावन पूर्णिमा पर यहां ऐतिहासिक मेला लगता है। इस मंदिर में घंटा बजाकर मन्नत मांगने की पुरानी परंपरा आज भी कायम है। नवादा जिले के नरहट प्रखंड की शेखपुरा पंचायत अपनी धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक धरोहर के लिए प्रसिद्ध है। जिला मुख्यालय से 24 किलोमीटर और प्रखंड मुख्यालय से सिर्फ 3 किलोमीटर दूर स्थित यह पंचायत कई रहस्यों को समेटे हुए है। यहां मां तारा देवी मंदिर अपनी अनोखी संरचना के लिए जाना जाता है। मंदिर परिसर में स्थित सात कोण वाला कुआं लोगों की जिज्ञासा का प्रमुख केंद्र है। स्थानीय मान्यता है कि इस कुएं से लगभग 500 मीटर लंबी गुफा जुड़ी हुई है जिसका संबंध प्राचीन काल और राजा विराट की पुत्री से जोड़ा जाता है। कुएं की पूजा के लिए भारी भीड़ जुटती है।

संपादकीय

मतदाता सूची से बाहर लाखों नाम, फिर भी रिकॉर्ड वोटिंग

मतदाता सूची से बाहर किए गए सत्ताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली।पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के पहले चरण में गुरुवार को जिस तरह करीब बानबे फीसद मतदान की खबर आई है, उससे साफ है कि इस बार वहां की जनता ने अपने मताधिकार को लेकर अपेक्षया ज्यादा सजगता दिखाई है। इसका एक कारण एसआइआर की प्रक्रिया के बाद मतदाता सूची में मौजूद लोगों का अपने मताधिकार को लेकर पहले से ज्यादा सतर्क होना भी हो सकता है।हालांकि अभी दूसरे चरण का मतदान बाकी है और आखिरी तस्वीर नतीजों के बाद साफ होगी, लेकिन राज्य में बड़ी संख्या में लोगों के वोट डालने से वंचित रह जाने को लेकर जैसे सवाल उठ रहे हैं, उनका जवाब सामने आना देश की लोकतांत्रिक परंपराओं को बचाए रखने के लिए जरूरी है। आखिर मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर की प्रक्रिया के बाद जितने लोगों को मतदान के लिए अपात्र मान लिया गया और जो अपीलीय प्राधिकरण के सामने गुहार लगाने के बावजूद वोट देने से वंचित रह गए, उनके नागरिक और संवैधानिक अधिकारों को अब किस कसौटी पर रखा जाएगा।गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में एसआइआर की प्रक्रिया के बाद अब तक करीब सत्ताईस लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए गए हैं। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल करते हुए चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि जिन लोगों की अपील अपीलीय प्राधिकरणों में स्वीकार कर ली जाती है, उनके लिए पूरक संशोधित मतदाता सूची जारी की जाए, ताकि अनुमति मिलने पर वे मतदान कर सकें।शीर्ष अदालत के निर्देश के बाद यह उम्मीद जगी थी कि जो लोग मतदाता सूची से बाहर हो गए थे, उनके सामने भी अब वोट डाल सकने का एक विकल्प होगा और इस तरह सूची से बाहर होने के बाद की जटिलताओं से उनके बच सकने की गुंजाइश तैयार होगी। मगर बुधवार को आई खबर के मुताबिक मतदाता सूची से बाहर किए गए सत्ताईस लाख लोगों के आवेदनों में से सिर्फ 650 पर विचार किया गया और महज 139 को वोट देने की इजाजत मिली।अंदाजा लगाया जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मद्देनजर प्राधिकरण में जिस तरह अपीलों की सुनवाई की व्यवस्था हुई, उसका उद्देश्य शायद सिर्फ औपचारिकता पूरा करना था। इस कवायद के बावजूद एसआइआर की वजह से बड़ी संख्या में जो लोग मतदान करने से वंचित रह गए, उनके बारे में अब कानूनी स्थिति क्या होगी? फिर जिन लोगों को अभी मतदाता सूची में जगह मिलने के लिए अपात्र माना गया, बाद में किन्हीं कसौटी पर उन्हें सही बताया जाएगा, उनके मौजूदा चुनाव में मतदान न कर पाने के लिए क्या किसी की जवाबदेही तय की जाएगी?इसमें कोई दोराय नहीं कि वास्तव में अपात्र लोगों को मतदाता सूची में जगह नहीं मिलनी चाहिए। मगर एसआइआर के बाद भारी संख्या में लोगों के मताधिकार छिन जाने से यह सवाल उठा है कि क्या अब तक ये सभी लोग अवैध तरीके से वोट डालते और प्रतिनिधि चुनते रहे! यह बेवजह नहीं है कि विपक्षी दलों की ओर से निर्वाचन आयोग पर एसआइआर की प्रक्रिया को लेकर गैरजरूरी हड़बड़ी दिखाने और नाहक ही लाखों को लोगों को मताधिकार से वंचित करने के आरोप लगाए जा रहे हैं।यह समझना मुश्किल है कि चुनाव आयोग को ठीक उस वक्त एसआइआर कराने की जरूरत क्यों महसूस हुई, जब सिर पर चुनाव थे और मतदान के लिए अपात्र ठहराए गए लोगों को अपनी पात्रता साबित करने के लिए पर्याप्त वक्त नहीं मिला।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है।

धधकती धरती विकास की दौड़ या विनाश की ओर?

(योगेश कुमार गोयल)

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है।

न केवल भारत में बल्कि वैश्विक स्तर पर तापमान में लगातार हो रही बढ़ोतरी तथा मौसम का निरन्तर बिगड़ता मिजाज गंभीर चिंता का सबब बना है। हालांकि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए विगत वर्षों में दुनियाभर में दोहा, कोपेनहेगन, कानकुन इत्यादि बड़े-बड़े अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सम्मेलन होते रहे हैं किन्तु उसके बावजूद इस दिशा में अभी तक ठोस कदम उठते नहीं देखे गए हैं। दरअसल वास्तविकता यही है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर प्रकृति के बिगड़ते मिजाज को लेकर चर्चाएं और चिंताएं तो बहुत होती हैं, तरह-तरह के संकल्प भी दोहराये जाते हैं किन्तु सुख-संसाधनों की अंधी चाहत, सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि, अनियंत्रित औद्योगिक विकास और रोजगार के अधिकाधिक अवसर पैदा करने के दबाव के चलते इस तरह की चर्चाएं और चिंताएं अर्थहीन होकर रह जाती हैं। ऐसे में पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदान करने तथा पृथ्वी को बचाने के लिए प्रतिवर्ष 22 अप्रैल को 'विश्व पृथ्वी दिवस' मनाया जाता है।

प्रकृति पिछले कुछ समय से बार-बार भयानक आंधियों, तूफान और ओलावृष्टि के रूप में यह गंभीर संकेत देती रही है कि विकास के नाम पर हम प्रकृति से भयानक तरीके से जिस तरह का खिलवाड़ कर रहे हैं, उसके परिणामस्वरूप मौसम का मिजाज कब कहां किस कदर बदल जाए, कुछ भी भविष्यवाणी करना मुश्किल होता जा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के चलते दुनियाभर में मौसम का मिजाज किस कदर बदल रहा है, इसका अनुमान इसी से लगाया जा सकता है कि उत्तरी ध्रुव के तापमान में एक-दो नहीं बल्कि करीब 30 डिग्री तक की बढ़ोतरी देखी गई। मौसम की प्रतिकूलता साल दर साल किस कदर बढ़ती जा रही है, यह इसी से समझा जा सकता है कि कहीं भयानक सूखा तो कहीं बेमौसम अत्यधिक वर्षा, कहीं जबरदस्त बर्फबारी तो कहीं कड़ाके की ठंड, कभी-कभार ठंड में गर्मी का अहसास तो कहीं तूफान और कहीं भयानक प्राकृतिक आपदाएं, ये सब प्रकृति के साथ हमारे खिलवाड़ के ही दुष्परिणाम हैं और हमें यह सचेत करने के लिए पर्याप्त हैं कि अगर हम इसी प्रकार प्रकृति के संसाधनों का बुरे तरीके से दोहन करते रहे तो हमारे भविष्य की तस्वीर कैसी होने वाली है।

हालांकि प्रकृति कभी समुद्री तूफान तो कभी भूकम्प, कभी सूखा तो कभी अकाल के रूप में अपना विकराल रूप दिखाकर हमें चेतावनी भी देती रही है किन्तु जलवायु परिवर्तन से निपटने के नाम पर वैश्विक चिंता व्यक्त करने से आगे हम शायद कुछ करना ही नहीं चाहते। हिन्दी अकादमी दिल्ली के सौजन्य से प्रकाशित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के अनुसार हम यह समझना ही नहीं चाहते कि पहाड़ों का सीना चीरकर हरे-भरे जंगलों को तबाह कर हम जो कंक्रीट के जंगल विकसित कर रहे हैं, वह वास्तव में विकास नहीं बल्कि विकास के नाम पर हम अपने विनाश का ही मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। पहाड़ों में बढ़ती गर्माहट के चलते हमें अक्सर घने वनों में भयानक आग लगने की खबरें सुनने को मिलती रहती हैं। पहाड़ों की इसी गर्माहट का सीधा असर निचले मैदानी इलाकों पर पड़ता है, जहां का पारा अब हर वर्ष बढ़ता जा रहा है।

धरती का तापमान यदि इसी प्रकार साल दर साल बढ़ता रहा तो आने वाले वर्षों में हमें इसके बेहद गंभीर परिणाम भुगतने को तैयार रहना होगा क्योंकि हमें यह बखूबी समझ लेना होगा कि जो प्रकृति हमें उपहार स्वरूप शुद्ध हवा, शुद्ध पानी, शुद्ध मिट्टी तथा ढ़ेरों जनोपयोगी चीजें दे रही है, अगर मानवीय क्रियाकलापों द्वारा पैदा किए जा रहे पर्यावरण संकट के चलते प्रकृति कुपित होती है तो उसे सब कुछ नष्ट कर डालने में पल भर की भी देर नहीं लगेगी। करीब दो दशक पहले देश के कई राज्यों में जहां अप्रैल माह में अधिकतम तापमान औसतन 32-33 डिग्री रहता था, अब वह 40 के पार रहने लगा है। मौसम विभाग का तो अनुमान है कि अगले तीन दशकों में इन राज्यों में तापमान में वृद्धि 5 डिग्री तक दर्ज की जा सकती है और इसी प्रकार तापमान बढ़ता रहा तो एक ओर जहां जंगलों में आग लगने की घटनाओं में बढ़ोतरी होगी, वहीं धरती का करीब 20-30 प्रतिशत हिस्सा सूखे की चपेट में आ जाएगा तथा एक चौथाई हिस्सा रेगिस्तान बन जाएगा, जिसके दायरे में भारत सहित दक्षिण पूर्व एशिया, मध्य अमेरिका, दक्षिण आस्ट्रेलिया, दक्षिण यूरोप इत्यादि आएंगे।

सवाल यह है कि धरती का तापमान बढ़ते जाने के प्रमुख कारण क्या हैं? 'प्रदूषण मुक्त सांसें' पुस्तक के मुताबिक इसका सबसे अहम कारण है ग्लोबल वार्मिंग, जो तमाम तरह की सुख-सुविधाएं व संसाधन जुटाने के लिए किए जाने वाले मानवीय क्रियाकलापों की ही देन है। पैट्रोल, डीजल से उत्पन्न होने वाले धुएं ने वातावरण में कार्बन डाईऑक्साइड तथा ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा को खतरनाक स्तर तक पहुंचा दिया है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि वातावरण में पहले की अपेक्षा 30 फीसदी ज्यादा कार्बन डाईऑक्साइड मौजूद है, जिसकी मौसम का मिजाज बिगाड़ने में अहम भूमिका है। पेड़-पौधे कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर पर्यावरण संतुलन बनाने में अहम भूमिका निभाते रहे हैं लेकिन पिछले कुछ दशकों में वन-क्षेत्रों को बड़े पैमाने पर कंक्रीट के जंगलों में तब्दील किया जाता रहा है। एक और अहम कारण है बेतहाशा जनसंख्या वृद्धि। जहां 20वीं सदी में वैश्विक जनसंख्या करीब 1.7 अरब थी, अब बढ़कर 8 अरब से भी ज्यादा हो चुकी है। अब सोचने वाली बात यह है कि धरती का क्षेत्रफल तो उतना ही रहेगा, इसलिए कई गुना बढ़ी आबादी के रहने और उसकी जरूरतें पूरी करने के लिए प्राकृतिक संसाधनों का बड़े पैमाने पर दोहन किया जा रहा है, इससे पर्यावरण की सेहत पर जो जबरदस्त प्रहार हुआ है, उसी का परिणाम है कि धरती बुरी तरह धधक रही है। ब्रिटेन के प्रख्यात भौतिक शास्त्री स्टीफन हॉकिंग की इस टिप्पणी को कैसे नजरअंदाज किया जा सकता है कि यदि मानव जाति की जनसंख्या इसी कदर बढ़ती रही और ऊर्जा की खपत दिन-प्रतिदिन इसी प्रकार होती रही तो करीब 600 वर्षों बाद पृथ्वी आग का गोला बनकर रह जाएगी।

धरती का तापमान बढ़ते जाने का ही दुष्परिणाम है कि ध्रुवीय क्षेत्रों में बर्फ पिघल रही है, जिससे समुद्रों का जलस्तर बढ़ने के कारण दुनिया के कई शहरों के जलमग्न होने की आशंका जताई जाने लगी है। बहरहाल, अगर प्रकृति से खिलवाड़ कर पर्यावरण को क्षति पहुंचाकर हम स्वयं इन समस्याओं का कारण बने हैं और हम वाकई गंभीर पर्यावरणीय समस्याओं को लेकर चिंतित हैं तो इन समस्याओं का निवारण भी हमें ही करना होगा ताकि हम प्रकृपि के प्रकोप का भाजन होने से बच सकें अन्यथा प्रकृति से जिस बड़े पैमाने पर खिलवाड़ हो रहा है, उसका खामियाजा समस्त मानव जाति को अपने विनाश से चुकाना पड़ेगा।(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, पर्यावरण मामलों के जानकार तथा पर्यावरण पर बहुचर्चित पुस्तक 'प्रदूषण मुक्त सांसें' के लेखक हैं)

पश्चिम बंगाल में सत्ता विरोधी लहर का फायदा क्या उठा पाएगी भाजपा?

(नीरज कुमार दुबे)

मतदाताओं के एक हिस्से में यह धारणा भी है कि भाजपा की राजनीति अत्यधिक ध्रुवीकरण पर आधारित है। धार्मिक और पहचान की राजनीति का असर भले कुछ क्षेत्रों में दिखता हो, लेकिन पूरे राज्य में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, इस पर सवाल बना हुआ है।

पश्चिम बंगाल की राजनीति एक बार फिर निर्णायक मोड़ पर खड़ी है। सवाल सीधा है कि क्या सत्ताविरोधी माहौल को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अपने पक्ष में मोड़ पाएगी? या फिर ममता बनर्जी का जादू एक बार फिर कायम रहेगा? वैसे राज्य में चुनावी हवा भले ही बदलाव की सुगबुगाहट दिखा रही हो, लेकिन जमीन पर हालात इतने सरल नहीं हैं। देखा जाये तो इस बार के चुनावों में भाजपा ने पूरी ताकत झोंक दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लगातार रैलियां, केंद्रीय नेतृत्व की सक्रियता और संगठन की आक्रामक रणनीति यह संकेत देती है कि पार्टी किसी भी कीमत पर बंगाल में सत्ता का स्वाद चखना चाहती है। दूसरी ओर, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) भी अपनी पकड़ ढीली पड़ने देने के मूड में नहीं है। ममता बनर्जी, जो लंबे समय से राज्य की राजनीति का केंद्र रही हैं, अब भी अपने जनाधार और कल्याणकारी योजनाओं के भरोसे मैदान में डटी हुई हैं।

उधर, भाजपा के लिए उम्मीद की सबसे बड़ी वजह है 'एंटी-इंकम्बेंसी' यानी सत्ता के खिलाफ बढ़ती नाराज़गी। टीएमसी सरकार पर भ्रष्टाचार, प्रशासनिक अक्षमता और कानून-व्यवस्था के सवालों को लेकर विपक्ष लगातार हमलावर रहा है। भर्ती घोटाले, स्थानीय स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं की दबंगई और राजनीतिक हिंसा जैसे मुद्दे भाजपा के चुनावी एजेंडे के केंद्र में हैं। पार्टी का दावा है कि जनता बदलाव चाहती है और इस बार वोट उसी दिशा में जाएगा।

लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही मजबूत है। ममता बनर्जी ने बीते वर्षों में महिला मतदाताओं, ग्रामीण गरीबों और अल्पसंख्यकों के बीच अपनी पकड़ मजबूत की है। 'लक्ष्मी भंडार' जैसी योजनाओं ने महिलाओं के बीच भरोसा पैदा किया है, जबकि अन्य सामाजिक योजनाओं ने गरीब तबकों को सीधे लाभ पहुंचाया है। यही कारण है कि भाजपा के आक्रामक अभियान के बावजूद टीएमसी का आधार पूरी तरह हिलता नजर नहीं आता।

इसके अलावा, भाजपा की रणनीति में एक अहम किरदार हैं शुभेन्दु अधिकारी, जो कभी ममता बनर्जी के करीबी सहयोगी थे और अब उनके सबसे बड़े राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी बन चुके हैं। शुभेन्दु अधिकारी ने नंदीग्राम में ममता बनर्जी को मात दी थी और इस बार ममता बनर्जी को उनके गढ़ भवानीपुर में चुनौती दे रहे हैं। शुभेन्दु अधिकारी राज्य में भाजपा का चेहरा बनने का प्रयास कर रहे हैं हालांकि, उनका प्रभाव सीमित इलाकों तक ही केंद्रित माना जाता है, और पूरे बंगाल में एक व्यापक लहर खड़ी करना उनके लिए आसान नहीं है।

हम आपको याद दिला दें कि 2019 के लोकसभा चुनाव भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल में टर्निंग प्वाइंट साबित हुए थे। पार्टी ने उस चुनाव में अप्रत्याशित सफलता हासिल करते हुए खुद को एक मजबूत विपक्ष के रूप में स्थापित किया था। उसी प्रदर्शन के आधार पर भाजपा को उम्मीद थी कि वह विधानसभा चुनाव में सत्ता तक पहुंच सकती है। लेकिन बाद के चुनावी अनुभवों ने यह भी दिखाया कि लोकसभा और विधानसभा की राजनीति में मतदाताओं का व्यवहार अलग हो सकता है।

एक और चुनौती भाजपा के सामने सांस्कृतिक और भाषाई असंतुलन की है। बंगाल की अपनी विशिष्ट पहचान है, और यहां बाहरी बनाम स्थानीय का मुद्दा अक्सर उभरता रहता है। भाजपा के कई नेताओं के बयान और रणनीतियां कभी-कभी स्थानीय संवेदनशीलताओं से मेल नहीं खातीं, जिससे पार्टी को नुकसान उठाना पड़ता है। टीएमसी इस मुद्दे को भुनाने में माहिर रही है और खुद को 'बंगाल की असली आवाज' के रूप में पेश करती है।

इसके अलावा, मतदाताओं के एक हिस्से में यह धारणा भी है कि भाजपा की राजनीति अत्यधिक ध्रुवीकरण पर आधारित है। धार्मिक और पहचान की राजनीति का असर भले कुछ क्षेत्रों में दिखता हो, लेकिन पूरे राज्य में यह रणनीति कितनी कारगर होगी, इस पर सवाल बना हुआ है। बंगाल का सामाजिक ताना-बाना जटिल है, और यहां की राजनीति सिर्फ एक मुद्दे पर नहीं टिकती।

दूसरी ओर, टीएमसी के खिलाफ असंतोष को पूरी तरह नजरअंदाज भी नहीं किया जा सकता। ग्रामीण इलाकों में विकास की असमानता, स्थानीय स्तर पर भ्रष्टाचार और रोजगार के अवसरों की कमी जैसे मुद्दे लोगों के बीच चर्चा में हैं। भाजपा इन्हीं सवालों को उठाकर खुद को एक वैकल्पिक शक्ति के रूप में स्थापित करना चाहती है।

वैसे बंगाल की चुनावी लड़ाई सिर्फ आंकड़ों और नारों की नहीं है, बल्कि भावनाओं, पहचान और भरोसे की भी है। भाजपा के पास आक्रामक अभियान और राष्ट्रीय नेतृत्व का समर्थन है, लेकिन टीएमसी के पास जमीनी नेटवर्क और ममता बनर्जी की व्यक्तिगत लोकप्रियता है। इसलिए, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सत्ताविरोधी लहर किसके पक्ष में जाएगी। भाजपा के लिए यह अवसर भी है और चुनौती भी क्योंकि उसे नाराज़गी को वोट में बदलना होगा। वहीं ममता बनर्जी के लिए यह अपनी विश्वसनीयता और जनसंपर्क की सबसे बड़ी परीक्षा है।

ईरान की ताकत बरकरार, अमेरिका के घटे हथियार! क्या इसी वजह से ट्रंप ने बढ़ाया युद्धविराम?

अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

(नीरज कुमार दुबे)

संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान के साथ जारी संघर्षविराम को अनिश्चित काल के लिए बढ़ाने का ऐलान किया है। यह फैसला उस समय लिया गया जब संघर्षविराम समाप्त होने में कुछ ही घंटे बाकी थे और हालात तेजी से बिगड़ते नजर आ रहे थे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम ईरान को एक साझा और स्पष्ट प्रस्ताव तैयार करने का समय देने के लिए उठाया गया है। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्णय पाकिस्तान के अनुरोध पर लिया गया है। वहीं पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इस फैसले के लिए ट्रंप का धन्यवाद किया और इसे क्षेत्रीय शांति के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। ट्रंप ने भी अपने संदेश में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की भूमिका का जिक्र किया।

हालांकि, संघर्षविराम के ऐलान के बावजूद जमीन पर हालात पूरी तरह शांत नहीं हैं। अमेरिका ने ईरान के खिलाफ समुद्री नाकाबंदी जारी रखी है और अपनी सैन्य तैयारियों को बरकरार रखा है। वहीं ईरान ने साफ कर दिया है कि वह धमकियों और दबाव के माहौल में किसी भी तरह की बातचीत के लिए तैयार नहीं है।

इस बीच, इजराइल ने दक्षिणी लेबनान में हवाई हमले जारी रखे हैं, जिसमें कई लोग घायल हुए और कई घरों को नुकसान पहुंचा। गाजा में भी हमले जारी हैं, जिससे क्षेत्र में मानवीय संकट और गहरा गया है। इस स्थिति ने यह स्पष्ट कर दिया है कि संघर्षविराम केवल कागजी राहत है, जबकि वास्तविकता में तनाव बना हुआ है।

राजनयिक स्तर पर भी स्थिति उलझी हुई है। इस्लामाबाद में बातचीत को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है और ईरानी प्रतिनिधिमंडल के नहीं पहुंचने से आंतरिक मतभेदों के संकेत मिल रहे हैं। चीन ने भी स्थिति को गंभीर बताते हुए हस्तक्षेप किया है और वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलने की मांग की है।

अब यदि अमेरिकी रक्षा विभाग की खुफिया शाखा के ताजा आकलन की बात करें, तो यह तस्वीर और जटिल हो जाती है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि ईरान अब भी अपनी प्रमुख सैन्य क्षमताएं बनाए हुए है और वह एक मजबूत क्षेत्रीय शक्ति बना हुआ है। यह आकलन उन दावों के विपरीत है, जिनमें कहा गया था कि ईरान की सैन्य ताकत को गंभीर रूप से कमजोर कर दिया गया है। खुफिया रिपोर्ट के अनुसार, ईरान की वायु और नौसेना पूरी तरह नष्ट नहीं हुई है और उसकी रणनीतिक क्षमता अभी भी प्रभावी बनी हुई है। इससे यह संकेत मिलता है कि अमेरिका के सार्वजनिक बयान और वास्तविक स्थिति में अंतर है। यह अंतर भविष्य की रणनीति और निर्णयों को प्रभावित कर सकता है।

इसी बीच, एक और महत्वपूर्ण रिपोर्ट सामने आई है, जिसने अमेरिका की सैन्य तैयारियों को लेकर चिंता बढ़ा दी है। रक्षा विश्लेषकों और पेंटागन से जुड़े सूत्रों के अनुसार, ईरान के साथ सात सप्ताह तक चले संघर्ष में अमेरिका ने अपने कई महत्वपूर्ण मिसाइल भंडार का बड़ा हिस्सा खर्च कर दिया है। एक अध्ययन के अनुसार, अमेरिका ने अपने प्रिसिजन स्ट्राइक मिसाइल का लगभग 45 प्रतिशत, थाड इंटरसेप्टर का लगभग आधा और पैट्रियट वायु रक्षा मिसाइलों का करीब 50 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है। इसके अलावा टॉमहॉक मिसाइल का लगभग 30 प्रतिशत और अन्य लंबी दूरी की मिसाइलों का भी बड़ा हिस्सा खर्च हो चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि अमेरिका के पास फिलहाल ईरान के खिलाफ अभियान जारी रखने के लिए पर्याप्त हथियार मौजूद हैं, लेकिन यदि उसे चीन जैसे किसी बड़े प्रतिद्वंद्वी के साथ संघर्ष करना पड़ा, तो मौजूदा भंडार पर्याप्त नहीं होगा। इन हथियारों को फिर से तैयार करने में एक से चार साल तक का समय लग सकता है, जबकि पूरी क्षमता हासिल करने में और ज्यादा समय लग सकता है।

रिपोर्ट में यह भी चेतावनी दी गई है कि हथियारों की इस तेजी से खपत ने पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिका की रणनीतिक स्थिति को कमजोर किया है। यह स्थिति भविष्य में अमेरिका की सैन्य रणनीति के लिए चुनौती बन सकती है। हालांकि, पेंटागन ने इन चिंताओं को खारिज करते हुए कहा है कि अमेरिकी सेना के पास अपने मिशनों को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हैं। ट्रंप प्रशासन ने भी हथियारों की कमी से इंकार किया है, हालांकि अतिरिक्त बजट की मांग की गई है। विश्लेषकों का मानना है कि घटते भंडार का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इससे यूक्रेन और अन्य सहयोगी देशों को मिलने वाली सैन्य सहायता भी प्रभावित हो सकती है। अमेरिकी संसद में भी इस मुद्दे को लेकर चिंता जताई गई है।

इन तमाम घटनाक्रमों के बीच एक बड़ा सवाल उभरकर सामने आता है कि क्या ईरान की सैन्य ताकत के बने रहने और अमेरिकी हथियार भंडार में कमी से जुड़ी रिपोर्टों ने ही ट्रंप के फैसले को प्रभावित किया है। जब खुफिया आकलन यह संकेत दे रहे हैं कि ईरान अब भी एक मजबूत शक्ति है और दूसरी ओर अमेरिका को अपने मिसाइल भंडार को फिर से भरने में वर्षों लग सकते हैं, तो ऐसे में संघर्षविराम का ऐलान केवल कूटनीतिक कदम नहीं बल्कि एक रणनीतिक जरूरत भी हो सकता है। यह भी संभव है कि अमेरिका फिलहाल टकराव को टालकर अपनी सैन्य तैयारी को मजबूत करना चाहता हो। ऐसे में यह प्रश्न और भी महत्वपूर्ण हो जाता है कि क्या यह युद्धविराम वास्तव में शांति की दिशा में कदम है या फिर एक बड़े और लंबे संघर्ष से पहले की रणनीतिक विराम स्थिति है।

बहरहाल, मौजूदा स्थिति कई स्तरों पर अस्थिर बनी हुई है। एक ओर संघर्षविराम ने अस्थायी राहत दी है, लेकिन दूसरी ओर सैन्य तनाव, खुफिया आकलनों में अंतर और हथियारों की कमी से जुड़ी चिंताएं भविष्य में बड़े संकट की ओर इशारा कर रही हैं। आने वाले समय में यह देखना अहम होगा कि क्या कूटनीतिक प्रयास सफल होते हैं या यह संकट एक बड़े युद्ध में बदल जाता है।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

डीएम के आदेश पर अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच

आलमारी/कटिहार (नबिटासं)। जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी द्वारा गठित जांच टीमों ने जिले के विभिन्न प्रखंडों में संचालित अल्ट्रासाउंड संस्थान के वैधता की जांच को लेकर टीम लगातार जांच कर रहे है। इसी क्रम में सालमारी बाजार में अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच की गई। जांच क्रम में टीम के साथ डॉक्टर प्रमोद झा,बीडीओ सरोज कुमार,सालमारी थानाध्यक्ष कुमारी जूली सहित अन्य टीम के सदस्य मौजूद रहे।उनकी मौजूदगी में अल्ट्रासाउंड सेंटरों की जांच की गई। सालमारी बाजार में डा. ए अली के यहा जांच की गई। जहां संचालित अल्ट्रासाउंड सेंटर के वैद्यता से संबंधित दस्तावेज की जांच की गयी। वहीं सालमारी बाजार के डॉक्टर नासिर के टीम पहुंची इस संदर्भ में डॉ.नासिर ने बताया कि मेरे सभी दस्तावेज अद्यतन संधारित है। जांच की जानकारी मुझे नहीं थी। मैं सुबह हीं निजी कार्य से बाहर हूँ। जांच

टीम मूल रूप से अर्हता प्राप्त एवं कई ऐसे संस्थान है। जो बिना निबंधन बिन अर्हता प्राप्त व्यक्ति द्वारा अल्ट्रासाउंड जांच का कार्य किया जाता है। ऐसे कई बिंदुओं पर जांच की गई। जांच के दौरान जांच टीम को कई खामियां नजर आयी। जिसे कलम बंद किया गया है। बहरहाल अब देखने वाली बात होगी कि जांच टीमों को जिन अल्ट्रासाउंड सेंटरों पर खामियां नजर आई हैं। उनके विरुद्ध क्या कार्रवाई होती है, क्यों की बीते कई वर्षों से इस तरह की जांच होती रही है। लेकिन जांच के बाद कार्रवाई क्या होती है। इसकी जानकारी किसी को नहीं होती है।गठित जांच टीम की सक्रियता को सालमारी बाजार में देख लोगों ने कहा जांच के नाम पर खाना पूर्ति होती है। अगर वरीय अधिकारी ठीक से जांच करते तो कई ऐसे नर्सिंग होम और अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालित हैं। जो अवैध रूप से संचालित है। जो लोगों का आर्थिक शोषण करते हैं। वहीं जांच टीम में शामिल डॉक्टर प्रमोद झा से दूरभाष पर संपर्क कर उनसे जानने की कोशिश की गई कि किन-किन संचालकों की जांच हुई। क्या-क्या खामियां पाई गई। लेकिन उनसे फोन पर संपर्क नहीं हो सका इस लिए उनका पक्ष नहीं रखा जा रहा है।

डीआरएम ने किया डीजल शेड व स्टेशन का निरीक्षण

कटिहार (नबिटासं)। मंडल रेल प्रबंधक कटिहार किरेंद्र नरह ने मंडल क्षेत्र के अंतर्गत मालदा डीजल शेड,रनिंग रूम एवं बालूघाट स्टेशन का व्यापक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने संबंधित परिसरों में उपलब्ध इंफ्रास्ट्रक्चर, रखरखाव व्यवस्था एवं यात्री सुविधाओं का गहन आकलन किया।निरीक्षण के क्रम में मंडल रेल प्रबंधक ने डीजल शेड में रखरखाव कार्यों की गुणवत्ता, लोकोमोटिव की उपलब्धता एवं तकनीकी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। साथ ही रनिंग रूम में लोको पायलट एवं

गार्ड के लिए उपलब्ध सुविधाओं का निरीक्षण करते हुए साफ-सफाई, खानपान एवं विश्राम व्यवस्था को और बेहतर बनाने के निर्देश दिए। बालूघाट स्टेशन पर डीआरएम ने यात्री सुविधाओं जैसे प्रतीक्षालय, पेयजल, स्वच्छता, टिकटिंग व्यवस्था एवं सकुलेटिंग एरिया का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को यात्रियों को बेहतर, सुरक्षित एवं आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक अनूप कुमार सिंह, वरिष्ठ मंडल अभियंता निर्माण, वरिष्ठ मंडल सुरक्षा अधिकारी, अमित कुमार सिंह, संदीप कुमार पीएस सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे। मंडल रेल प्रबंधक ने सभी अधिकारियों को निर्देशित किया कि यात्रियों की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए रेलवे सेवाओं की गुणवत्ता में निरंतर सुधार सुनिश्चित किया जाए।

अतिपिछड़ा समाज की बेटी निवेदिता मंडल जेडीयू की राष्ट्रीय सचिव मनोनीत

कटिहार (नबिटासं)। जनता दल यूनाइटेड की ओर से अतिपिछड़ा समाज की बेटी श्रीमती निवेदिता मंडल को पार्टी का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किए जाने पर कटिहार में उनके निज आवास पर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जेडीयू के वरिष्ठ नेता डॉ. सुशील कुमार सुमन, प्रदेश महासचिव शिवप्रकाश गारोदिया, नरेश शर्मा, संजय सिंह एवं अंकित सिंह सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम के दौरान सभी नेताओं ने श्रीमती मंडल को अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल राजनीतिक भविष्य की कामना की। मौके पर उपस्थित कार्यकताओं में भी खासा उत्साह देखने को मिला।इस अवसर पर जेडीयू राजनैतिक सलाहकार समिति के सदस्य डॉ. सुशील कुमार सुमन ने कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार ने

विकास के नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने कहा कि अब पार्टी संगठन में भी सभी वर्गों और कार्यकताओं को उचित सम्मान देने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि श्रीमती निवेदिता मंडल की यह नियुक्ति न सिर्फ कटिहार बल्कि पूरे सीमांचल क्षेत्र के लिए गर्व की बात है। इससे साधारण कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ेगा और संगठन को और मजबूती मिलेगी। डॉ. सुमन ने बताया कि श्रीमती मंडल लंबे समय से पार्टी से जुड़ी हुई हैं और उन्होंने संगठन के लिए समर्पित भाव से कार्य किया है। उनकी लगन, मेहनत और निष्ठा का ही परिणाम है कि पार्टी ने उन्हें इतनी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। सम्मान समारोह के दौरान उपस्थित नेताओं ने एक स्वर में कहा कि श्रीमती निवेदिता मंडल के नेतृत्व में पार्टी को और मजबूती मिलेगी तथा आने वाले समय में जेडीयू और अधिक सशक्त होकर उभरेगी।कार्यक्रम के अंत में श्रीमती निवेदिता मंडल ने सभी नेताओं एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे पार्टी की नीतियों और सिद्धांतों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करेंगी।

डा शंकर प्रसाद का साहित्यिक और सांस्कृतिक जीवन प्रेरणा दायी : प्रेम कुमार

पटना (नबिटासं)। डा. शंकर प्रसाद का साहित्यिक-सांस्कृतिक जीवन समाज के लिए प्रेरणा दायी है। उनपर केंद्रित पुस्तक 'जीवन पथ पर अविराम चला' भारत की साहित्यिक परंपरा का एक सुंदर उदाहरण है। ये हमारी उसी परंपरा के उज्ज्वल-स्तम्भ हैं। यह बातें शुक्रवार को, बिहार हिन्दी साहित्य सम्मेलन में, डा शंकर प्रसाद के साहित्य पर केंद्रित पुस्तक 'जीवन पथ पर अविराम चला' का लोकार्पण करते हुए बिहार विधान सभा के अध्यक्ष डा प्रेम कुमार ने कही। उन्होंने कहा कि लोकार्पित पुस्तक से डा शंकर के जीवन,जीवनादर्श और उनके संघर्षपूर्ण जीवन की प्रेरणादायी स्थितियों से समाज को परिचित कराती है। समारोह के मुख्य अतिथि और बिहार के निवर्तमान कला-संस्कृति मंत्री अरुण शंकर प्रसाद ने

कहा कि जिसके जीवन में साहित्य आ जाए, उसका जीवन बदल जाता है। डा शंकर प्रसाद के जीवन में घुला साहित्य समाज के लिए प्रेरणा दायी है। इनके स्वर में जो मिठास है वह किसी को भी आकर्षित करती है। बिहार विधान परिषद के सदस्य और सुप्रसिद्ध नेत्र रोग विशेषज्ञ डा राज वर्धन आजाद ने अपनी चार पंक्तियों से कि "जीवन पथ पर अविराम चला/ सुख दुःख लेकर सुबह शाम चला/ कभी नाम चला कभी सदनाम चला/ जब भी चला केवल निष्काम चला", डा शंकर प्रसाद के जीवन पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डा शंकर आवाज की दुनिया के जादूगर हैं। लोकार्पण समारोह की अध्यक्षता करते हुए, सम्मेलन अध्यक्ष डा अनिल सुलभ ने कहा कि डा शंकर का वैविध्यपूर्ण जीवन और जीवनानुभूति की पूँजी से अर्जित भाव-संपदा से संपन्न यह पुस्तक, जिसका संपादन विद्वान साहित्यकार निरंजन प्रसाद श्रीवास्तव ने किया है, अत्यंत मूल्यवान, प्रेरक और पठनीय है। पद्मश्री विमल जैन, पटना विज्ञान महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डा अतुल आदित्य पाण्डेय, सम्मेलन की उपाध्यक्ष डा मधु वर्मा, विभा रानी श्रीवास्तव, डा पुष्पा जमुआर, डा शालिनी पाण्डेय, डा मीना कुमारी परिहार, डा सीमा रानी, डा एम के मधु, डा ऋचा वर्मा, ई अशोक कुमार, शंकर कैमूरी, नमिता लोहानी ने भी अपने उद्गार व्यक्त किए।

छात्र के लापता होने पर नागरिकों का फूटा गुस्सा

कटिहार-पूर्णिया सड़क जाम कर परिजनों ने किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। शहर के सहायक थाना क्षेत्र के भेड़िया रहिका से 14 वर्षीय छात्र हर्षित कुमार के लापता होने का मामला अब तूल पकड़ता जा रहा है। बीते 18 अप्रैल से लापता छात्र का अब तक कोई सुराग नहीं मिलने से आक्रोशित परिजनों और स्थानीय लोगों ने शनिवार को सुबह कटिहारझपूर्णिया मुख्य सड़क मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन किया। जानकारी के अनुसार हर्षित कुमार श्रीवास्तव 18 अप्रैल को हरिशंकर नायक स्कूल से टीसी ट्रांसफर सर्टिफिकेट लेने के लिए घर से निकला था। लेकिन उसके बाद वह वापस नहीं लौटा।

काफी खोजबीन के बावजूद जब उसका कोई पता नहीं चला। तो परिजनों ने पुलिस में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। परिजनों का आरोप है कि शिकायत के बाद भी पुलिस की कार्रवाई बेहद धीमी रही। जिससे उनकी चिंता और बढ़ गई। शनिवार को गुस्साये परिजनों और ग्रामीणों ने सड़क के बीचों-बीच बैरिकेडिंग कर आवागमन पूरी तरह ठप कर दिया। प्रदर्शनकारियों ने सड़क पर बैठकर पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और बच्चे की जल्द बरामदगी की मांग की। इस दौरान सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई। जिससे आम लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। हर्षित के पिता चंचल श्रीवास्तव ने बताया कि उनके बेटे की बरामदगी को लेकर पुलिस गंभीरता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते ठोस कदम उठाए जाते, तो शायद उनके बेटे का कुछ पता चल सकता था। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द से जल्द कार्रवाई कर उनके बेटे को सकुशल बरामद किया जाय। सदर एसडीपीओ अभिजीत कुमार सिंह ने परिजनों को समझा-बुझाकर जाम हटवाया। तब जाकर यातायात बहाल हुआ ।

आधा दर्जन से अधिक पार्षदों ने मुख्य पार्षद एवं नगर कार्यपालक पदाधिकारी की कार्यशैली पर उठाये सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मनिहारी (कटिहार)। मनिहारी नगर पंचायत में राजनीतिक खीचतान गहराता जा रहा है । वार्ड छः के वार्ड पार्षद श्रवण कुमार ने प्रेस वार्ता कर जानकारी दी कि 24 अप्रैल 2026 को मनिहारी नगर पंचायत कार्यालय में मासिक बैठक अध्यक्ष लाखो यादव की अध्यक्षता नहीं करायी जाती है।बैठक के बहिष्कार के आवेदन पर वार्ड संख्या तीन की वार्ड पार्षद की दस्तखत की जांच इसकी विशेषज्ञ से कराने के बजाय कार्यपालक पदाधिकारी द्वारा आनन फानन मे किये जाने को संदेहास्पद बताया। कहा कि इसकी जांच किसी विशेषज्ञ से कराना चाहिए था। श्री

में बुलायी गयी थी। जिसका नगर क्षेत्र के विभन्न वार्डों के आधा दर्जन से अधिक वार्ड पार्षदों ने विरोध जताते हुए नगर कार्यपालक पदाधिकारी को आवेदन ई मेल के माध्यम से 23 अप्रैल 26 को दिया था। जिसमें आठ पार्षदों ने बैठक बहिष्कार की दस्तखत की है। इन आवेदन में बनायी गयी दस्तखत की जांचोपरांत नगर कार्यपालक पदादिकारी ने एक वार्ड पार्षद वार्ड संख्या तीन की की हस्ताक्षर को फर्जी करार दे दिया था।बागी पार्षदों का नेतृत्वकर रहे वार्ड पार्षद श्रवण कुमार ने मुख्य पार्षद एवं नगर कार्यपालक पदाधिकारी की कार्यशैली पर क्षोभ जताया है। कहा कि नवगठित सशक्त समिति व सामान्य बैठक में ली जानेवाली प्रस्ताव, कार्ययोजना की कोई जानकारी, मांगने पर भी उपलब्ध साह ने कहा कि इनकी मनमानी एवं पक्षपातपूर्ण कार्यशैली को लेकर नगर विकास विभाग के सचिव,जिला पदाधिकारी कटिहार सहित अन्य संबंधित अधिकारी को आवेदन देकर उच्च स्तरीय निष्पक्ष जांच की मांग की है। इस मौके पर वार्ड संख्या एक के वार्ड पार्षद युगल पासवान ने भी नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद पासवान की कार्यशैली के विरूद्ध इनके पूर्व के पदस्थापना वाली जगहों पर कई गंभीर आरोप की बात कही है। अपने उपर लगे आरोपों के संबंध में नगर कार्यपालक पदाधिकारी अरविंद पासवान ने कहा कि उन पर लगे आरोपों की जांच विराधीन है। जांच जारी है। इस मौके पर आधा दर्जन से अधिक वार्ड पार्षद व उनके प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

ट्रैक्टर ट्राली में दबने से दो मौसरे भाइयों की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कदवा (कटिहार)। कदवा थाना क्षेत्र अंतर्गत जाजा पंचायत की उफरैल गांव वार्ड संख्या 5 में अवैध रूप से बालू खनन कर ले जा रहे अनियंत्रित ट्रैक्टर की चपेट में आने से दो मौसेरे मासूम बच्चे की दबकर मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना देर संध्या लगभग 5 की बताई जाती है। तौफीक आलम ढाई वर्षीय जो मोहम्मद जोहेब का पुत्र है जाजा पंचायत के उफरैल गांव वार्ड संख्या पांच निवासी है।

वही दूसरा मृतक मोहम्मद इश्तियाक का तीन वर्षीय पुत्र मोहम्मद अहमद राजा पास ही के तेतलिया पंचायत के वार्ड संख्या 11 उफरैल गांव निवासी है। मोहम्मद अहमद रजा अपने मौसेरे भाई के घर खेलने आया था। घटना के बाद आसपास के गांव में अफरा तफरी का माहौल हो गया। हजारों हजार की संख्या में लोग देखने के लिए पहुंचने लगे। ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर लेकर फरार हो गया।

मृतक के घर में घर में चीख पुकार मच गई। मोहम्मद सोहेब की माता जफराना खातून व मोहम्मद अहमद राजा की माता फरहाना खातून का बुरा हाल है। घटना की सूचना स्थानीय ग्रामीणों द्वारा कदवा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कदवा पुलिस दलबल के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया।घटना को लेकर ग्रामीणों द्वारा बैठक की जा रही है।मृतक के परिजन सब का पोस्टमार्टम नहीं कराना चाह रहे हैं। समाचार पेंशन तक ग्रामीण जनप्रतिनिधिगनों की बैठक चल रही है। थानाध्यक्ष कुंदन कुमार ने बताया घटना की सूचना मिली है कड़वा पुलिस को घटनास्थल पर निरीक्षण हेतु भेजा गया है। अब तक किसी प्रकार का लिखित आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है। घटना के बाद दोनों पंचायत के हजारों हजार लोग काफी मर्माहत है। मृतक के परिजनों का रो-रोकर भारी बुरा हाल है। मृतक ढाई वर्षीय जोहेब अपने पिता का इकलौता संतान था। वही अहमद रजा तीन भाई बहन से थे जिसमें यह सँझला था।

होटल में विवाद के बाद मारपीट में चार घायल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कुरसेला (कटिहार)। प्रखंड क्षेत्र के नया चौक एनएच 31 स्थिति ग्रामीण बैंक के पास दोपहर मे एक होटल में विवाद के बाद मारपीट में चार लोग के घायल होने की जानकारी सामने आई है। मारपीट में डुमरिया निवासी अमन कुमार यादव (31) , रामपुर यादव टोला निवासी हिमांशु कुमार (22) के अलावा कुरसेला टेंगरिया निवासी होटल मालिक रमेश साह (53) व इनका पुत्र शामिल है। जानकारी के मुताबिक होटल में किसी बात को लेकर दोनों पक्षों में विवाद हो गया, विवाद धीरे धीरे बढ़ता गया और मारपीट हो गई। घायल अमन और हिमांशु का सीएचसी में इलाज कराया गया, जबकि होटल मालिक के इलाज कराने की जानकारी नहीं मिल सकी थी।

ट्रेन में मोबाइल झपटमारी करने वाले दो गिरफ्तार, मोबाइल बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बारसोई (कटिहार)। बारसोई-मालदा रेलखंड पर 13175 अप कंचनजंघा एक्सप्रेस में मोबाइल झपटमारी करने वाले दो अपराधियों को आरपीएफ व जीआरपी ने संयुक्त कार्रवाई में गिरफ्तार कर लिया। बताया जाता है कि ट्रेन गुजरने के बाद दो संदिग्ध भागते दिखे जिन्हें एलसी गेट संख्या एसके-369 के पास पकड़ लिया गया। पीड़ित यात्री छविलाल तांती उत्तर दिनाजपुर, पश्चिम बंगाल ने बताया कि दोनों ने चलती ट्रेन से उनका रियलमी मोबाइल झपट लिया था।

तलाशी में मोबाइल बरामद हुआ। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. जीसान सालमारी व मो. इस्लाम बलिया बेलौन दोनों जिला कटिहार के रूप में हुई है। इस संबंध में जीआरपी बारसोई में कांड संख्या 12/2026 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। बरामद मोबाइल की कीमत करीब 15 हजार रुपये बताई गई है।

दहेज की वेदी पर चढ़ी एक और नवविवाहिता, मिला शव

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कोढ़ा (कटिहार)। कोढ़ा थाना अंतर्गत महिनाथपुर में एक नवविवाहिता की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है।शनिवार की सुबह एनएच - 31 के किनारे संगीता देवी (22) का शव मिलने से क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष पर दहेज हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। शनिवार तड़के महिनाथपुर निवासी टुनटुन सिंह की पुत्रवधू संगीता देवी का शव घर से करीब एक किलोमीटर दूर सड़क किनारे पाया गया।

सूचना मिलते ही कोढ़ा पुलिस मौके पर पहुंची। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथम दृष्टया यह हत्या का

मामला प्रतीत हो रहा है। मृतका के गले पर फंदे के निशान और पीठ पर चोट के गंभीर घाव पाए गए हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है। साथ ही साक्ष्य जुटाने के लिए एफएसएल की टीम को भी बुलाया गया। पुलिस ने पूछताछ के लिए मृतका के पति सूरज और ससुर टुनटुन सिंह को हिरासत में लिया है। मधेपुरा जिले के फुलौत सपनी गांव से आए मृतका के पिता देवेंद्र मेहता का रो-रोकर बुरा हाल है। उन्होंने बताया कि दो वर्ष पूर्व शादी के समय 5 लाख रुपये और अन्य सामान दिया गया था। लेकिन ससुराल वाले खुश नहीं थे।पांच दिन पहले ही सूरज अपनी पत्नी के साथ ससुराल आया था। जहाँ उसने सोने की चकती की मांग की थी। मृतका के भाई सतीश ने बताया कि छह महीने पहले जब वह बहन से मिलने गया था। तब जीजा सूरज ने उसके साथ मारपीट की थी। जिसे बहन की सुख-शांति के खातिर उन्होंने छिपाए रखा।हमें क्या पता था कि वह अपनी पत्नी का ही हत्यारा बन जाएगा। वह इंसान नहीं,जानवर है। शनिवार को कोढ़ा थाना परिसर में मृतका की माँ, पिता और भाई-बहनों के चीत्कार से माहौल गमगीन हो गया। आक्रोशित परिजन बार-बार पुलिस से इंसाफ की गुहार लगा रहे थे और आरोपियों को कड़ी सजा देने की मांग कर रहे थे। कोढ़ा पुलिस के अनुसार पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा। वहीं सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी टु रंजन कुमार सिंह ने बताया कि हत्या का मामला दर्ज किया गया है और मृतका के पति सहित सास ससुर को गिरफ्तार कर लिया गया है ।

नीति आयोग के सूचकांकों की उपलब्धियों को लेकर बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। नीति आयोग के आकांक्षी जिला व प्रखंड कार्यक्रम अन्तर्गत सभी सूचकांकों में प्राप्त जिले की उपलब्धियो को लेकर जिला पदाधिकारी आशुतोष द्विवेदी की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई।बैठक में उपविकास आयुक्त अमित कुमार एवं नोडल पदाधिकारी सह जिला योजना पदाधिकारी एवं संबंधित विभाग के पदाधिकारी मुख्य रुप से उपस्थित रहे।

बैठक में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन तथा बुनियादी ढांचे में जिले की उपलब्धि पर चर्चा की गई। डीएम ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थागत प्रसव में वृद्धि तथा टीकाकरण में शतप्रतिशत लक्ष्य प्राप्ति का निर्देश दिया। तो वहीं शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी विद्यालयों में उपस्थिति बढाने तथा लर्निंग आउटकम में सुधार लाने का निर्देश दिया।जिला पदाधिकारी ने विभागीय तथा संबंधित पदाधिकारियों को सभी सूचकांको में प्राप्त उपलब्धियों को नीति आयोग के पोर्टल पर ससमय इंट्री कराने व नई परियोजना के लिए प्रस्ताव भेजने का निर्देश दिया।

नये थानाध्यक्ष का स्वागत तो निवर्तमान को दी विदाई

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

प्राणपुर (कटिहार)। प्राणपुर थाना परिसर में सम्मान सह विदाई समारोह आयोजित कर निवर्तमान थानाध्यक्ष रंजीत कुमार महतो को विदाई दी गई यो वहीं नवपदस्थापित थानाध्यक्ष विजय प्रकाश का स्वागत किया गया। समारोह लोग जहां स्वागत में खुश तो विदाई करते वक्त गमगीन नजर आये।प्रभार आदान-प्रदान के बाद थाना परिसर में प्रमुख अमित साह की अध्यक्षता में आयोजित समारोह में स्थानीय जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों तथा राजनीतिक कार्यकताओं ने निवर्तमान थानाध्यक्ष को फूल माला पहनाकर एवं उपहार देकर विदाई दी, तो वहीं नवपदस्थापित विजय प्रकाश का फूल माला पहनाकर स्वागत

किया। इस दौरान वक्ताओं ने रंजीत कुमार महतो के कार्यकाल की प्रशंसा करते हुए कहा कि अपने सेवा अवधि में उन्होंने पुलिस फ्रेंडली बनाने का हरसंभव प्रयास किया। रंजीत कुमार ने अपने संबोधन में अपने सहयोगियों, जनप्रतिनिधियों तथा समाजसेवियों के प्रति आभार जताया।वहीं विजय प्रकाश से क्षेत्र में कानून का राज स्थापित करने की अपेक्षा की।साथ हीं बेहतर पुलिसिंग में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। मौके पर बीस सूत्री अध्यक्ष लड्डू सिंह, राजद नेता लक्ष्मीकांत विश्वास, भाजपा नेता रमेश मंडल, कांग्रेस नेता शिवदेव झा सहित पुलिस पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व अन्य शामिल रहे।

सुनील कुमार यादव बने सांसद प्रतिनिधि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। सांसद तारिक अनवर ने शनिवार को अपने गामी टोला स्थित आवासीय कार्यालय परिसर में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कई महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। इस दौरान उन्होंने कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सुनील कुमार यादव को सांसद प्रतिनिधि नियुक्त करने की घोषणा की। सांसद ने कहा कि सुनील कुमार यादव लंबे समय से संगठन में सक्रिय रहे हैं और जनता के बीच उनकी अच्छी पकड़ है। उन्हें सांसद प्रतिनिधि के रूप में लोकसभा क्षेत्र की समस्याओं को सुनने और समाधान की दिशा में कार्य करने की जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने उम्मीद जताई कि सुनील कुमार यादव प्रशासन और जनप्रतिनिधियों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए अपनी जिम्मेदारी निभाएंगे। इस मौके पर सांसद तारिक अनवर ने एक बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि अब कटिहार लोकसभा क्षेत्र के हर प्रखंड में सांसद शिकायत कार्यालय खोले जाएंगे। प्रत्येक कार्यालय में शिकायत पेटी लगाई जाएगी। जिसमें आम लोग अपनी समस्याएं दर्ज कर सकेंगे। बाद में उन शिकायतों पर कार्रवाई कर समाधान की दिशा में कदम उठाया जाएगा। सुनील कुमार यादव को सांसद प्रतिनिधि बनाए जाने के बाद उनके समर्थकों और कांग्रेस कार्यकताओं में खुशी का माहौल है। समर्थकों ने कहा कि संगठन में उनके अनुभव का लाभ अब जनता को मिलेगा और पार्टी को भी मजबूती मिलेगी। इस अवसर पर दिलीप विश्वास, शहनवाज आलम, अंजुमन कौसर उर्फ आम्रपाली यादव, सउद मुखिया, पंकज तंबाकूवाला, राजा मिश्रा, अवधेश मंडल, संतोष यादव, विनोद यादव, जहांगीर आलम, अखिलेश पोद्दार, अब्दुल मन्नान, सुभाष यादव, चंदन यादव, रवि यादव, प्रीतम चक्रवर्ती सहित कई कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुनील कुमार यादव को बधाई दी।

जनगणना के प्रति जागरूकता हेतु दिव्यांगों ने भरी हुंकार

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

कटिहार। कोशी क्षेत्रीय विकलांग विधवा वृद्ध कल्याण समिति,कटिहार की ओर से जनगणना जागरूकता अभियान के तहत एक प्रभात फेरी और मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के माध्यम से जिले के समस्त नागरिकों, विशेषकर दिव्यांगजनों को उनके अधिकारों और जनगणना से होने वाले लाभों के प्रति जागरूक किया गया।जागरूकता अभियान का शुभारंभ यज्ञशाला मैदान, शिव मंदिर चौक बड़ा बाजार, कटिहार से हुआ।

यहाँ से दिव्यांगों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का जत्था शिव मंदिर चौक, बड़ा बाजार से शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पुनः शिव मंदिर चौक, बड़ा बाजार पहुँचा। इस दौरान जुगल मंडल के मधुर एवं प्रेरणादायक गीतों ने

वातावरण को उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम के अंत में शिव मंदिर चौक, बड़ा बाजार क्षेत्र में सभी दिव्यांगों ने एक-दूसरे का हाथ थामकर मानव श्रृंखला बनाई और समाज को एकजुटता का संदेश दिया।कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था के सचिव एवं बिहार राज्य सलाहकार बोर्ड (समाज कल्याण विभाग, बिहार सरकार) के सदस्य शिव शंकर रमानी ने की।

उन्होंने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा जनगणना केवल आंकड़ों का खेल नहीं है, बल्कि यह दिव्यांगों और वंचितों के हक और अधिकार की लड़ाई है। सही आंकड़ों से ही सरकार भविष्य की कल्याणकारी योजनाएं बना सकेगी। हम सभी का दायित्व है कि जनगणना में अपनी सही भागीदारी सुनिश्चित करें ताकि मिलने वाले लाभों से कोई वंचित न रहे।"इस कार्यक्रम में सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अवधेश देव, सामाजिक कार्यकर्ता सुरेश शर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता योगेश पूर्व, जय प्रकाश बारिक, राजीव कुमार सिंह,जूली शर्मा, लक्ष्मी देवी, डेजी कुमारी, प्रशांत कुमार, मोनिका कुमारी, रवि कुमार रविदास, मोहम्मद अफसर, लोको, अंशु राज, अमित कुमार, गीता देवी, कृष्ण देव भगत, मुन्ना साह, लेलू मंडल, अनंत शर्मा आदि कार्यकर्ता प्रमुख रूप से शामिल रहे ।

रूसी तेल पर लगे बैन में अमेरिका अब नहीं देगा कोई छूट, ईयू ने किया स्पष्ट

नई दिल्ली, एजेंसी। यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफकोविक ने शुक्रवार को स्पष्ट किया कि अमेरिका अब भविष्य में रूस पर लगे तेल प्रतिबंधों में कोई नई ढील नहीं देगा। यह बयान अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के साथ हुई उनकी उच्च स्तरीय बैठक के बाद आया है। रॉयटर्स के मुताबिक सेफकोविक ने बताया कि अमेरिकी ट्रेजरी सचिव स्कॉट बेसेंट के साथ बातचीत में उन्हें यह समझाया गया कि यह राहत केवल कुछ गरीब और तेल आयात पर निर्भर देशों की मुश्किल स्थिति को देखते हुए दी गई थी। भारत पर इसका असर दिखाई दे सकता है। अमेरिकी ट्रेजरी विभाग द्वारा रूसी तेल पर प्रतिबंधों में दी गई ढील पर यूरोपीय संघ ने चिंता जताई थी। इस पर चर्चा के दौरान ये बातें सामने आईं अमेरिका ने हाल ही में रूसी कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की लोडिंग और बिक्री के लिए जारी 'जनरल लाइसेंस' को 16 मई तक के लिए बढ़ा दिया है। अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के अनुसार, यह राहत होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने के कारण पैदा हुई किल्लत को देखते हुए दी गई थी। सेफकोविच ने बताया कि कई कम आय वाले देश तेल की कमी के कारण अत्यधिक कठिन स्थिति का सामना कर रहे हैं। इन देशों की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए यह अल्पकालिक कदम उठाया गया था।

प्रतिबंधों में राहत और उसका कारण

ईरान-इजरायल तनाव का असर: एशियाई अर्थव्यवस्थाएं विशेष रूप से तेल की कमी से जूझ रही

हैं। 28 फरवरी से ईरान के खिलाफ शुरू हुए सैन्य अभियानों और अमेरिका-ईरान के बीच तनावपूर्ण संघर्ष विराम के कारण खाड़ी देशों से तेल की आपूर्ति बाधित हुई है। मेरा स्पष्ट मानना है कि भविष्य में इस तरह की ढील दोबारा नहीं दी जाएगी। यह केवल उन देशों की मदद के लिए था जो वर्तमान वैश्विक संकट के कारण सबसे अधिक असुरक्षित हैं। मारोस सेफकोविच, यूरोपीय व्यापार आयुक्त उर्वरक संकट पर भी हुई चर्चा तेल के अलावा, सेफकोविच और बेसेंट ने उर्वरक आपूर्ति श्रृंखला में आ रही बाधाओं पर भी गहन चर्चा की। जी-20 अपील: बेसेंट ने त्र20 देशों, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक से आग्रह किया है कि वे गरीब देशों को उर्वरक की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए समन्वित कार्रवाई करें। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का 30 प्रतिशत से 35 प्रतिशत कच्चा तेल रूस से आयात कर रहा है। अमेरिका द्वारा दोबारा ढील न देने के संकेत भारत की ऊर्जा सुरक्षा और अर्थव्यवस्था को निम्नलिखित तरीकों से प्रभावित कर सकते हैं: भारत अपना लगभग आधा तेल खाड़ी देशों से मंगाता है, जो होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर आता है। अमेरिका-ईरान तनाव के कारण यह रास्ता असुरक्षित है। जब खाड़ी से सप्लाई बाधित हुई, तब भारत ने रूस से आयात बढ़ाकर (मार्च में रिकॉर्ड 20 लाख बैरल प्रतिदिन) अपनी कमी पूरी की। अब अगर रूसी तेल पर भी सख्ती बढ़ती है, तो भारत के पास विकल्पों की भारी कमी हो जाएगी। भारत अपनी कृषि के लिए रूस और अन्य क्षेत्रों से उर्वरक आयात पर निर्भर है। तेल के साथ-साथ उर्वरक आपूर्ति बाधित होने से भारत की खाद्य सुरक्षा और खेती की लागत पर बुरा असर पड़ सकता है। भारत को अब अन्य विकल्पों जैसे अफ्रीका, वेनेजुएला या सीधे अमेरिका से तेल आयात बढ़ाने पर विचार करना पड़ सकता है।

10 साल में सबसे कमजोर रुपया और महंगा होता तेल, भारत पर डबल अटैक

नई दिल्ली, एजेंसी। 2025 में रुपया लगभग 5 प्रतिशत टूटा है। तब से यह कमजोर होता जा रहा है।

यहां तक कि इस साल इसने एक नया रिकॉर्ड निचला स्तर भी छू लिया है। हालांकि, भारतीय मुद्रा सिर्फ डॉलर के मुकाबले कमजोर नहीं पड़ी है। इसके बजाय दूसरी मुद्राओं के मुकाबले भी गिर रही है। अपने वैश्विक समकक्षों के मुकाबले में रुपया एक दशक से भी ज्यादा समय के अपने सबसे कमजोर स्तर पर पहुंच गया है। यह गिरावट ऐसे समय में आई है जब मिडिल ईस्ट में तनाव के बीच कच्चे तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। साथ ही विदेशी निवेशकों का भारी आउटफ्लो करेंसी पर दबाव डाल रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक के ताजा बुलेटिन के आंकड़ों से पता चला है कि रुपये का 40-करेंसी रियल इफेक्टिव एक्सचेंज रेट गिरकर 92.72 पर आ गया है। यह एक पैमाना है जो देशों में महंगाई के हिसाब से एडजस्ट होता है। अब यह अपने लंबे समय के औसत 98.25 से काफी नीचे है। यह दिखाता है कि रुपया अपने सामान्य स्तरों से काफी नीचे है। रॉयटर्स ने विश्लेषकों के हवाले से बताया कि देश में कम महंगाई ने भी हाल के महीनों में को नीचे खींच लिया है। साथ ही इस साल अब तक रुपये में लगभग 4.5 प्रतिशत की गिरावट भी आई है। मार्च में करेंसी डॉलर के मुकाबले 95.21 के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंच गई थी। न्यूज एजेंसी ने बताया कि करेंसी के कम मूल्य पर होने के बावजूद इसमें जल्दी सुधार की संभावना कम है। ग्लोबल रिसर्च के विश्लेषकों ने कहा कि डॉलर की मजबूत मांग के कारण करेंसी पर दबाव बना रह सकता है। यह मांग तेल के ज्यादा आयात और बाजार की अनिश्चित स्थितियों के दौरान विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार बिकवाली के कारण पैदा हुई है। ताजा आंकड़ा 2024 के आखिर के स्तरों से लगभग 15 अंक नीचे है, जो हाल के वर्षों में सबसे तेज गिरावटों में से एक है।

ट्रेंट का शेयर 1000 रुपये से ज्यादा उछला, कंपनी ने किया है 1 फ्री शेयर देने का ऐलान

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट ने जबरदस्त वापसी की है। तेज गिरावट के बाद ट्रेंट के शेयर इसी महीने 1000 रुपये से ज्यादा उछल गए हैं। ट्रेंट के शेयर शुक्रवार को क्रस्थ में उछाल के साथ 4301.35 रुपये पर बंद हुए हैं। ट्रेंट ने अपने शेयरधारकों को बड़ा तोहफा देने का ऐलान किया है। कंपनी अपने निवेशकों को बोनस शेयर बांटेगी। इससे पहले, ट्रेंट अपने शेयर का बंटवारा भी कर चुकी है। ट्रेंट के शेयरों में इसी महीने अप्रैल में 31 पर्सेंट से अधिक की तेजी देखने को मिली है। पहली बार निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा ट्रेंट पहली बार अपने निवेशकों को बोनस शेयर का तोहफा दे रही है। टाटा ग्रुप की इस कंपनी ने 1:2 के रेशियो में बोनस शेयर देने की घोषणा की है। यानी, कंपनी हर 2 शेयर पर 1 बोनस शेयर बांटेगी। कंपनी अपने 5 लाख से ज्यादा शेयरधारकों को यह तोहफा दे रही है। कंपनी ने फिलहाल बोनस शेयर के रिकॉर्ड डेट अनाउंस नहीं की है। ट्रेंट की 21 जून तक अपने निवेशकों को बोनस शेयर अलॉट करने की योजना है। कंपनी ने अपने शेयरधारकों को हर शेयर पर 6 रुपये का डिविडेंड देने की भी घोषणा की है। 1000 रुपये से ज्यादा उछल गए हैं ट्रेंट के शेयर टाटा ग्रुप की कंपनी ट्रेंट के शेयर इसी महीने अप्रैल में 1000 रुपये से ज्यादा चढ़ गए हैं। कंपनी के शेयर 30 मार्च 2026 को 3276.10 रुपये पर जा पहुंचे थे और 52 हफ्ते का नया निचला स्तर बनाया था। ट्रेंट के शेयर 24 अप्रैल 2026 को 4301.35 रुपये पर बंद हुए हैं। यानी, कंपनी के शेयर अप्रैल में 1,025.25 रुपये उछल गए हैं। ट्रेंट के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 6259 रुपये है। ट्रेंट के शेयर पिछले पांच साल में 458 पर्सेंट चढ़ गए हैं। वहीं, कंपनी के शेयरों में पिछले 10 साल में 2540 पर्सेंट की तेजी देखने को मिली है।

8वें वेतन आयोग ने दिया बड़ा अपडेट, केंद्रीय कर्मचारियों को बताया पूरा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय कर्मचारियों के लिए आठवें वेतन आयोग ने एक बड़ा अपडेट दिया है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने अपनी वेबसाइट पर एक नोटिफिकेशन जारी कर आगे की बैठकों के बारे में बताया है। वेतन आयोग के मुताबिक 28 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 तक दिल्ली में होने वाली बैठकों में भाग लेने और आयोग से बातचीत करने के लिए बड़ी संख्या में अनुरोध प्राप्त हुए हैं। हालांकि, सीमित समय और व्यस्त कार्यक्रम के कारण सभी अनुरोधों को स्वीकार कर पाना संभव नहीं है। हालांकि, वेतन आयोग ने यह भी स्पष्ट किया है कि दिल्ली में होने वाली बैठकों के दौरान अधिकतम संख्या में यूनियनों, कर्मचारी संगठनों और विभिन्न एसोसिएशनों से संवाद करने का प्रयास किया जाएगा लेकिन हर संगठन को समय देना कठिन हो सकता है। वेतन आयोग का कहना है कि आने वाले महीनों में दिल्ली के अलावा देश के अलग-अलग राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भी बैठकें आयोजित की जाएगी। इन बैठकों के बारे में वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर जानकारी दी जाएगी। आयोग ने कहा है कि दिल्ली-एनसीआर से बाहर के इच्छुक हितधारक अपने राज्य या नजदीकी राज्य/केंद्र शासित प्रदेश में आयोग से मुलाकात के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे दूर-दराज के क्षेत्रों के संगठनों को राहत मिलने की उम्मीद है, क्योंकि उन्हें दिल्ली आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

पेटीएम पेमेंट्स बैंक का लाइसेंस रद्द, यूपीआई और ग्राहकों के लिए इसका मतलब

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने पेटीएम पेमेंट्स बैंक का बैंकिंग लाइसेंस रद्द कर दिया है। यह कदम एक रेगुलेटरी प्रक्रिया का औपचारिक अंत है। इसने पिछले दो सालों में इस

संस्था को पहले ही काफी हद तक इनैक्टिव कर दिया था। हालांकि, कागजों पर यह कदम काफी अहम लगता है। लेकिन, पेटीएम के कामकाज और ग्राहकों पर इसका असल असर सीमित रहने की उम्मीद है। कामकाज के लिहाज से पेटीएम पेमेंट्स बैंक 2024 की शुरुआत से ही एक तरह से ठप पड़ा था। आरबीआई ने धीरे-धीरे पाबंदियां और कड़ी कर दी थीं। सबसे पहले 2022 में नए ग्राहकों को जोड़ने पर रोक लगाई। बाद में जनवरी 2024 में नए डिपॉजिट, क्रेडिट लेन-देन और वॉलेट टॉप-अप पर भी रोक लगा दी। 15 मार्च 2024 तक बैंक अब कोई भी नया फंड स्वीकार नहीं कर सकता था। इससे बैंक की मुख्य बैंकिंग गतिविधियां पूरी तरह से रुक गईं। तब से बैंक को सिर्फ मौजूदा बैलेंस से पैसे निकालने और लोन रेफरल जैसी कुछ सीमित सेवाएं देने की ही इजाजत थी। कोई नया डिपॉजिट या सक्रिय बैंकिंग काम न होने की वजह से 2024-2025 के दौरान यह संस्था असल में निष्क्रिय हो गई। लाइसेंस रद्द होने से अब इस स्थिति को औपचारिक रूप मिल गया है। आरबीआई अब इसे बंद करने की प्रक्रिया शुरू करने वाला है। अहम बात यह है कि रेगुलेटर ने भरोसा दिलाया है कि बैंक के पास सभी डिपॉजिट करने वालों का पैसा लौटाने के लिए काफी लिक्विडिटी है। इससे बिना किसी बड़ी रुकावट के इसे व्यवस्थित तरीके से बंद किया जा सकेगा।

इसका पेटीएम पेमेंट्स पर क्या असर होगा

पेटीएम के बड़े पेमेंट्स बिजनेस पर इसका असर बहुत कम होगा। 2024 की पाबंदियों के बाद कंपनी ने पहले ही अपने इकोसिस्टम को इस तरह से दोबारा बनाया था कि वह अपनी बैंकिंग शाखा से अलग होकर काम कर सके। नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने पेटीएम को एक थर्ड-पार्टी एप्लिकेशन प्रोवाइडर के तौर पर मंजूरी दे दी थी। इसका मकसद यह था कि वह पार्टनर बैंकों के जरिए यूपीआई सेवाएं जारी रख सके। उसका यूपीआई हैंडल एक मल्टी-बैंक फ्रेमवर्क में बदल दिया गया। इसकी अगुवाई यस बैंक कर रहा था। जबकि मर्चेंट सेटलमेंट और पेमेंट का लेन-देन बाहरी बैंकिंग पार्टनर के जरिए होने लगा।

घाटे से मुनाफे में आया चर्चित बैंक, मैनेजमेंट में भी बदलाव, अब फोकस में रहेंगे शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के इंडसइंड बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही के दौरान बैंक घाटे से मुनाफे में आया है। बैंक के मुनाफे की बात करें तो 594 करोड़ रुपये रहा। इससे पहले बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,329 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। बैंक ने प्रति शेयर 1.5 रुपये का फाइनल डिविडेंड भी घोषित किया है। बैंक ने बताया कि डिविडेंड पाने के हकदार सदस्यों की पात्रता तय करने के लिए रिकॉर्ड डेट शुक्रवार, 26 जून, 2026 होगी। इस बीच, बैंक के मैनेजमेंट में भी बड़े बदलाव हुए हैं।

इंडसइंड बैंक के चीफ कम्प्लायंस ऑफिसर सचिन पाटांगे ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बैंक ने शुक्रवार को स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि उनका आखिरी कामकाजी दिन 29 अप्रैल, 2026 होगा। पाटांगे अप्रैल 2023 में बैंक में शामिल हुए थे। वह भारतीय रिजर्व बैंक के नियमों के अनुपालन की देखरेख के लिए जिम्मेदा थे, जिसमें रिस्क बेस्ड सुपरविजन के ऑडिट अनुपालन शामिल थे। बैंक ने सुनील कुमार सिंह को सचिन की जगह नियुक्त किया है। यह नियुक्ति 30 अप्रैल, 2026 से प्रभावी होगी और इसका कार्यकाल तीन वर्ष का होगा। बैंक ने निलेश शिवजी विकमसे और फ्लिपकार्ट के पूर्व रविंद्र बाबू गरिकिपाटी को भी लगातार चार वर्षों की अवधि के लिए गैर-कार्यकारी

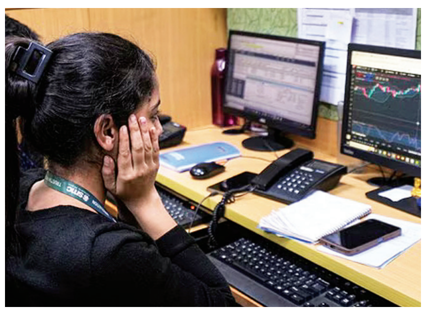

स्वतंत्र निदेशकों की श्रेणी में अतिरिक्त निदेशक के रूप में नियुक्त किया है। विकमसे इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में निप्पॉन लाइफ इंडिया ट्रस्टी लिमिटेड के चेयरमैन के रूप में कार्यरत हैं। इससे पहले, वे फेडरल बैंक के चेयरमैन के रूप में भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। तिमाही में बैंक के लोन में लगभग 8.5 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जबकि पूरे बैंकिंग उद्योग में लगभग 16 प्रतिशत की वृद्धि हुई। बैंक ने बताया कि वह वित्त वर्ष 2026-27 में लोन ग्रोथ के मामले में उद्योग के समान स्तर पर पहुंचने का लक्ष्य रखता है। इंडसइंड बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव आनंद ने कहा कि पिछले समय में डेरिवेटिव कारोबार में हुए नुकसान और अन्य समस्याओं को अब दूर कर लिया गया है।

अमेरिका ने दिया 123 प्रतिशत की ड्यूटी का झटका, सोलर कंपनियों के शेयर हुए धड़ाम

नई दिल्ली, एजेंसी। वारी एनर्जीज समेत कई सोलर कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 5 पर्सेंट से ज्यादा तक लुढ़क गए। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आयात किए जाने वाले सोलर सेल्स और पैनल्स पर प्रीलिमनेरी एंटी-डंपिंग ड्यूटीज की घोषणा की है। अमेरिका में कई घरेलू फैक्ट्री मालिकों ने आरोप लगाया था कि इन 3 देशों की कंपनियां अमेरिकी मार्केट में सस्ते सामान की डंपिंग कर रही हैं, इसके बाद यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह घोषणा की है। यह बात इकनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में कही गई है। रॉयटर्स कैलकुलेशंस के मुताबिक, हालिया बदलावों के बाद भारत से होने वाले आयात के लिए प्रीलिमनेरी ड्यूटी रेट्स, जिन्हें डंपिंग मार्जिन्स के नाम से जाना जाता है, बढ़कर 123.04 पर्सेंट पहुंच गए हैं। वहीं, इंडोनेशिया से होने वाले इंपोर्ट के लिए ड्यूटी रेट्स 35.17 पर्सेंट और लाओस से होने वाले आयात के लिए ड्यूटी रेट्स 22.46 पर्सेंट पहुंच गए हैं। रॉयटर्स का कैलकुलेशन कॉमर्स डिपार्टमेंट की वेबसाइट पर पोस्ट की गई फैक्ट शीट पर आधारित है। पिटीशन दाखिल करने वाले अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड में टेम्पे, एरिजोना बेस्ड फर्स्ट सोलर, क्यूसेल्स, कोरिया की हैनवा की सोलर डिवीजन और प्राइवेट कंपनियां टैलॉन पीवी और मिशन सोलर शामिल हैं।

सीईओ को करीब 52 करोड़ के शेयर देगी दिग्गज कंपनी, कर्मचारियों को क्या मिला

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की दिग्गज आईटी कंपनी इंफोसिस ने अपने मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक यानी एमडी सलील पारेख को कुल 51.75 करोड़ रुपये के शेयर देने को मंजूरी दी है। कंपनी ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि उसके निदेशक मंडल ने 2015 और 2019 की शेयर प्रोत्साहन योजनाओं के तहत रिस्ट्रिक्टेड स्टॉक यूनिट (आरएसयू) देने को मंजूरी दी है। इसके तहत सलील पारेख को 34.75 करोड़ रुपये मूल्य के आरएसयू मिलेंगे जो परफॉर्मेंस के आधार पर एक वर्ष बाद दिए जाएंगे।

इसके अलावा, 2019 की विस्तारित शेयर स्वामित्व योजना के तहत उन्हें 10 करोड़ रुपये मूल्य के आरएसयू दिए गए हैं। कंपनी ने पर्यावरण, सामाजिक एवं प्रशासन (ईएसजी) लक्ष्यों से जुड़े दो करोड़ रुपये और कुल शेयरधारक रिटर्न से जुड़े पांच करोड़ रुपये के अतिरिक्त प्रोत्साहन भी मंजूर किए हैं। कंपनी ने कर्मचारियों के लिए भी शेयर प्रोत्साहन की घोषणा की है। इसके तहत 2015

योजना में पात्र कर्मचारियों को 27,193 आरएसयू दिए जाएंगे जो दो से तीन वर्ष में चरणबद्ध तरीके से मिलेंगे। वहीं, 2019 योजना के तहत 1.90 करोड़ रुपये मूल्य के प्रदर्शन आधारित शेयर भी मंजूर किए गए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में इंफोसिस का मुनाफा 20.8 प्रतिशत बढ़कर 8,501 करोड़ रुपये रहा। कंपनी की परिचालन आय वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये हो गई जो एक साल पहले 40,925 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुनाफा 10.20 प्रतिशत बढ़कर 29,440 करोड़ रुपये रहा जो 2024-25 में 26,713 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2025-26 में परिचालन आय 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1,78,650 करोड़ रुपये हो गई। कंपनी के निदेशक मंडल ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 25 रुपये के फाइनल डिविडेंड की सिफारिश की है। अंतरिम डिविडेंड और शेयर बायबैक सहित कंपनी ने कुल मिलाकर 37,500 करोड़ रुपये से अधिक की राशि शेयरधारकों को लौटाई है।

इंफोसिस मैनेजमेंट ने कहा कि वर्ष की शुरुआत अच्छी रही। हालांकि, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण आर्थिक माहौल में कुछ बदलाव देखने को मिला।

पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद लगातार तीसरे सप्ताह बढ़ा विदेशी मुद्रा भंडार, सोना भी बढ़ा

मुंबई, एजेंसी। अमेरिका ने भले ही ईरान के साथ युद्ध विराम की अवधि को बढ़ा दी हो, लेकिन संकट अभी टला नहीं है। इसके बावजूद अप्रैल के तीन सप्ताह में भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में .15.25 की बढ़ोतरी हुई है। पिछले सप्ताह ही अपने फोरेक्स भंडार में 2.36 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक महीना पहले यानी मार्च 2026 के 4 सप्ताह के दौरान तो भंडार से .40 से भी ज्यादा निकल गए थे।

भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक 17 अप्रैल 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में 2.362 बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें .3.825 बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना विदेशी मुद्रा भंडार बढ़ कर .703.308 तक पहुंच गया है। इससे पहले 27 फरवरी 2026 को अपना भंडार बढ़ कर .728.494 के ऑल टाइम हाई पर पहुंच गया था।

स्न्रष्ट भंडार में बढ़ोतरी: रिजर्व बैंक की तरफ से जारी साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार 17 अप्रैल 2026 को समाप्त सप्ताह के दौरान भारत की विदेशी मुद्रा आस्तियों में .1.481 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले भी इसमें .3.127 की बढ़ोतरी हुई थी। अब अपना एफसीए भंडार बढ़ कर .557.463 का हो गया

है। उल्लेखनीय है कि देश के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा आस्तियां या फॉरेन करेंसी असेट एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। डॉलर में अभिव्यक्त किये जाने वाले विदेशी मुद्रा आस्तियों में यूरो, पौंड और येन जैसे गैर अमेरिकी मुद्राओं में आई घट-बढ़ के प्रभावों को भी शामिल किया जाता है।

गोल्ड रिजर्व भी बढ़ा: आलोच्य सप्ताह के दौरान रिजर्व बैंक के सोने के भंडार की वैल्यू में .790 की बढ़ोतरी हुई है। इससे एक सप्ताह पहले इसमें .601 की बढ़ोतरी हुई थी। इसी के साथ अब अपने सोने के भंडार का वैल्यू बढ़ कर .122.133 का हो गया है। उल्लेखनीय है कि इस समय आरबीआई के पास सोने का भंडार 880 टन के पार चला गया है। यह देश के कुल फॉरेन एक्सचेंज रिजर्व का करीब 15 प्रतिशत बैठता है। इसके मूल्य में कमी होती है यह कुल विदेशी मुद्रा भंडार को प्रभावित करता है। बीते सप्ताह भारत के स्पेशल ड्रॉइंग राइट या विशेष आहरण अधिकार में मामूली बढ़ोतरी हुई है। समीक्षाधीन सप्ताह के दौरान एसडीआर में .78 की बढ़ोतरी हुई है। अब यह बढ़ कर .18.841 का हो गया है। इसी सप्ताह अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के पास रखे हुए देश के रिजर्व मुद्रा भंडार में भी .14 की बढ़ोतरी हुई है।

बैंक ने रिजेक्ट कर दिया लोन, तभी आया आइडिया, किराए को क्रेडिट स्कोर बना खड़ा किया बिजनेस

नई दिल्ली, एजेंसी। सारिका शेट्टी मुंबई की रहने वाली हैं। अपनी मेहनत और सूझबूझ से उन्होंने एक सफल कारोबार खड़ा कर दिया है। इसका नाम रेंटेनपे है। सारिका ने इसकी नींव 2022 में रखी थी। यह फिनटेक स्टार्टअप किराए के पेमेंट को फाइनेंशियल एसेट में बदलने में मदद करता है। पहले सारिका ऑटोमोबाइल सेक्टर में थी। फोर्ड, फॉक्सवैगन और जैसी बड़ी कंपनियों के साथ काम किया। लेकिन, उनकी जिंदगी में मोड़ तब आया जब एक स्टेबल नौकरी और आर्थिक अनुशासन के बावजूद बैंक ने उनका होम लोन रिजेक्ट कर दिया। बैंक ने उनकी ओर से समय से सालों से दिए गए किराए को 'क्रेडिट एलिजिबिलिटी' का आधार मानने से इनकार कर दिया था। इसी ने उन्हें एक ऐसा प्लेटफॉर्म बनाने का आइडिया दिया जो आज 'रेंट स्कोर' के जरिये वित्तीय पहचान का जरिया बन गया है। आइए, यहां सारिका शेट्टी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया: सारिका शेट्टी मुंबई से हैं। उन्होंने मुंबई यूनिवर्सिटी से बीकॉम करने के बाद सैन फ्रांसिस्को से एमबीए किया। उनके करियर की शुरुआत 2004 में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री से हुई। उन्होंने महानगर में कई हजार करोड़ रुपये की लग्जरी गाड़ियां बेचने में भूमिका निभाई। उनका करियर ऊंचाइयों पर था। लेकिन, जब उन्होंने खुद के सपनों का घर खरीदने के लिए लोन आवेदन किया तो उसे ठुकरा दिया गया। बैंक ने उनके सालों के रेंट पेमेंट रिकॉर्ड को पूरी तरह नजरअंदाज किया। सारिका को अहसास हुआ कि भारत में किराएदार आर्थिक रूप से 'अदृश्य' हैं। यहीं से उनके मन में इस समस्या को जड़ से खत्म करने का आइडिया आया। सारिका ने अपनी रिसर्च में पाया कि मीडियम और अपर-मीडियम क्लास के करोड़ों लोग किराए पर रहते हैं। अपनी आय का 30 प्रतिशत हिस्सा किराए में देते हैं। फिर भी उन्हें इसका कोई वित्तीय लाभ नहीं होता। उन्होंने 2022 में की शुरुआत की। 'रेंट स्कोर' जैसा कॉन्सेप्ट पेश किया। यह एक ऐसा स्कोर है जो किराएदार के पेमेंट के अनुशासन को मापता है। उनका यह विजन किराए को लायबिलिटी से बदलकर फाइनेंशियल एसेट में तब्दील कर रहा है।

सिर्फ किराएदारों के लिए ही नहीं, सारिका मकान मालिकों के लिए भी 'ट्रस्ट डेफिसिट' (विश्वास की कमी) को दूर करने का काम कर रही हैं। उन्होंने रेसिडेंस कार्ड पेश किया। यह कार्ड किराएदार की पूरी प्रोफाइल और वित्तीय अनुशासन का प्रमाण होता है। सारिका की अगुवाई में उनके प्लेटफॉर्म ने मकान मालिकों के लिए वेरिफिकेशन और इंश्योरेंस जैसी सुविधाएं जोड़ीं। इससे सुरक्षित और तनावमुक्त रेंटल पार्टनरशिप की शुरुआत हुई। उनके इस प्रयास ने उन युवाओं के लिए दरवाजे खोल दिए हैं जो शहरों में नए हैं। पहली बार किराए पर घर ले रहे हैं।

डिजिटल साक्ष्यों के साथ पूर्व मंत्री पहुंचे थाना

विधायक पर दर्ज करायी प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। गढ़वा की सियासत में शनिवार को उस समय उबाल आ गया, जब पूर्व मंत्री और झामुमो के कद्दावर नेता मिथिलेश कुमार ठाकुर ने गढ़वा के विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए थाना में प्राथमिकी दर्ज करा दी।

पूर्व मंत्री ने गढ़वा थाना में दर्ज कराई प्राथमिकी में विधायक पर सार्वजनिक रूप से उनके पिता, परिवार और व्यक्तिगत चरित्र पर अभद्र व अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया है।

शिकायत के अनुसार, मामला 22 अप्रैल की शाम की है, जब गढ़वा सदर अस्पताल के पास एक पत्रकार वार्ता के दौरान विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने कथित तौर पर मिथिलेश कुमार ठाकुर के विरुद्ध बेहद आपत्तिजनक शब्दों का प्रयोग किया।

प्राथमिकी में उल्लेख है कि विधायक ने उनके लिए डकैती सिखाने वाला, जमीन लूट का कमीशन खाने वाला और जिसका बाप-नाम का ठिकाना नहीं जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया।

मिथिलेश ठाकुर ने अपनी शिकायत में स्पष्ट किया है कि ये बयान "झारखंड दृष्टि न्यूज" और "झारखंड वार्ता" जैसे इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स पर प्रसारित किए गए, जिससे उनकी सामाजिक और राजनीतिक प्रतिष्ठा को अपूरणीय क्षति पहुंची है।

उन्होंने पुलिस से इन वीडियो फुटेज को जब्त कर फारेंसिक जांच कराने और संबंधित इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म्स से तकनीकी विवरण (आईपी एड्रेस आदि) मांगने की अपील की है।

पूर्व मंत्री ने कहा है कि विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने न केवल मेरी छवि धूमिल की है, बल्कि जानबूझकर अपमान और आपराधिक धमकी की मंशा से ये झूठे और मनगढ़ंत आरोप लगाए हैं। समाज में घृणा फैलाना और किसी के परिवार पर कीचड़ उछालना एक दंडनीय अपराध है।

प्राथमिकी में मिथिलेश ठाकुर ने विधायक के आपराधिक इतिहास का जिक्र करते हुए उन्हें "आदतन अपराधी" बताया है और कहा है कि उनके विरुद्ध सीबीआई स्पेशल -1 सह पीएमएलए कोर्ट, रांची में अलकतरा घोटाला का केस - आरसी - 14 (ए) 2009 (आर), गढ़वा थाना में पंजीकृत दंगा भड़काने आदि, क्रिमिनल मानहानि के दो केस आदि विचाराधीन हैं, जिनमें अलकतरा घोटाला केस में चार्ज फ्रेम हो चुका है और सी. 292/2022 में भी दोष सारांश सुना दिया गया है।

गढ़वा थाना पुलिस ने थाना कांड संख्या 283/2026 पर सुसंगत धाराओं में मामला कर लिया है। पुलिस अब उन वीडियो क्लिप्स और गवाहों के बयानों की जांच कर रही है जिनका उल्लेख प्राथमिकी में है। शहर के सियासी गलियारों में इस घटना के बाद चचाओं का बाजार गर्म है।

तमिलनाडु में बंधक बनाये गए श्रमिक किसी तरह पहुंचे चक्रधरपुर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चक्रधरपुर। तमिलनाडु के नमक्कल अन्नागुर में स्थित आलिया मिल्स प्राइवेट लिमिटेड में बंधक बना कर रखे गए तकरीबन 60 मजदूर किसी तरह मिल्स से भागकर एनार्कुलम टाटा एक्सप्रेस ट्रेन में सवार होकर कई तरह की परेशानियों को झेलते हुए शनिवार को चक्रधरपुर स्टेशन पहुंचे।स्टेशन पहुंचकर जो जानकारी मजदूरों ने दी है, वह बेहद चौंकाने वाली है। मजदूरों ने बताया है कि उन्हें किसी भी तरह की झारखंड सरकार की मदद तक नहीं मिली। वे किसी तरह तमिलनाडु के आलिया मिल्स से भाग निकलने में सफल रहे।

उन्हें कंपनी के द्वारा उनकी मजदूरी भी नहीं दी गई थी। वे किसी तरह ट्रेन में बचे खुचे पैसे को को देकर फाइन कटवाकर ट्रेन में सफर कर चक्रधरपुर पहुंचे थे।

इस दौरान रेलवे के पेंट्रीकार मैनेजर ने उनके साथ दुर्व्यवहार भी किया। दुर्व्यवहार का यह सिलसिला चक्रधरपुर स्टेशन में भी देखने को मिला। चक्रधरपुर स्टेशन में भी टीटीई के द्वारा मजदूरों के साथ दुर्व्यवहार किये जाने की बात सामने आई है।

टीटीई द्वारा उनसे पैसे की मांग की जा रही थी, जबकि सभी मजदूर टीटीई को फाइन कटवाकर ट्रेन में सवार हुए थे और भूखे प्यासे चक्रधरपुर तक पहुंचे थे।

बंधक बनाकर रखा गया था मजदूरों को ☐ एजेंट को भी मिल मालिक दे रखी थी धमकी

उनकी जेब में इतना भी पैसा नहीं बचा था कि वे कुछ खा कर अपनी भूख भी मिटा सकें, लेकिन चक्रधरपुर पहुंचते ही इन मजदूरों को टीटीई ने स्टेशन में घेर लिया और पैसों की मांग करने लगे। उन्हें काफी देर तक रोक कर भी रखा गया। पत्रकार की हस्तक्षेप पर छोड़ दिया गया।

झारखंड के सीएम हेमंत सोरेन ने पश्चिमि सिंहभूम के डीसी से लेकर माइग्रेट सेल को इन मजदूरों को मदद पहुंचाने के लिए सोशल मीडिया एक्स में आदेश देकर सरकार की संवेदनशीलता दिखा रहे थे। 23 अप्रैल को डीसी ने दावा किया था की सबको मदद पहुंचकर बेहतर तरीके से ट्रेन से लाया जा रहा है। वहीं जमीनी हकीकत में इन मजदूरों को झारखंड सरकार ने भी उनके हाल पर छोड़ दिया था।

झारखंड सरकार के द्वारा इन्हें किसी तरह की मदद नहीं पहुंचाई गयी थी। भूखे प्यासे जिल्लत दुर्व्यवहार और शोषण का शिकार बनते हुए सभी मजदूर चक्रधरपुर पहुंचे थे।

मजदूरों ने बताया है कि ओडिशा के एजेंट चन्दन और सुशिल के द्वारा उन्हें तमिलनाडु के नमक्कल अन्नागुर में स्थित आलिया मिल्स ले जाया गया था।

एजेंट ने उन्हें बेहतर परिवेश में रहना खाना और अच्छी सैलरी का सब्जबाग दिखाया गया था, लेकिन ऐसा कुछ भी कंपनी में उन्हें नहीं मिल रहा था। इसलिए वे इसका विरोध कर रहे थे, लेकिन उनकी मांगों पर ध्यान देने के बजाये उनसे उल्टा मारपीट की गई और उन्हें बंधक बनाकर उनसे काम लेने की कोशिश की गई।

एजेंट के द्वारा मजदूरों को चक्रधरपुर पहुंचने पर अंजाम भुगतने की धमकी भी दी गई है।

एटीएस की छापेमारी में यूएएस लिखी पिस्टल बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर। झारखंड पुलिस की आतंकवाद निरोधक दस्ता (एटीएस) ने देवघर में छापेमारी कर अंतरराज्यीय हथियार आपूर्ति गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। तीसरे अपराधी को बिहार एसटीएफ की टीम ने अरेस्ट किया है।

गिरफ्तार आरोपितों में देवघर के टाउन थाना के कृष्णापुरी निवासी पंकज कुमार सिंह व देवघर के ही नगर थाना क्षेत्र के नंदी नगर, नंदन पहाड़, वार्ड नंबर 14, बरमसिया निवासी अजित कुमार पांडेय उर्फ अजित कुमार मिश्रा शामिल हैं।

वह मूल रूप से देवघर जिले के कुंडा थाना क्षेत्र चितोलोडिया का रहने वाला है। इनकी निशानदेही पर एक यूएसए-99 लिखा हुआ पिस्टल, एक देसी कट्टा व सात कारतूस बरामद किए गए हैं। दोनों ही आरोपित हत्या व रंगदारी के मामलों में पूर्व में जेल जा चुके हैं।

पंकज कुमार सिंह पर चार व अजित कुमार पांडेय पर पांच कांड दर्ज हैं। ये कांड मुंगेर, जमुई, देवघर, दुमका आदि जिलों के थाने में दर्ज हैं। पुलिस के अनुसार दोनों ही आरोपित किसी बड़ी घटना को अंजाम देने वाले थे। एटीएस रांची ने गुप्त सूचना पर देवघर पुलिस के सहयोग से छापेमारी की और दोनों को पकड़ा।

इस मामले में एटीएस थाना रांची के थानेदार इंस्पेक्टर अभिनंदन कुमार के बयान पर देवघर के नगर थाना में 24 अप्रैल को कांड संख्या 170/2026 में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दोनों ही आरोपित शनिवार को न्यायिक हिरासत में देवघर जेल भेज दिए गए हैं। जल्द ही उन्हें रिमांड पर लेकर पूछताछ की जाएगी।

एटीएस के एसपी राजकुमार मेहता ने बताया कि रिमांड पर पूछताछ के दौरान संगठित आपराधिक गिरोह व अन्य बड़े इनपुट के बाद भविष्य में एटीएस अपने स्तर से भी पूरे मामले को देखेगी। फिलहाल, देवघर पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

एटीएस थाना रांची के थानेदार अभिनंदन कुमार ने दर्ज प्राथमिकी में बताया है कि उन्हें सूत्रों से पता चला कि एक अपराधी अजित कुमार पांडेय व अन्य अपराधी हथियार से लैस है और किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं।

वरीय पदाधिकारी के निर्देश पर वे छापेमारी दल के साथ रांची से देवघर पहुंचे। वहां देवघर नगर थाना के पदाधिकारी के सहयोग से सूचना सत्यापन में जुटे। 24 अप्रैल को अजित कुमार पांडेय को पकड़कर पूछताछ के लिए थाना लाया गया।

उसने ही बताया कि वह अपने मित्र पंकज कुमार सिंह व अन्य व्यक्तियों के साथ कई बार बिहार के मुंगेर से अवैध हथियार खरीदकर देवघर व आसपास के इलाकों में अलग-अलग आपराधिक घटनाओं में शामिल लोगों को बेचते आया है।

गिरिराज सिंह ने तेजस्वी पर साधा निशाना

बेगूसराय। गिरिराज सिंह ने एक बार फिर अपने तीखे बयानों से राजनीति में हलचल मचा दी है। बेगूसराय में उन्होंने कहा कि बीजेपी गंगा और समुद्र की तरह है, जिसमें जो भी आता है, समाहित हो जाता है। राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर जवाब देते हुए गिरिराज सिंह ने बीजेपी को 'विस्तृत संगठन' बताया। उन्होंने कहा कि पार्टी में शामिल होने वाला हर नेता उसी का हिस्सा बन जाता है, चाहे वह किसी भी पृष्ठभूमि से क्यों न आया हो। गिरिराज सिंह ने सम्राट चौधरी और हिमंता बिस्वा सरमा का उदाहरण देते हुए कहा कि बीजेपी में आने के बाद नेता मजबूत होते हैं। उन्होंने इशारों में कहा कि दूसरी पार्टियों में परिवारवाद के कारण ही नेता बाहर निकलते हैं।

जल्द मौसम बदलने की संभावना

पटना। राज्य में पछुआ के अगले दो दिनों तक मौसम गर्म और शुष्क बना रहेगा। पटना सहित राज्य के ज्यादातर भागों में उष्ण लहर का प्रभाव रहेगा। दिन और रात मौसम गर्म रहेगा। अनेक स्थानों पर पछुआ हवा की गति 40-50 किमी प्रतिघंटा रहने की संभावना है। दो से तीन दिनों के दौरान अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री वृद्धि के आसार हैं।बक्सर जिले में हवा की गति 43 किमी प्रतिघंटा दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार 24 अप्रैल से प्रदेश के मौसम में बदलाव की संभावना है। राज्य के उत्तर मध्य एवं उत्तर पूर्वी भागों के गरज-चमक के साथ आंधी-पानी को लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। 27-28 अप्रैल को किशनगंज, अररिया और सुपौल जिलों में वर्षा की संभावना है। राजधानी का अधिकतम तापमान इस सीजन का सर्वाधिक तापमान 41.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बक्सर के डुमरांव में 44.4 डिग्री सेल्सियस के साथ प्रदेश का सर्वाधिक तापमान दर्ज किया गया। गयाजी, शेखपुरा, बक्सर, डुमरांव, औरंगाबाद, राजगीर, भभुआ, अरवल एवं जहानाबाद का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के ऊपर दर्ज किया गया।

मासूम के साथ दरिंदगी, मां ने दर्ज करायी प्राथमिकी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गढ़वा। झारखंड के गढ़वा जिले के श्री बंशीधर नगर थाना अंतर्गत नगर पंचायत क्षेत्र में मानवता को कलंकित करने वाली घटना सामने आई है, जहां एक 15 वर्षीय किशोर ने अपनी ही पड़ोस की 8 वर्षीय मासूम बालिका को अपनी हवस का शिकार बनाया।

घटना शुक्रवार शाम करीब 6:00 बजे की है। पुलिस ने पीड़िता की मां की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है। शनिवार को पीड़िता का मेडिकल परीक्षण सदर अस्पताल में कराया गया।

प्राथमिकी के अनुसार, मासूम बच्ची अपने घर के बाहर खेल रही थी। इसी बीच पड़ोस का रहने वाला 15 वर्षीय किशोर वहां पहुंचा और उसने बच्ची को यह कहकर बरगलाया कि उसकी बहन उसे बुला रही है। मासूम उसकी बातों में आकर उसके घर चली गई। आरोपी उसे सीधे घर की छत पर ले गया और वहां उसके

आरोपित परिणाम भुगतने की दे रहा धमकी

साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान जब बच्ची दर्द से कराहने और चिल्लाने लगी, तो उसकी आवाज सुनकर उसका भाई दौड़ता हुआ आरोपी के घर की छत पर पहुंचा। वहां का दृश्य देख उसके होश उड़ गए।

भाई ने तुरंत अपनी बहन को आरोपी के चंगुल से छुड़ाया और उसे घर लेकर आया। पीड़िता की मां जब इस घृणित कार्य की शिकायत लेकर आरोपी के घर पहुंची, तो वहां न्याय मिलने के बजाय उन्हें डराया-धमकाया गया।

आरोपी के माता-पिता ने पीड़िता की मां को उलाहना देने पर अंजाम भुगतने की चेतावनी दी। उन्होंने मामला दबाने का दबाव बनाते हुए कहा कि यदि किसी को कुछ बताया तो जान से मार देंगे।

गुस्साये राशन कार्डधारियों ने प्रखण्ड कार्यालय पर किया प्रदर्शन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पोटका। अपने हक एवं अधिकार को लेकर सैकड़ों की संख्या में राशन कार्डधारियों ने शनिवार को पोटका चौक से रैली निकालते हुए प्रखंड कार्यालय पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने जन वितरण प्रणाली की दुकानदार ललिता खंडपातर पर गंभीर आरोप लगाते हुए उनका लाइसेंस रद्द करने तथा पिछले चार माह का राशन अविलंब उपलब्ध कराने की मांग की। रैली में शामिल लोगों का आरोप था कि डीलर द्वारा पिछले चार महीनों से ई-पॉश मशीन में फिंगरप्रिंट लेने के बावजूद राशन का वितरण नहीं किया गया। इससे गरीब परिवारों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आक्रोशित कार्डधारियों ने कहा कि यह उनके अधिकारों का सीधा हनन है और इस पर त्वरित कार्रवाई होनी चाहिए।

इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता मनोज सरदार, पंचायत समिति सदस्य देवेंद्र नाथ महतो, कोवाली के प्रभारी मुखिया काजल बारीक एवं सोनका महतो सहित कई जनप्रतिनिधि मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों का समर्थन किया।

सभी ने मिलकर मार्केटिंग ऑफिसर को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि संबंधित डीलर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए और गरीबों को उनका बकाया राशन तुरंत उपलब्ध कराया जाए।

प्रदर्शन के दौरान लोगों ने अपने हक की मांग को लेकर नारेबाजी करते नजर आए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन और उग्र किया जाएगा।

जल्द होगी विधिक सेवा केंद्र की स्थापना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

शेखपुरा। शेखपुरा जेल में विधिक सेवा केंद्र की स्थापना होगी। इस केंद्र के माध्यम से बंदियों से मुलाकात करने आने वाले वाले उनके स्वजनों को आवश्यकता अनुसार सहायता प्रदान की जाएगी। यह कदम सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश पर उठाया गया है।

इसको लेकर विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव न्यायिक पदाधिकारी सुशील प्रसाद ने शेखपुरा मंडल कारा का निरीक्षण करके यहां की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। विधिक प्राधिकार से जुड़े अधिवक्ता तरुण कुमार ने बताया जेल के निरीक्षण में सचिव ने वहां रह रहे बंदियों को मिलने वाली सुविधाओं का जायजा लिया। इस क्रम में जेल के अस्पताल,बंदियों के वार्डों, रसोई घर,पेयजल की सुविधा सहित विभिन्न सुविधाओं की स्थिति का भौतिक जायजा लिया गया। जेल में बंद महिला बंदियों से भी मिलकर न्यायिक पदाधिकारी ने उनको मिल रहे सुविधाओं की जानकारी ली।

अस्पताल में छापेमारी के बाद एसडीपीओ ने जड़ा ताला

चलता था अवैध गर्भपात का धंधा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गुमला। गुमला जिले के चैनपुर अनुमंडल मुख्यालय स्थित बस स्टैंड के समीप संचालित लाइफ लाइन हॉस्पिटल में अवैध गर्भपात के बड़े खेल का सनसनीखेज खुलासा हुआ है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने अस्पताल में छापेमारी कर एक 21 वर्षीय युवती का अवैध तरीके से गर्भपात कराए जाने का मामला पकड़ा।

मामले की गंभीरता को देखते हुए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (एसडीपीओ) श्रुति अग्रवाल के निर्देश पर पुलिस ने तत्काल अस्पताल के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि पुलिस ने अस्पताल के संचालक और कथित तौर पर गर्भपात करने वाले ओमप्रकाश सिंह को शुक्रवार दोपहर 12 बजे तक अस्पताल से संबंधित सभी वैध कागजात, जैसे रजिस्ट्रेशन और शैक्षणिक डिग्री, के साथ थाने में उपस्थित होने का निर्देश दिया था।

हालांकि तय समय बीत जाने के बाद भी संचालक पुलिस के समक्ष पेश नहीं हुआ, जिससे संदेह और गहरा गया है। पुलिस के अनुसार गुरुवार रात करीब 9 बजे सूचना मिली थी कि अस्पताल में एक युवती का अवैध तरीके से गर्भपात किया जा रहा है।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और अस्पताल में मौजूद युवती से पूछताछ की। युवती ने मौके पर ही बताया कि उसी अस्पताल में उसका गर्भपात कराया गया है। युवती की स्थिति को देखते हुए पुलिस ने तुरंत उसे वहां से निकालकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) चैनपुर में भर्ती कराया, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है।

जांच के दौरान यह चौंकाने वाला तथ्य सामने आया कि लाइफ लाइन हास्पिटल में न तो कोई अधिकृत एमबीबीएस डाक्टर मौजूद है और न ही कोई स्त्री रोग विशेषज्ञ। सूत्रों के अनुसार अस्पताल का संचालक ओमप्रकाश सिंह केवल एक आरएमपी प्रैक्टिशनर है, जो खुद को डॉक्टर बताकर मरीजों का इलाज कर रहा था।

मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट 1971 के अनुसार गर्भपात केवल योग्य और पंजीकृत डॉक्टर ही कर सकता है तथा जिस केंद्र में यह प्रक्रिया की जाती है, उसका स्वास्थ्य विभाग से पंजीकृत होना अनिवार्य है। इस मामले में दोनों ही नियमों का उल्लंघन सामने आया है, जिससे यह एक गंभीर आपराधिक मामला बन गया है।

भंसार की सख्ती से व्यापार पर पड़ रहा असर,हस्तक्षेप की मांग

सीमा से सटे बाजारों में दिख रहा ज्यादा असर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम की सख्ती ने सीमावर्ती व्यापार की रफ्तार थाम दी है। नेपाली अधिकारियों की कड़ी जांच और प्रक्रियाओं के कारण माल ढुलाई प्रभावित हो रही है, जिससे भारतीय कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। हालात ऐसे बन गए हैं कि व्यापारियों ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग तेज कर दी है, ताकि सीमा पार व्यापार फिर से सामान्य हो सके।

बताया जाता है कि भारत-नेपाल सीमा पर कस्टम (भंसार) नियमों की सख्ती के कारण सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापारिक गतिविधियां प्रभावित होने लगी हैं। इस संबंध में टेक्सटाइल्स चैंबर ऑफ कॉमर्स, रक्सौल ने भारत सरकार के संबंधित मंत्रालयों को ई-मेल के माध्यम से ज्ञापन भेजकर शीघ्र हस्तक्षेप की मांग की है।

चैंबर के अध्यक्ष अरुण कुमार गुप्ता ने बताया कि हाल ही में नेपाल सरकार द्वारा 100 नेपाली रुपये से अधिक मूल्य के सामान पर कस्टम ड्यूटी की सख्ती से वसूली शुरू कर दी गई है। इस निर्णय का असर रक्सौल समेत सीमा से सटे बाजारों में साफ दिखाई देने लगा है और व्यापारिक गतिविधियां धीमी पड़ गई हैं।

उन्होंने कहा कि इस नए नियम से विशेष रूप से छोटे और मध्यम वर्ग के व्यापारियों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। व्यापार में गिरावट के कारण भारत सरकार के राजस्व, विशेषकर जीएसटी संग्रह पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है।

चैंबर ने अपने ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया है कि भारत और नेपाल के बीच वर्षों से ह्यरोटी-बेटीह्न का पारंपरिक संबंध रहा है, लेकिन वर्तमान स्थिति के कारण दोनों देशों के सीमावर्ती इलाकों में सामाजिक और पारिवारिक गतिविधियां भी प्रभावित हो रही हैं। शादी-विवाह जैसे कार्यक्रमों में भी लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

चैंबर ने केंद्र सरकार से मांग की है कि इस मुद्दे पर नेपाल सरकार के साथ उच्चस्तरीय वार्ता कर जल्द समाधान निकाला जाए, ताकि सीमावर्ती क्षेत्रों में व्यापार और सामाजिक जीवन सामान्य हो सके। अन्यथा, स्थिति लंबी खिंचने पर सीमा क्षेत्र की अर्थव्यवस्था पर गंभीर और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है।

स्वयं को जानो भारत योग यात्रा में उमड़े लोग

धनबाद। अध्यात्म में प्रवेश स्वयं को जानो भारत योग यात्रा धनबाद के आइआइटी आइएसएम के पेनमैन आडिटोरियम में तीन दिवसीय आयोजन किया गया है। प्रथम दिन परमाचार्य स्वामी निरंजनानंद सरस्वती ने योग अभ्यास सत्र एवं सत्संग सत्र के बारे में बताया।

उन्होंने बताया कि स्वस्थ शरीर के माध्यम से सभी काम बेहतर तरीके से कर सकते हैं। स्वस्थ शरीर नहीं रहेगा तो किसी भी काम में मान नहीं लगता है, हमेशा परेशान रहोगे। इसलिए स्वस्थ को प्राथमिकता देना चाहिए। किसी भी व्यक्ति अपने आप को तनाव मुक्त रखना चाहता है।

मानसिक रूप से मजबूत रहना चाहता है। लेकिन विभिन्न प्रकार की परेशानियां के कारण नहीं रह पाता है। जब लोग थक जाते हैं, तो मानसिक रोग से बीमार पड़ने लगते हैं। इस दौरान मन में 50 हजार विचार आते और जाते हैं।

70 प्रतिशत विचार दोहराव होते हैं। ईषा, जलन, नकारात्मक, मानसिक दोष आदि उत्पन्न होने लगते हैं। इससे दूर रहने के लिए योग करना अत्यंत आवश्यक है।

केंदू पत्ते की नीलामी बंद होने से लोगों के समक्ष रोजगार का संकट

रोजगार के अभाव में पलायन करने वालों की बढ़ी संख्या

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गिद्धौर। प्रखंड क्षेत्र में कई वर्षों से केंदु पत्ता का डाक (नीलामी) नहीं होने से सैकड़ों ग्रामीणों की आजीविका पर संकट गहरा गया है। कभी यह क्षेत्र केंदु पत्ता संग्रहण के लिए जाना जाता था, जिससे बड़ी संख्या में ग्रामीणों को मौसमी रोजगार मिलता था। लेकिन वन विभाग की उदासीनता के कारण यह व्यवस्था ठप पड़ गई है, जिससे ग्रामीणों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

जानकारी के अनुसार, पूर्व में हर वर्ष केंदु पत्ता का डाक होता था और ग्रामीण जंगलों से पत्ता संग्रह कर उसे निर्धारित केंद्रों पर बेचते थे। इससे उन्हें अच्छी आमदनी हो जाती थी, जो उनके परिवार के भरण-पोषण में सहायक होती थी।

विशेष रूप से गरीब और आदिवासी परिवार इस कार्य पर निर्भर रहते थे। लेकिन पिछले कई वर्षों से डाक नहीं होने के कारण यह रोजगार पूरी तरह बंद हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग द्वारा केंदु पत्ता की खरीद बंद किए जाने से उनकी आय का एक प्रमुख स्रोत खत्म हो गया है। इससे उन्हें अन्य क्षेत्रों में मजदूरी के लिए पलायन करना पड़ रहा है।

स्थानीय लोगों ने बताया कि यदि समय पर डाक की प्रक्रिया शुरू कर दी जाए तो क्षेत्र के बेरोजगारों को राहत मिल सकती है।वहीं, सामाजिक कार्यकताओं का कहना है कि केंदु पत्ता संग्रहण न केवल रोजगार का साधन था, बल्कि इससे वन संरक्षण में भी सहयोग मिलता था।

ग्रामीण जंगलों से जुड़े रहते थे और उसकी सुरक्षा में भी भागीदारी निभाते थे। अब यह व्यवस्था खत्म होने से जंगलों की देखरेख पर भी असर पड़ रहा है।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन एवं वन विभाग से मांग की है कि जल्द से जल्द केंदु पत्ता का डाक शुरू कराया जाए, ताकि क्षेत्र के लोगों को फिर से रोजगार मिल सके और उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके।

डिफेंडिंग चैंपियन अल्काराज फ्रेंच ओपन से हटे

कलाई में चोट; रोम मास्टर्स से भी बाहर

बार्सिलोना (एजेंसी)। टेनिस स्टार और वर्ल्ड नंबर-2 कार्लोस अल्काराज इस साल फ्रेंच ओपन में नजर नहीं आएंगे। दो बार के मौजूदा चैंपियन अल्काराज ने कलाई की चोट से उबरने के लिए हटने का फैसला किया है। वे रोम मास्टर्स में भी हिस्सा नहीं लेंगे। फ्रेंच ओपन 18 मई से होना है। 22 साल के स्पेनिश खिलाड़ी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी दी। अल्काराज ने बताया कि टीम ने तय किया कि पूरी तरह फिट हुए बिना वापसी जोखिम भरी हो सकती है, इसलिए रिकवरी पर ध्यान जरूरी है।

बार्सिलोना ओपन के दौरान लगी थी चोट

अल्काराज को इसी महीने बार्सिलोना ओपन के पहले दौर में कलाई में चोट लगी थी। ओटो विर्टानन के खिलाफ मैच जीतने के बाद दर्द बढ़ने पर उन्होंने टूर्नामेंट छोड़ दिया था। 17 अप्रैल को उन्होंने मैड्रिड मास्टर्स से भी नाम वापस ले लिया था, तभी से फ्रेंच ओपन खेलने पर सस्पेंस था। शुक्रवार के मेडिकल टेस्ट के बाद उन्होंने पेरिस न जाने की पुष्टि कर दी।

कोच और टीम की सलाह- वापसी में जल्दबाजी न करें

अल्काराज ने पोस्ट में लिखा, हमने तय किया है कि सबसे समझदारी वाला काम सावधानी बरतना है। रोम या रोलां गैरो में हिस्सा न लेना एक कठिन फैसला है, लेकिन मुझे यकीन है कि मैं इस चोट से उबरकर और मजबूती से वापसी करूंगा। अल्काराज अब मेडिकल टीम की देखरेख में रिहैब करेंगे और रिकवरी की प्रोग्रेस देखने के बाद ही तय करेंगे कि वे किस टूर्नामेंट से वापसी करेंगे।

शानदार रहा है सीजन, पिछले साल बचाई थी बादशाहत

अल्काराज के लिए यह साल शानदार रहा है। उन्होंने जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन जीतकर सबसे कम उम्र में करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने वाले पुरुष खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया था। इस सीजन में उनका रिकॉर्ड 22-3 रहा है और उन्होंने दोहा में एक खिताब जीता है। पिछले साल फ्रेंच ओपन फाइनल में उन्होंने जनिक सिनर के खिलाफ तीन चैंपियनशिप पॉइंट बचाकर खिताब जीता था।

रैंकिंग पर पड़ेगा असर, सिनर को फायदा

अल्काराज ने 12 अप्रैल को मोंटे कार्लो मास्टर्स फाइनल में जैनिक सिनर से हारकर वर्ल्ड नंबर-1 रैंकिंग गंवा दी थी। अब फ्रेंच ओपन से हटने के कारण उन्हें रैंकिंग पॉइंट्स का बड़ा नुकसान होगा, क्योंकि वे मौजूदा चैंपियन के तौर पर अपने पॉइंट्स डिफेंड करने वाले थे। उनकी गैर-मौजूदगी में सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच खिताबी जंग और रोचक होगी।

कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बैटर, 300 सिक्स भी पूरे

चिन्नास्वामी में बेंगलुरु की 50वीं जीत, बने कई रिकार्ड्स

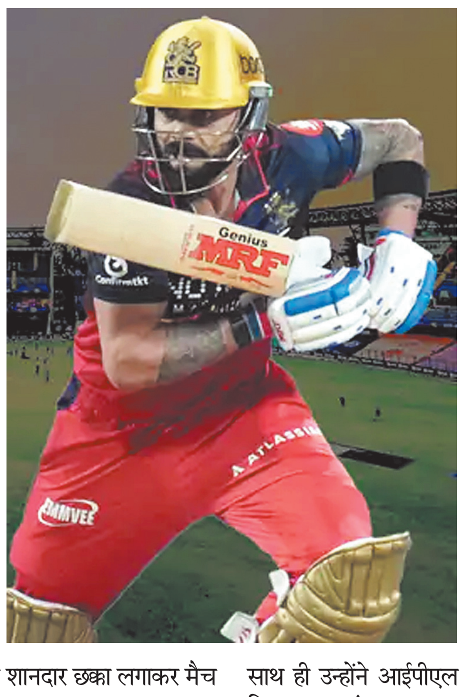

चिन्नास्वामी (एजेंसी)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल के 34वें मुकाबले में गुजरात टाइटंस को 5 विकेट से हराया। इस जीत के हीरो रहे विराट कोहली, जिन्होंने 81 रन की शानदार पारी खेलते हुए इतिहास रच दिया। कोहली आईपीएल में 800 चौके लगाने वाले पहले बल्लेबाज बने, साथ ही उन्होंने 300 छक्कों का आंकड़ा भी छू लिया। वे लीग में 9 हजार रन के करीब भी पहुंच गए हैं और इस बड़े माइलस्टोन से महज 11 रन दूर हैं। बेंगलुरु ने अपने होम ग्राउंड एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में 50वीं जीत दर्ज कर एक और उपलब्धि हासिल की। वहीं गुजरात की पारी में साई सुदर्शन ने शतक जड़ते हुए क्रुणाल पंड्या की बाउंसर पर एक हाथ से शानदार छक्का लगाकर मैच का यादगार मोमेंट भी दिया।

कोहली आईपीएल में 9 हजार रन बनाने से 11 रन दूर - कोहली ने गुजरात के खिलाफ 44 गेंद पर 81 रन बनाए। वे आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं। उनके नाम 266 पारियों में 8989 रन दर्ज हैं। दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा का नाम आता है, जिन्होंने 271 पारियों में 7183 रन बनाए हैं।

कोहली के आईपीएल में 800 चौके पूरे - कोहली ने शुक्रवार को 8 चौके जड़े। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 800 चौके भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने टूर्नामेंट में अब तक सबसे ज्यादा 807 चौके लगाए हैं। उनके बाद शिखर धवन हैं, जिन्होंने 768 चौके लगाए हैं। 663 चौकों के साथ डेविड वॉर्नर तीसरे नंबर पर हैं।

आईपीएल में कोहली के 300 छक्के पूरे - कोहली ने मैच में 81 रन की पारी के दौरान 4 छक्के लगाए। इसके साथ ही उन्होंने आईपीएल में अपने 300 छक्के भी पूरे कर लिए। यह आंकड़ा पार करने वाले वह तीसरी खिलाड़ी हैं। आईपीएल में सबसे छक्के क्रिस गेल के नाम है, जिन्होंने 357 छक्के लगाए हैं। रोहित शर्मा 310 छक्कों के साथ दूसरे नंबर पर हैं।

चिन्नास्वामी पर आरसीबी की 50वीं जीत

आरसीबी ने चिन्नास्वामी पर 50वीं जीत दर्ज की। वह ऐसा करने वाली चौथी टीम बन गई है। किसी एक वेन्यू पर सबसे ज्यादा मैच जीतने का रिकॉर्ड मुंबई के नाम है, जिन्होंने वानखेड़े स्टेडियम पर 58 मैच जीते हैं। कोलकाता ईडन गार्डन्स पर 55 जीत के साथ दूसरे और चेन्नई एमए चिदंबरम स्टेडियम पर 53 जीत के साथ तीसरे नंबर पर है।

आरसीबी के खिलाफ 15वां शतक लगा

आरसीबी के खिलाफ सुदर्शन ने शतक जड़ा। आईपीएल में 15वीं बार है जब किसी बल्लेबाज ने बेंगलुरु के खिलाफ सेंचरी लगाई। यह किसी एक टीम के खिलाफ सबसे ज्यादा शतक लगने का रिकॉर्ड है। 14-14 शतकों के साथ कोलकाता और मुंबई संयुक्त रुप से दूसरे नंबर पर है।

सुदर्शन ने आईपीएल में सबसे तेज 2000 रन पूरे किए

आरसीबी के खिलाफ सुदर्शन ने शानदार शतक लगाया। इस पारी के दौरान 72 रन बनाते ही उनके आईपीएल में 2000 रन पूरे हुए। उन्होंने सिर्फ 47 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की, जो सबसे तेज है। इससे पहले क्रिस गेल ने 48 पारियों में 2000 रन पूरे किए थे।

श्रीसंत ने हरभजन सिंह को इंस्टाग्राम पर ब्लॉक किया

बोले- थप्पड़ कांड पर विज्ञापन बनाकर पैसे कमाए, उनके साथ अब मेरा कोई रिश्ता नहीं

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के दो पूर्व खिलाड़ियों, एस श्रीसंत और हरभजन सिंह के बीच 2008 का 'थप्पड़ कांड' फिर चर्चा में है। 16 साल पुराने इस विवाद ने दोनों के रिश्ते खत्म कर दिए हैं। श्रीसंत ने खुलासा किया कि उन्होंने हरभजन सिंह को सोशल मीडिया पर ब्लॉक कर दिया है और अब कोई संबंध नहीं रखना चाहते। केरल के मीडिया हाउस 'मातृभूमि' को दिए इंटरव्यू में श्रीसंत ने कहा, 'मैंने आज तक किसी इंटरव्यू में भज्जी (हरभजन) के बारे में बात नहीं की, यह पहली बार है। कुछ समय पहले तक सब ठीक था, लेकिन उन्होंने उस विवाद पर फिर से एक विज्ञापन बनाया। उन्होंने इसके लिए करीब 80 लाख से 1 करोड़ रुपए लिए। इसके बाद उन्होंने मुझे फोन किया और कहा कि मैं अपने सोशल मीडिया पर इस विज्ञापन को लेकर स्टोरी पोस्ट करूं।'

रिपब्लिक डे पर विज्ञापन जारी किया गया था - यह विज्ञापन जनवरी 2026 में एक मार्केटिंग ऐप की गणतंत्र दिवस सेल के लिए जारी किया गया था। इसमें हरभजन सिंह को 'चांटा क्लास' के टीचर के रूप में दिखाया गया है, जो लोगों को यह समझाते हैं कि खराब इलेक्ट्रॉनिक सामान को थप्पड़ मारकर ठीक करने की पुरानी आदत छोड़ें और उसकी जगह एप से नए प्रोडक्ट खरीदें। विज्ञापन में मजाकिया अंदाज में हरभजन कहते हैं, 'सही से थप्पड़ लगाओ, सब ठीक हो जाता है,'। यह डायलॉग उनके और श्रीसंत के बीच 2008 में हुए विवाद की याद दिलाता है।

माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता - हरभजन सिंह के बर्ताव पर नाराजगी जताते हुए श्रीसंत ने कहा, 'मैंने उनसे साफ कह दिया कि मैं माफ कर सकता हूं, लेकिन भूल नहीं सकता। अगर आप किसी को भूल जाते हैं, तो वह दोबारा वही गलती करेगा। वह (हरभजन) इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। इसमें कोई शक नहीं है।' श्रीसंत ने कहा कि उनके माता-पिता ने उन्हें सिखाया है कि माफी दे दो, लेकिन सबक याद रखो।

भाई कहता था, पर अब रिश्ता खत्म; सब दिखावा है - श्रीसंत ने कहा कि अब उनके बीच कोई बॉन्ड नहीं बचा है। उन्होंने कहा,मेरा उस व्यक्ति के साथ अब कोई रिश्ता नहीं है। मैं उन्हें भाई कहता था, लेकिन पिछले एक-दो महीनों में उन्होंने जो विज्ञापन किए, उसके बाद मैंने उन्हें इंस्टाग्राम पर ब्लॉक कर दिया है। वे एक महान व्यक्ति हो सकते हैं, लेकिन मेरे लिए भारतीय टीम में खेलने से लेकर अब तक, वह जो भी करते हैं, वह सब एक एक्ट (दिखावा) है। श्रीसंत ने कहा कि वह इश दिखावे को स्वीकार नहीं करते।

क्या था थप्पड़ कांड विवाद - यह पूरा विवाद आईपीएल के पहले सीजन यानी 2008 का है। 25 अप्रैल को मोहाली में मुंबई इंडियंस और किंग्स इलेवन पंजाब के बीच मैच के बाद हरभजन सिंह ने श्रीसंत को थप्पड़ जड़ दिया था। मैच खत्म होने के बाद श्रीसंत मैदान पर रोते हुए नजर आए थे।

हरभजन सिंह पर लगा था 8 मैचों का प्रतिबंध

मैदान पर श्रीसंत के रोने की तस्वीरें और वीडियो ने क्रिकेट जगत में सुर्खियां बटोरी थीं। हरभजन सिंह को तत्काल बचे 8 मैच से बैन किया गया था और मैच फीस का जुर्माना भी लगा था। श्रीसंत ने दावा किया था कि हरभजन ने गुस्से में बिना वजह थप्पड़ जड़ा। इस घटना पर मीडिया और फैंस के बीच बहस हुई।

हरभजन इस घटना पर कई बार अफसोस जता चुके हैं

हरभजन इस घटना पर कई बार अफसोस जता चुके हैं। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के साथ एक इंटरव्यू में कहा था कि 'मेरी जिंदगी का एक ऐसा पल जिसे मैं बदलना चाहता हूं- वो है श्रीसंत को थप्पड़ मारने का किस्सा।' उन्होंने कहा, 'अगर मुझे मौका मिले तो मैं इसे अपनी लाइफ से हटा दूं। जो हुआ गलत हुआ और मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था। मैंने उसके लिए सैकड़ों बार माफी मांगी। आज भी जब मौका मिलता है तो माफी मांगता हूं। यह मेरी सबसे बड़ी गलती थी।'

थॉमस कप बैडमिंटन- भारत ने कनाडा को 3-1 से हराया

जीत के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत की; लक्ष्य सेन हारे, डबल्स जोड़ी ने जीत दिलाई

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत ने थॉमस कप बैटमिंटन टूर्नामेंट में शानदार शुरुआत करते हुए कनाडा को 3-1 से हरा दिया। इस मुकाबले में भारतीय डबल्स के सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने जीत दर्ज की। वहीं एकमात्र हार लक्ष्य सेन के नाम रही।

पहले मैच में लक्ष्य सेन हारे

मैच की शुरुआत भारत के लिए अच्छी नहीं रही। पहले सिंगल्स मुकाबले में लक्ष्य सेन को कनाडा के विक्टर लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। लक्ष्य ने पहला गेम 21-18 से जीता, लेकिन इसके बाद विक्टर लाई ने शानदार वापसी करते हुए 21-19, 21-10 से मैच जीत लिया।

- **सात्विक और चिराग ने वापसी कराई** - भारत की स्टार डबल्स जोड़ी सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने टीम को बराबरी दिलाई। उन्होंने कनाडाई जोड़ी को एकतरफा मुकाबले में 21-10, 21-11 से हराया। यह मैच सिर्फ 29 मिनट में खत्म हो गया। तीसरे सिंगल्स मुकाबले में आयुष शेट्टी ने ब्रायन यांग को 21-13, 21-17 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई।
- **दूसरे डबल्स ने भारत की जीत पक्की की** - दूसरे डबल्स और में हरिहरन और एमआर अर्जुन की जोड़ी ने 21-7, 21-15 से मैच जीतकर 3-1 की निर्णायक बढ़त दिलाई। 5वें मैच में किदांबी श्रीकांत ने 21-17 और 21-12 से जीत हासिल की। भारत ने 4-1 से मैच जीतकर टूर्नामेंट की विजयी शुरुआत की है। भारत का दूसरा मुकाबला 27 अप्रैल को ऑस्ट्रेलिया और तीसरा मैच 29 अप्रैल को चीन से होगा।

ज्यूरिख में अभय सिंह का सफर थमा, पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 से क्वार्टरफाइनल में हार

ज्यूरिख (एजेंसी)। अभय सिंह को ज्यूरिख में खेले गए ग्रासहॉपर कप स्क्वैश टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें मिस्र के पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 करीम गावद ने 12-10, 11-9 से हराया।

- **शानदार वापसी के बावजूद नहीं जीत सके मैच** - दुनिया के 24वें नंबर के खिलाड़ी अभय सिंह ने पहले गेम में 0-6 से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी की और मुकाबले को टाई-ब्रेक तक पहुंचाया। हालांकि, गवाद ने निर्णायक समय पर बढ़त बनाते हुए पहला गेम अपने नाम किया।
- **दूसरे गेम में भी कड़ी टक्कर** - दूसरे गेम में भी अभय सिंह ने शानदार खेल दिखाया और एक समय 5-2 की बढ़त बना ली। लेकिन विश्व नंबर-4 गवाद ने अनुभव का फायदा उठाते हुए वापसी की और लगातार अंक हासिल कर मैच अपने नाम कर लिया।

गवाद का अनुभव पड़ा भारी

पूर्व विश्व चैंपियन गवाद ने पूरे 32 मिनट के मुकाबले में बेहतरीन और आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने शुरुआत से ही तेज खेलते हुए दबाव बनाया और अहम मौकों पर संयम रखते हुए जीत हासिल की।

गवाद ने का अभय सिंह प्रतिभाशाली खिलाड़ी

मैच के बाद गवाद ने कहा कि अभय सिंह बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उनके खिलाफ खेलना आसान नहीं होता। उन्होंने कहा कि ऐसे मुकाबलों में आखिरी अंक तक सतर्क रहना जरूरी होता है, क्योंकि मैच का रुख कभी भी बदल सकता है।

पाकिस्तान की एक बार फिर हुई फजीहत

पीएसएल 2026 में सफेद की बजाय 'रेड बॉल' से हुआ मैच

करांची (एजेंसी)। पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) 2026 में लगातार विवाद सामने आ रहे हैं। मुकाबले के पहले मैच में ही गेंद का रंग बदल गया था, जिसकी वजह से पीएसएल की बहुत किरकरी हुई थी। अब एक बार फिर से यही मामला सामने आया है। पीएसएल में मुकाबले के दौरान गेंद का कलर बदल गया, जिसकी वजह से सोशल मीडिया पर पाकिस्तान का मजाक उड़ाया जा रहा है।

पाकिस्तानी लीग में अब तक कई बड़े विवाद सामने आ चुके हैं। फखर जमान पर गेंद के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा और उन्हें दो मैचों के लिए बैन कर दिया गया था। तो वहीं कई अन्य विवाद भी रहे हैं। इस वजह से पीएसएल की छवि खराब हुई है। अब एक बार फिर से इसी तरह का मामला सामने आया है और गेंद का रंग सफेद से लाल हो गया, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

पीएसएल 2026 में बदला गेंद का रंग - दरअसल, 23 अप्रैल को लाहौर कलंदर्स और कराची किंग्स के बीच मुकाबला खेला गया। मैच के दौरान सफेद गेंद का रंग बदलकर लाल हो गया। सोशल मीडिया पर इस दावे के साथ वीडियो शेयर किया जा रहा है। कराची किंग्स की टीम गेंदबाजी कर रही थी और उनकी जर्सी का लाल रंग गेंद पर लग गया। इसका वीडियो सामने आया है, जहां गेंद को सफेद की बजाय लाल देखा जा सकता है।

खेल जगत से आई दुखद खबर

बुझ गया हॉकी का चमकता सितारा, नहीं रहे 1968 ओलंपिक के नायक गुरबक्स सिंह ग्रेवाल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय हॉकी के स्वर्णिम युग के गवाह और 1968 के मेक्सिको ओलंपिक में तिरंगा लहराने वाले दिग्गज खिलाड़ी गुरबक्स सिंह ग्रेवाल का शुक्रवार को निधन हो गया। उन्होंने पंजाब में मोहाली जिले के जिरक पुर स्थित अपने आवास पर अंतिम सांस ली।

बता दें कि गुरबख्श सिंह ग्रेवाल ने अपने भाई बलबीर सिंह ग्रेवाल के साथ मिलकर इतिहास रचा था जब दोनों सगे भाइयों ने एक साथ ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व किया। यह उपलब्धि भारतीय हॉकी के इतिहास में एक अनोखा कीर्तिमान मानी जाती है। वह पश्चिम रेलवे में वरिष्ठ खेल अधिकारी के रूप में भी कार्यरत रहे और खिलाड़ी के साथ-साथ प्रशासक के रूप में भी उन्होंने खेल के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

वहीं सुरजीत हॉकी सोसाइटी के पदाधिकारी इकबाल सिंह संधू ने ग्रेवाल के निधन पर शोक जताते हुए इसे हॉकी जगत के लिए अपूरणीय क्षति बताया। विभिन्न खेल और सामाजिक संगठनों ने भी उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। उन्होंने परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा को शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है।

न्यूजीलैंड की दिग्गज ऑलराउंडर सूजी बेट्स ने किया संन्यास का ऐलान

नईदिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड की महान खिलाड़ी सूजी बेट्स ने महिला टी20 विश्व कप के बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया है। टूर्नामेंट का आगाज 12 जून से इंग्लैंड और वेल्स में होगा। इसमें 38 वर्षीय बेट्स के पास अपने देश के लिए खेले 362 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों की मौजूदा संख्या में और कुछ मैच जोड़ने का आखिरी मौका मिलेगा।

सूजी बेट्स जून में शुरू होने वाले महिला टी20 विश्व कप में अपनी टीम को लगातार दूसरा खिताब दिलाने का लक्ष्य रखेंगी। व्हाइट फर्न्स को ग्रुप-बी में मेजबान इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्टइंडीज के साथ रखा गया है।अपने शानदार करियर पर बात करते हुए बेट्स ने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा, जब मैं पिछले 20 से ज्यादा वर्षों पर नजर डालती हूं, तो मुझे यकीन ही नहीं होता कि समय इतनी तेजी से कैसे बीत गया। मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि मैंने इतनी बार फर्न (न्यूजीलैंड टीम का प्रतीक) पहना है। इस टीम के लिए हर दिन एक बेहतर इंसान, टीममेट, क्रिकेटर और एथलीट बनने की कोशिश करने में मुझे बहुत मकसद और खुशी मिली है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने सूजी बेट्स के हवाले से कहा, मेरे सभी टीममेट्स और कोचों के प्रति मेरी कृतज्ञता को शब्दों में पूरी तरह से बयां नहीं किया जा सकता। मेरा एक आखिरी मिशन है- यूके जाना...एक ऐसी जगह जहां मेरी बहुत सारी खास यादें जुड़ी हैं और एक और वर्ल्ड कप जीतना।

कैसा रहा करियर?

बेट्स ने सभी फॉर्मेट में कुल मिलाकर 14 शतक लगाए और 145 विकेट लिए हैं। यह ऑलराउंडर हाल के समय के सबसे शानदार रिकॉर्ड्स में से एक के साथ खेल को अलविदा कहेंगी। उन्होंने साल 2006 में भारत के खिलाफ डेब्यू करने के बाद से अपने देश के लिए लगातार उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन किया है। बेट्स ने 2011 से 2018 के बीच न्यूजीलैंड की कप्तानी भी की। साल 2013 में उन्हें आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। उस साल भारत में हुए विश्व कप में उन्होंने जबरदस्त प्रदर्शन किया था और सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी बनी थीं। इसके अलावा, 2016 में भी उन्हें आईसीसी विमेंस वनडे क्रिकेटर ऑफ द ईयर और आईसीसी विमेंस टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया था। यह वह दौर था, जब उन्होंने दोनों ही फॉर्मेट में द्विपक्षीय क्रिकेट में अपना दबदबा बनाए रखा था।

हाल के समय में, जब टीम की नियमित कप्तान सोफी डिवाइन टीम से बाहर रही हैं, तब बेट्स ने कप्तान की जिम्मेदारी भी संभाली है। टीम के नजरिए से उनका सबसे यादगार पल तब आया, जब टी20 वर्ल्ड कप 2024 एडिशन इस टीम ने जीता था। इस दाएं हाथ की बल्लेबाज ने अपनी टीम के लिए सर्वाधिक रन बनाए थे।

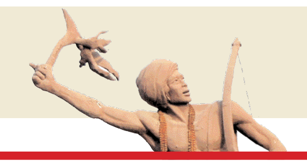

संक्षिप्त समाचार

उप महानिदेशक समेत दो आरोपी 6 मई तक न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी। राउज एवेन्यू स्थित विशेष न्यायाधीश की अदालत ने नागरिक उड्डयन

महानिदेशालय (डीजीसीए) के उप निदेशक जनरल मुदवथ देवुला और निजी व्यक्ति भरत माथुर को 2.5 लाख रुपये की रिश्वत मामले में छह मई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। विशेष न्यायाधीश छवि कपूर ने सीबीआई की अर्जी पर सुनवाई करते हुए दोनों आरोपियों को जेल भेजने का आदेश दिया। सीबीआई ने अदालत को बताया कि दोनों आरोपित पांच दिन की सीबीआई हिरासत पूरी कर चुके हैं और आगे की जांच के लिए उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा जाना आवश्यक है। इससे पहले 22 अप्रैल को अदालत ने उनकी सीबीआई कस्टडी दो दिन के लिए बढ़ाई थी, जबकि एजेंसी ने पांच दिन की अतिरिक्त हिरासत की मांग की थी। जांच एजेंसी के अनुसार, यह मामला डीजीसीए में लंबित ड्रोन आयात से जुड़ी फाइलों को क्लियर कराने के एवज में अवैध लाभ मांगने से संबंधित है। आरोप है कि प्रत्येक आवेदन के लिए पांच लाख रुपये की डील तय की गई थी। सीबीआई ने दोनों आरोपितों को 18 अप्रैल को हौज खास स्थित एक रेस्टोरेंट के पास से गिरफ्तार किया था, जहां से 2.5 लाख रुपये की नकदी बरामद हुई।

दिल्ली के लक्ष्मी नगर में ट्रांसफार्मर में लगी आग, तीन इमारतों तक फैली

नई दिल्ली, एजेंसी। लक्ष्मी नगर के रमेश पार्क इलाके में शुक्रवार देर रात आग लग गई। नानक मोटर के पास लगी इस आग की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंचीं और राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया। दमकल को सात गाड़ियों ने आग पर काबू पाया। दमकल विभाग के अनुसार आग एक इलेक्ट्रिक ट्रांसफॉर्मर में लगी, जो धीरे-धीरे फैलकर आसपास की तीन इमारतों तक पहुंच गई। आग की चपेट में कुल 14 फ्लैट आ गए। घटना के समय अधिकतर लोग अपने घरों में मौजूद थे। आग के चलते अफरातफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति को नियंत्रित किया और सभी 14 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल यूनिट 'स्पूनर' ने लॉन्च किया नया लोगो

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस यूनिट फार नार्थ ईस्टर्न रीजन (स्पूनर) ने शुक्रवार को पुलिस मुख्यालय में अपना आधिकारिक लोगो लान्च किया। इस लोगो का अनावरण दिल्ली के पुलिस आयुक्त सतीश गोलछा ने किया। इस अवसर पर स्पूनर के स्पेशल कमिश्नर डेविड लालरिंगसंगा सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। नया लोगो यूनिट की स्पष्ट पहचान बनाने के साथ-साथ उसके उद्देश्य और कार्यशैली को दर्शाने के लिए तैयार किया गया है। यह दिल्ली में रह रहे पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की सुरक्षा, समावेशन और त्वरित सहायता के प्रति स्पूनर की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बैज-स्टाइल में तैयार इस लोगो में कानून-व्यवस्था की साख और विश्वसनीयता के साथ मानवीय संवेदनाओं को भी प्रमुखता दी गई है, जो भरोसा, सहयोग और सहजता का संदेश देता है। लोगो के डिजाइन की प्रक्रिया सहभागी रही, जिसमें नार्थ-ईस्ट कम्युनिटी के सदस्यों के सुझाव और विचार शामिल किए गए। बाद में इन्हें पेशेवर तरीके से विकसित कर एक प्रभावी और संतुलित डिजाइन में ढाला गया। स्पूनर वर्ष 2014 से दिल्ली में रह रहे पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों, दार्जिलिंग के गोरखा समुदाय और लद्दाखी नागरिकों के समर्थन में कार्यरत है। यूनिट समुदाय-आधारित पुलिसिंग के तहत सुरक्षा, कल्याण और समन्वय को मजबूत करने के लिए कई पहल चला रही है।

दिल्ली में आसमान से बरसी आग

नई दिल्ली, एजेंसी। लगातार गर्म होते मौसम के बीच दिल्ली में अब झुलसाने वाली गर्मी पड़ने लगी है। लू चलनी भी शुरू हो गई है। आलम यह है कि तेज धूप और साफ आसमान के बीच शुक्रवार को तापमान 43 डिग्री पार कर गया। शनिवार के लिए भी येलो अलर्ट जारी कर दिया गया है। हाल फिलहाल गर्मी कम होने की संभावना कम ही है। राष्ट्रीय राजधानी के अलग-अलग हिस्सों में गर्म हवाओं के थपेड़ों के साथ भीषण गर्मी का दौर जारी है। पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि दर्ज की जा रही है। शुक्रवार को दिल्ली का अधिकतम तापमान सामान्य से 4.2 डिग्री अधिक 41.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह इस सीजन का अब तक का सर्वाधिक रहा। दो जगह रिज और लोधी रोड पर लू की स्थिति देखी गई। इन दोनों ही जगह अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 डिग्री से अधिक दर्ज हुआ। लोधी रोड पर अधिकतम तापमान 41.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो सामान्य से 4.8 डिग्री अधिक था। वहीं, रिज क्षेत्र में तापमान 43.1 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया, जो सामान्य से 4.7 डिग्री अधिक दर्ज किया गया। मौसम विभाग के अनुसार, लू की स्थिति तब मानी जाती है जब अधिकतम तापमान कम से कम 40 डिग्री सेल्सियस हो और सामान्य से 4.5 डिग्री या उससे अधिक हो, या फिर तापमान सीधे 45 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाए। दिन के साथ साथ रात के

तापमान में भी वृद्धि देखने को मिल रही है। शुक्रवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 1.8 डिग्री अधिक 24.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजघाट पर यह सर्वाधिक 28.0 डिग्री रहा। सप्ताहांत के दौरान न्यूनतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। मौसम विज्ञानियों की मानें इस गर्मी की वजह राजस्थान की ओर से आ रहीं गर्म हवाएं हैं।

गर्मी बढ़ते ही बिजली की मांग में उछाल, दिल्ली में 6578 मेगावाट तक पहुंची डिमांड

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के तापमान में वृद्धि के साथ ही बिजली की मांग भी बढ़ रही है। बृहस्पतिवार को पहली बार अप्रैल में बिजली की मांग 65 सौ मेगावाट के पार पहुंच गई। इससे पहले 29 अप्रैल, 2022 को पहली बार 6197 मेगावाट तक मांग पहुंची थी। बृहस्पतिवार को यह रिकार्ड टूट गया और आने वाले दिनों में मांग में और वृद्धि होने की उम्मीद है। बिजली वितरण कंपनियों के अधिकारियों का कहना है कि गर्मी बढ़ने के कारण एयर कंडीशनर, कूलर आदि का उपयोग बढ़ जाता है। इससे बिजली की मांग बढ़ती है। पिछले सप्ताह के शुरू में मांग पांच हजार मेगावाट के आसपास थी। बृहस्पतिवार दोपहर बाद यह 6323 मेगावाट और शुक्रवार को अपराह्न साढ़े तीन बजे यह 6578 मेगावाट पहुंच गई। इससे पहले सिर्फ वर्ष 2022 और वर्ष 2025 में अप्रैल में मांग छह हजार मेगावाट से ऊपर पहुंची थी। पिछले दो दिनों में बिजली की अधिकतम मांग में पांच सौ मेगावाट से अधिक की वृद्धि हुई है। 22 अप्रैल को अधिकतम मांग 6020 मेगावाट थी। अधिकतम मांग के साथ ही न्यूनतम मांग में भी वृद्धि हो रही है। बृहस्पतिवार सुबह न्यूनतम मांग 4124 मेगावाट और शुक्रवार को 4247 मेगावाट तक पहुंच गई। मौसम यदि इसी तरह बना रहा तो अगले कुछ दिनों में मांग सात हजार मेगावाट के ऊपर पहुंच सकती है। इसे ध्यान में रखकर बिजली वितरण कंपनियां तैयारी कर रही हैं।

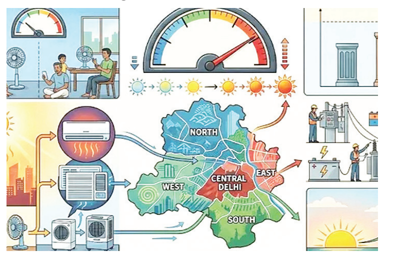

ग्राउंड फ्लोर पर सड़ी-गली हालत में मिला रिटायर्ड ईडी अधिकारी का शव, ऊपर रहता है पूरा परिवार

नईदिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के गणेश नगर एक्सटेंशन-2 इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 70 वर्षीय प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सेवानिवृत्त अधिकारी का शव उनके ही घर से सड़ी-गली हालत में बरामद हुआ। शुरुआती जांच में आशंका जताई जा रही है कि उनकी मौत दो से तीन दिन पहले हो चुकी थी। जिसके चलते शव सड़ने लगा। जो अपने मकान के ग्राउंड फ्लोर पर अकेले रहते थे, जबकि उनका बेटा और अन्य स्वजन ऊपरी मंजिलों पर रहते थे। पुलिस के अनुसार परिवार के सदस्यों से उनकी बातचीत नहीं होती थी और लंबे समय से वे सामाजिक रूप से अलग-थलग थे। घटना का पता तब चला जब सुबह पड़ोसियों ने घर से तेज दुर्गंध आने की शिकायत की। सूचना मिलने पर स्वजन ने कमरे का दरवाजा तोड़ा, जहां श्री चंद का शव मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। शकरपुर थाना पुलिस और

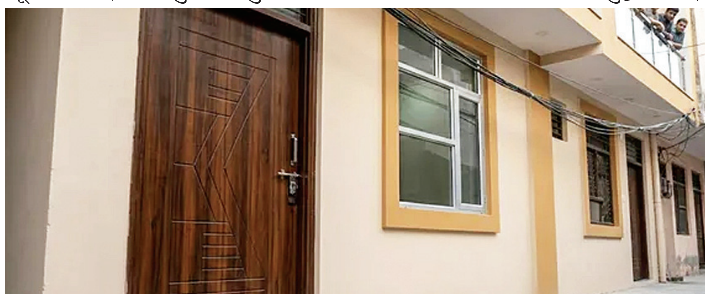

क्राइम ब्रांच की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का स्पष्ट पता चल सकेगा। जांच में यह भी सामने आया है कि मृतक की पत्नी की मौत के बाद से वह काफी समय से अकेले रह रहे थे। उनकी देखभाल के लिए एक घरेलू सहायक आती थी, लेकिन हाल के दिनों में वह छुट्टी पर थी, जिसके कारण उनकी नियमित देखरेख नहीं हो पा रही थी। फिलहाल पुलिस मामले को संदिग्ध मानते हुए जांच कर रही है। पुलिस स्वजन और घरेलू सहायक के बयान दर्ज कर सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

किशोरों-युवाओं का शिकार, लत से जुआ और वित्तीय जाल

युवाओं में बढ़ रहा 'गेमिंग डिसऑर्डर', कर्ज और अपराध के जाल में धकेल रहा 'किलर एल्गोरिदम'

नई दिल्ली, एजेंसी। आनलाइन गेमिंग की चमकदार दुनिया के पीछे एक ऐसा तंत्र काम कर रहा है जिसे विशेषज्ञ 'किलर एल्गोरिदम' मानते हैं। उनके अनुसार गेमिंग ऐप्स किशोरों और युवाओं के मनोविज्ञान को प्रभावित कर उन्हें इसकी लत लगा वित्तीय जाल में उलझा अपराध तक ले जा रहे हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के प्रोफेसर, नेशनल ड्रग डिपेंडेंस ट्रीटमेंट सेंटर के डा. रविन्द्र राव इसे एक तरह का नशा मानते हैं, ऐसा नशा जिसके न मिलने पर इसका लती मानसिक नियंत्रण खो देता है, उसकी सोचने-समझने की क्षमता खत्म हो जाती है। वह कुछ भी करने को उतारू हो जाता है, हिसंक व्यवहार करने लगता है। इहबास के पूर्व निदेशक डा.

निमिष जी देसाई कहते हैं कि गेमिंग अब केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि व्यवहार में बदलाव का खतरनाक साधन (टूल) बनता जा रहा है। विशेषज्ञ गेमिंग डिजाइन व मोनेटाइजेशन पर कड़े सरकारी नियमों की मांग कर रहे हैं। वह बताते हैं कि अब तो विश्व स्वास्थ्य संगठन भी इसे यानी 'गेमिंग डिसार्डर' को मानसिक स्वास्थ्य समस्या मान चुका है। उनका कहना है कि बिना सख्त नियमन यह डिजिटल जाल युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा बना रहेगा।

यूक्रेन की आड़ में पश्चिम ने रूस के खिलाफ छेड़ा युद्ध', विदेश मंत्री सर्गेई ने यूरोप पर साधा निशाना

वैश्विक खतरा तीसरी बार यूरोप से पैदा हो रहा है

कीव, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि यूक्रेन की आड़ में रूस के खिलाफ खुला युद्ध छेड़ा जा चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका और उसके सहयोगी देश यूक्रेन को मोर्चे पर आगे रखकर रूस को कमजोर करने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। लावरोव ने यह बयान रूसी गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक में दिया। उन्होंने कहा कि कीव शासन को पश्चिमी देश भाले की नोक की तरह इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन वह पश्चिमी हथियारों, खुफिया सूचनाओं, सैटेलाइट सिस्टम, सैन्य प्रशिक्षण और आर्थिक मदद के बिना टिक नहीं सकता। उनके मुताबिक, रूस के खिलाफ यह संघर्ष अब केवल परोक्ष नहीं बल्कि खुला और संगठित अभियान बन चुका है। उन्होंने दावा किया कि कुछ यूरोपीय सैन्य अधिकारियों ने सार्वजनिक रूप से रूस के खिलाफ युद्ध की तैयारी की बात कही है, जबकि यूक्रेन इस बीच पश्चिमी देशों के लिए समय जुटाने का माध्यम बना हुआ है। लावरोव ने कहा कि यूरोप की मौजूदा नीतियां वैश्विक अस्थिरता को बढ़ा रही हैं।

रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि आधुनिक इतिहास में तीसरी बार वैश्विक खतरा यूरोप से पैदा हो रहा है। उनका आरोप था कि पश्चिमी शक्तियां यूक्रेन को बड़े संघर्ष का केंद्र बनाने की कोशिश कर रही हैं, जिससे अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा पर गंभीर असर पड़ सकता है। धार्मिक मुद्दों पर भी लावरोव ने पश्चिम और यूक्रेन की आलोचना की।

उन्होंने कहा कि यूक्रेन में यूक्रेनी ऑर्थोडॉक्स चर्च के खिलाफ कई वर्षों से कार्रवाई जारी है। चर्चों पर कब्जे, तोड़फोड़, पादरियों और श्रद्धालुओं पर हमलों का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि वहां 180 से अधिक आपराधिक मामले दर्ज किए गए हैं, जिनमें कई वरिष्ठ धर्मगुरु भी शामिल हैं। इसी बीच यूरोपीय संघ ने यूक्रेन के लिए 90 अरब यूरो के बड़े सहायता पैकेज को मंजूरी दे दी है। इस राशि में 30 अरब यूरो यूक्रेन की आर्थिक मदद के लिए और 60 अरब यूरो रक्षा उत्पादन क्षमता बढ़ाने तथा सैन्य उपकरण खरीदने के लिए खर्च किए जाएंगे। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने कहा कि यूरोप यूक्रेन के समर्थन में पूरी तरह एकजुट है और पीछे नहीं हटेगा। साथ ही यूरोपीय परिषद ने रूस पर 20वें प्रतिबंध पैकेज को भी मंजूरी दी है, जिसका मकसद मॉस्को की आर्थिक और सैन्य क्षमता पर दबाव बढ़ाना है।

अमेरिका पर भी लगाए गंभीर आरोपः लावरोव ने अमेरिका पर भी गंभीर आरोप लगाए।

उन्होंने कहा कि अमेरिका दुनिया के कई देशों में लोकतंत्र या सुरक्षा के नाम पर दखल देता है, लेकिन असली मकसद प्राकृतिक संसाधनों, खासकर तेल और ऊर्जा बाजारों पर नियंत्रण हासिल करना होता है। उन्होंने ईरान और वेनेजुएला का उदाहरण देते हुए कहा कि वॉशिंगटन अपनी रणनीतिक जरूरतों के लिए सरकारें बदलने तक से पीछे नहीं हटता। रूसी मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कानून की ताकत कमजोर होती जा रही है।

ईरान के साथ जारी तनाव के बीच पश्चिम एशिया में अमेरिका ने उतारी बड़ी सेना

वॉशिंगटन, एजेंसी। ईरान के साथ जारी संघर्ष के चलते अमेरिका ने पश्चिम एशिया में अपनी बड़ी सेना उतारी हुई है। अमेरिकी सेना के सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट जारी कर पश्चिम एशिया में तैनात अपने युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों समेत सैनिकों आदि की जानकारी साझा की है। इससे साफ है कि अमेरिका, ईरान पर दबाव बनाने की रणनीति बना रहा है। अमेरिकी सेना की सेंट्रल कमांड ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा कर बताया है कि उनके तीन शक्तिशाली युद्धपोत यूएसएस लिंकन, यूएसएस फोर्ड और यूएसएस बुश पश्चिम एशिया में तैनात हैं। इनके साथ 200 लड़ाकू विमान, जिनमें एफ-18 और सुपर हॉर्नेट जैसे लड़ाकू विमान शामिल हैं। साथ ही अमेरिका ने 18जी ग्रोलर विमान भी तैनात किए हैं, जो इलेक्ट्रोनिक वारफेयर एयरक्राफ्ट हैं। साथ ही अमेरिका ने एफ-35सी लड़ाकू विमान, हॉकआई अर्ली वार्निंग विमान, सी हॉक हेलीकॉप्टर और डिलीवरी एयरक्राफ्ट सीएमवी ओस्प्रे शामिल हैं। साथ ही समुद्री ताकत की बात करें तो अमेरिकी सेना ने निमित्ज क्लास और फोर्ड क्लास के एयरक्राफ्ट कैरियर समेत 12 युद्धक जहाज भी तैनात किए हैं। इनके साथ अमेरिका के 15 हजार नाविक और मरीन्स भी तैनात हैं। साल 2003 के बाद पहली बार अमेरिकी सेना ने पश्चिम एशिया में तीन युद्धपोत तैनात किए हैं। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच फिलहाल युद्धविराम चल रहा है। हालांकि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य में ईरान की नाकाबंदी की हुई है। जिससे तनाव बना हुआ है और शांति वार्ता की कोशिशें जारी हैं।

ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची इस्लामाबाद दौरे पर हैं और अमेरिका और इस्त्राइल के साथ तनाव खत्म करने को लेकर चर्चा करेंगे। रिपोर्ट के अनुसार, अराघची एक कूटनीतिक दल के साथ पाकिस्तान, ओमान और रूस का दौरा करेंगे। इन यात्राओं का उद्देश्य इन देशों के साथ आपसी मुद्दों पर बेहतर तालमेल बनाना और क्षेत्र में चल रही ताजा परिस्थितियों पर चर्चा करना है। अराघची अपनी इस यात्रा के दौरान अमेरिकी अधिकारियों से कोई बातचीत नहीं करेंगे। ईरान के सरकारी मीडिया के अनुसार, ईरान की फिलहाल अमेरिका के साथ बातचीत करने की कोई योजना नहीं है।

आईटी पेशेवरों को लग सकता है बड़ा झटकाः तीन साल के लिए एच-वीबी वीजा पर रोक की तैयारी

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में नया बिल पेश हुआ है जो एच-1बी वीज़ा पर 3 साल की रोक लगाने का प्रस्ताव देता है। इसके साथ ही वीज़ा सिस्टम में बड़े बदलाव जैसे सालाना कोटा घटाना, सैलरी थ्रेशोल्ड बढ़ाना और सख्त नियम लागू करना भी शामिल हैं। यह कदम अमेरिकी नौकरियों की सुरक्षा के नाम पर उठाया गया है, लेकिन इसका सीधा असर हजारों भारतीय प्रोफेशनल्स और छात्रों पर पड़ सकता है, जो स में काम या पढ़ाई का सपना देख रहे हैं। क्रेन ने कहा, संघीय सरकार को मेहनती नागरिकों के लिए काम करना चाहिए, न कि बड़ी-बड़ी कंपनियों के मुनाफे के लिए। हम अमेरिकी जनता के प्रति जवाबदेह हैं कि एच-1बी प्रणाली को विफल होने से रोकें ताकि वे उन नौकरियों से वंचित न रह जाएं, जिनके लिए वे योग्य हैं। उन्होंने आगे कहा कि यह विधेयक 'रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करेगा, वीजा प्रक्रिया में प्रोटोकॉल को मजबूत करेगा और अमेरिकियों को रोजगार देने के लिए प्राथमिकता देगा। इस विधेयक को ब्रैंडन गिल, पॉल गोसर और एंडी ओगल्स सहित कई रिपब्लिकन लॉ-मेकर्स का समर्थन प्राप्त हुआ है। ब्रैंडन गिल ने कहा, मुझे प्रतिनिधि एली क्रेन के एच-1बी वीज़ा प्रणाली में सुधार और उसे और सख्त बनाने के प्रयासों का सह-

● आईटी पेशेवरों की होगी दिक्कत

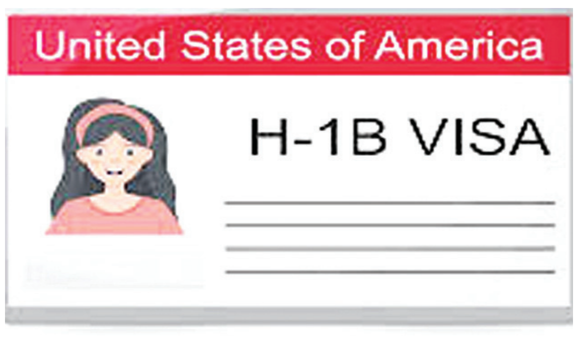

प्रायोजक होने पर गर्व है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हमारी आप्रवासी प्रणाली विदेशियों से पहले अमेरिकी कामगारों को प्राथमिकता दे। इस विधेयक में व्यापक बदलाव प्रस्तावित हैं। यह वार्षिक एच-1बी सीमा को 65,000 से घटाकर 25,000 कर देगा और छूटों को समाप्त कर देगा। यह लॉटरी प्रणाली को वेतन-आधारित चयन प्रक्रिया से बदल देगा और न्यूनतम वेतन 200,000 डॉलर प्रति वर्ष निर्धारित करेगा।

नियोक्ताओं को यह प्रमाणित करना होगा कि उन्हें कोई योग्य अमेरिकी कामगार नहीं मिल पा रहा है और यह पुष्टि करनी होगी कि उन्होंने छंटनी नहीं की है। यह विधेयक एच-1बी कामगारों को एक से अधिक नौकरियां करने से भी रोकेगा और तृतीय-पक्ष भर्ती एजेंसियों को उन्हें नियुक्त करने से प्रतिबंधित करेगा। अन्य प्रावधानों में एच-1बी कामगारों द्वारा आश्रितों को लाने पर प्रतिबंध, वैकल्पिक व्यावहारिक प्रशिक्षण (ओपीटी) कार्यक्रम को समाप्त करना और वीजा धारकों को स्थायी निवास में परिवर्तित होने से रोकना शामिल है।

पॉल गोसर ने कहा, एच-1बी कार्यक्रम का दुरुपयोग अमेरिकी कामगारों को सस्ते विदेशी श्रम से बदलने के लिए किया गया है। यह विधेयक उस व्यवस्था पर अंकुश लगाता है जो हमारे ही लोगों के खिलाफ भेदभावपूर्ण है और अमेरिकी नौकरियों को फिर से प्राथमिकता देता है। ओगल्स ने कहा, अमेरिकी कामगारों की जगह सस्ते विदेशी श्रम का इस्तेमाल हो रहा है। हम निगमों के आगे नहीं झुकेंगे और न ही अमेरिकियों को अपने ही देश में पराया बनने देंगे। एच-1बी घोटाले को खत्म करो। प्रस्ताव में यह भी कहा गया है कि गैर-आप्रवासी वीजा अस्थायी ही रहेंगे, इसके लिए वीजा धारकों को दूसरे वीजा स्टेटस में बदलने से पहले अमेरिका छोड़ना होगा और संघीय एजेंसियों को ऐसे कामगारों को प्रायोजित करने से रोका जाएगा। इमिग्रेशन अकाउंटेबिलिटी प्रोजेक्ट की सह-संस्थापक रोज़मेरी जेनक्स ने इसे 'संसद में अब तक पेश किया गया सबसे मजबूत एच-1बी विधेयक' बताया। उन्होंने कहा, 'अमेरिकी लोगों को एच-1बी वीजा एक अल्पकालिक वीजा के रूप में बेचा गया था, ताकि अमेरिकियों को उन नौकरियों के लिए प्रशिक्षित करते समय अस्थायी श्रम की कमी को पूरा किया जा सके। यह विधेयक इसे हकीकत बनाता है।

एच-1बी वीजा कार्यक्रम अमेरिकी कंपनियों को विशेष व्यवसायों, खासकर प्रौद्योगिकी और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में विदेशी कामगारों को नियुक्त करने की अनुमति देता है। भारतीय नागरिक ऐतिहासिक रूप से इन वीजा के सबसे बड़े लाभार्थी रहे हैं।

डीसी ने उच्च न्यायालय की अवमानना से संबंधित वादों की समीक्षा की

न्यायालय के मामलों में गंभीरता बरतने, एसओएफ दाखिल करने में समयबद्धता का करें अनुपालन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शनिवार को समाहरणालय स्थित सभागार में उपायुक्त अजय नाथ झा ने विभिन्न विभागों से संबंधित माननीय उच्च न्यायालय के अवमानना के कुल 33 लंबित वादों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने सभी संबंधित विभागीय पदाधिकारियों से मामलों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली। मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, प्रभारी पदाधिकारी शालिनी खालको, विभिन्न संबंधित विभागों के पदाधिकारी आदि उपस्थित थे।

प्रत्येक 15 दिन पर प्रगति समीक्षा का दिया निर्देश

उपायुक्त ने मौके पर उपस्थित उप विकास आयुक्त को निर्देश दिया कि ऐसे वादों की प्रगति की समीक्षा प्रत्येक 15 दिन पर नियमित रूप से की जाए, ताकि समयबद्ध निष्पादन सुनिश्चित किया जा सके।

न्यायालयीन मामलों में गंभीरता बरतने का निर्देश

उपायुक्त ने सभी पदाधिकारियों को न्यायालयीन मामलों के प्रति पूर्ण गंभीरता बरतने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि न्यायालय से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की लापरवाही/सुस्ती बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

एसओएफ दाखिल करने में समयबद्धता सुनिश्चित करें

बैठक में उपायुक्त ने स्टेटमेंट ऑफ फैक्ट (एसओएफ) दाखिल करने में हो रही देरी पर चिंता जताई और निर्देश दिया कि सभी विभाग निर्धारित समय सीमा के भीतर एसओएफ दाखिल करना सुनिश्चित करें।

विभागीय समन्वय को मजबूत बनाने पर जोर

उपायुक्त ने विभिन्न विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर बल दिया, ताकि न्यायालयीन मामलों के निष्पादन में तेजी लाई जा सके। बैठक में उपस्थित सभी विभागों के पदाधिकारियों ने अपने-अपने मामलों की अद्यतन जानकारी प्रस्तुत की। इस क्रम में अवमानना के अतिरिक्त विभिन्न विभागों से संबंधित कुल 136 मामले लंबित पाएं गए। जिस पर उपायुक्त ने निर्देश दिया कि न्यायालय से संबंधित सभी मामलों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित किया जाए।

ग्रामीणों ने बंद कराया तालाब जीर्णोद्धार का कार्य, अनियमितता का आरोप

तेनुघाट (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोमिया प्रखंड की होसिर पूर्वी पंचायत स्थित बड़का आहार तालाब के जीर्णोद्धार कार्य में अनियमितता की शिकायत को लेकर शनिवार को ग्रामीणों ने काम बंद करवा दिया। डीएमएफटी मद से चल रहे कार्य में ग्रामीणों ने गंभीर आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों का आरोप है कि काम सिर्फ दिखावे का हो रहा है। कायार्देश के अनुसार तालाब की जितनी गहराई तक मिट्टी की खुदाई होनी चाहिए, उतनी नहीं की जा रही। ठेकेदार द्वारा नाममात्र की खुदाई कर खानापूर्ति किया जा रहा है। इससे तालाब की जल धारण क्षमता नहीं बढ़ेगी। कम खुदाई होने से गर्मी में तालाब का पानी जल्दी सूख जाएगा और किसानों को पानी नहीं मिलेगा। जिससे इस योजना का मूल उद्देश्य ही खत्म हो जाएगा। बताया कि पहले इस तालाब में सालभर पानी रहता था। मगर पिछले कुछ सालों से गाद भरने के कारण गर्मी में सूख जाता है। जीर्णोद्धार से उम्मीद थी, पर ठेकेदार की मनमानी से पानी रुकने की उम्मीद कम है। वहीं बताया कि खुदाई से निकाली गई मिट्टी को वाहन के द्वारा तालाब से बाहर ले जाने के क्रम में उड़ते हुए धूलकण से वायु प्रदूषित हो रहा है। जिससे सड़क के आसपास के लोग एवं आवागमन करने वाले लोगों को काफी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि लगभग साढ़े ग्यारह एकड़ में बने तालाब का सीमांकन होना चाहिए, क्योंकि वर्तमान समय में तालाब का सीमांकन काफी सिमट गया है। वहीं इस संबंध में विभाग के कनीय अभियंता ने ग्रामीणों के द्वारा काम बंद कराए जाने पर अनभिज्ञता जाहिर की है। फिलहाल ग्रामीणों के विरोध के बाद काम बंद है। ग्रामीणों ने मांग की है कि जब तक पूरी पारदर्शिता के साथ मापी के अनुसार काम हो अन्यथा काम बंद रखा जाए। मौके पर अमन वर्मा,सोहित प्रसाद, बबलू राम, अभिषेक प्रसाद सहित दर्जनों ग्रामीण मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

बीएसएल के विस्थापितों के लिए दुकानों के आवंटन हेतु 4 मई को लॉटरी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो स्टील प्लांट के नगर प्रशासन के माध्यम से बोकारो स्टील सिटी के विभिन्न सेक्टरों में स्थित बीएसएल द्वारा निर्मित 96 दुकानों के आवंटन के लिए विस्थापितों से आमंत्रित आवेदनों की प्रक्रिया पूरी कर ली गई है। इस प्रक्रिया के तहत कुल 1589 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से जांच के बाद 1577 आवेदन योग्य पाए गए हैं। योग्य और अयोग्य आवेदकों की सूची 27 अप्रैल 2026 से नगर सेवा भवन परिसर में प्रदर्शित की जाएगी। सभी आवेदकों को अपने कंट्रोल नंबर के माध्यम से अपना नाम और संबंधित दुकान की जानकारी जांचने की सलाह दी जाती है। यदि किसी प्रकार की त्रुटि या संशोधन की आवश्यकता हो, तो आवेदक कक्ष संख्या 125 में संपर्क कर सकते हैं। योग्य आवेदकों के बीच दुकानों का आवंटन लॉटरी प्रणाली के माध्यम से 4 मई 2026 को प्रातः 10 बजे से नगर सेवा भवन परिसर में किया जाएगा। लॉटरी की प्रक्रिया सेक्टर-1 से सेक्टर-12 तक क्रमवार संचालित होगी। नगर प्रशासन विभाग में सभी योग्य आवेदक निर्धारित तिथि और समय पर पर्ची के साथ उपस्थित हो कर पूरी लॉटरी प्रक्रिया के साक्षी बन सकते हैं।

चोरों ने बंद घर से उड़ाए करोड़ों के जेवरात

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के सदर थाना क्षेत्र से चोरी की बड़ी घटना सामने आई है, जहां चोरों ने बंद घर को निशाना बनाकर करोड़ों के गहनों पर हाथ साफ कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है। मामला हीरापुर स्थित ज्ञान मुखर्जी रोड का है, जहां एक बंद घर में चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया। जानकारी के अनुसार, गृहस्वामी विश्वजीत साव अपने पूरे परिवार के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए धनबाद से मुंगेर गए हुए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर चोरों ने मुख्य गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद चोरों ने घर में रखे

गोदरेज अलमारी को निशाना बनाया और उसमें रखे पुस्तैनी गहनों सहित नौ लाख रुपए कैस लेकर फरार हो गए। चोरी की इस घटना की जानकारी पड़ोसियों ने फोन के माध्यम से गृहस्वामी को दी, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की जांच में जुट गई है।

डीडीसी ने लंबित जलापूर्ति योजनाओं को शीघ्र पूरा करने का दिया निर्देश

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। उप विकास आयुक्त सन्नी राज ने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा जिले में संचालित विभिन्न जलापूर्ति योजनाओं की समीक्षा की। इस क्रम में उन्होंने जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत मिशन, व्यक्तिगत घरेलू शौचालय, सिंगल विलेज स्कीम, मल्टी विलेज स्कीम एवं जल सेवा के प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने समीक्षा करते हुए सभी योजनाओं के कार्यों में अपेक्षित तेजी लाने का निर्देश दिया। साथ में लंबित

योजनाओं को शीघ्र पूर्ण करने तथा निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन की समीक्षा करते हुए उप विकास आयुक्त ने अगले महीने 10 गांवों का चयन कर उसे मॉडल गांव बनाने का निर्देश दिया। वहीं गांव में श्रमदान करके सफाई अभियान चलाने, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट की स्थापना करने के लिए अंचल अधिकारी से जमीन चिन्हित कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जमीन चिन्हित होने के बाद यूनिट का निर्माण कर, संचालन की प्रक्रिया शुरू करें। बैठक में विभिन्न गांवों में गोबर गैस प्लांट स्थापित करने को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में उप विकास आयुक्त सन्नी राज, पीएचईडी 1 के कार्यपालक अभियंता रंजीत कुमार ठाकुर, पीएचईडी 2 के कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार मंडल, डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर, डीएमएफटी पीएमयू से भावना कुमारी, कनीय अभियंता व अन्य लोग मौजूद थे।

चास नगर निगम के लेखपाल की नियुक्ति को लेकर महापौर और निगम कर्मी आमने-सामने

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। चास नगर निगम में लेखा पाल के पद पर तैनात सोमेन कुमार मंडल की नियुक्ति को लेकर मेयर भोलू पासवान और निगम कर्मी आमने-सामने आ गए हैं। मेयर ने सोमेन की नियुक्ति को अवैध बताते हुए उस पर सवाल उठाए हैं, जबकि सोमेन इसे नियम सम्मत बताते हुए मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगा रहे हैं। सोमेन मंडल के अनुसार, अक्टूबर 2016 में 48 अभ्यर्थियों के बीच इंटरव्यू प्रक्रिया के जरिए उनका चयन किया गया था। उन्होंने बताया कि 3 अक्टूबर 2016 को उन्हें विज्ञापन सूचना संख्या 945, दिनांक 11 जुलाई 2016 के आधार पर लेखा पाल के पद पर नियुक्ति पत्र मिला था। उनका कहना है कि उनकी कार्यशैली से संतुष्ट होकर खुद मेयर भोलू पासवान ने 19 मई 2017 को बोर्ड मीटिंग में उनका वेतनमान 15,000 से बढ़ाकर 20,000 करने का निर्णय लिया था। इसके बावजूद अब मेयर उन्हें फर्जी करार देकर मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहे हैं। दूसरी ओर, मेयर भोलू पासवान का कहना है कि सोमेन की नियुक्ति बिना विधिवत विज्ञापन और बिना किसी सक्षम आदेश के की गई थी। मेयर के मुताबिक, उनकी नियुक्ति मूल रूप से डबल एंट्री के काम के लिए की गई थी, लेकिन बाद में उन्हें लेखा पाल बना दिया गया, जो नियमों के विरुद्ध है। इसी आधार पर मेयर लगातार सोमेन को पद से हटाने की मांग कर रहे हैं और निगम कार्यालय के सभी रिकार्ड को भी सील करा दिया गया है। इस विवाद पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने स्पष्ट किया है कि किसी को भी पद से हटाने की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि मामले की जांच का आदेश दिया गया है और नियुक्ति पर फिलहाल कोई सवाल नहीं उठाया गया है। डीसी ने सभी पक्षों से समन्वय बनाकर अपने-अपने दायरे में रहकर काम करने की अपील की है। लगातार मेयर द्वारा कथित प्रताड़ना के बाद सोमेन मंडल ने हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। हाई कोर्ट ने निगम को 8 हफ्ते के भीतर काउंटर एफिडेविट दाखिल करने का आदेश दिया है। साथ ही इस अवधि के दौरान सोमेन मंडल को उनके पद पर बनाए रखने की बात भी कही गई है। सोमेन मंडल का आरोप है कि मेयर अपने किसी करीबी व्यक्ति को इस पद पर बैठाना चाहते हैं, ताकि उनकी व्यक्तिगत कार्य सिद्धि और सुविधा में बाधा न आए।

बीएसएल सिन्टर प्लांट में तकनीकी नवाचारः

ब्लोअर्स की ऑनलाइन वाइब्रेशन मॉनिटरिंग से बढ़ी सुरक्षा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात संयंत्र के सिन्टर प्लांट में सिन्टर मशीन-1 के ब्लोअर्स की कार्यप्रणाली को अधिक सुरक्षित और विश्वसनीय बनाने के उद्देश्य से एक नई ऑनलाइन वाइब्रेशन मॉनिटरिंग प्रणाली स्थापित की गई है। पूर्व में, ब्लोअर्स के कंपन (वाइब्रेशन) की रीडिंग मैन्युअल रूप से लेनी पड़ती थी, जो काफी चुनौतीपूर्ण थी। अत्यधिक कंपन के कारण मोटरों और पंखों के क्षतिग्रस्त होने की संभावना भी बनी रहती थी। इन तकनीकी और सुरक्षा संबंधी चुनौतियों का समाधान करने हेतु सिन्टर प्लांट की विद्युत एवं यांत्रिकी टीमों ने इंस्ट्रूमेंटेशन विभाग के तकनीकी सहयोग से एक प्रभावी समाधान विकसित किया है। इस पहल के दौरान सभी बैंड-1 ब्लोअर्स पर अत्याधुनिक वाइब्रेशन सेंसर स्थापित किए गए हैं। इन सेंसरों से प्राप्त होने वाले डेटा को कोल्ड स्क्रीन-1 के लुब्रिकेशन रूम में स्थापित चार्टलेस रिकॉर्डर्स पर प्रदर्शित किया जा रहा है, जिससे अब ब्लोअर्स की स्थिति की चौबीसों घंटे निगरानी संभव हो गई है। डिजिटल सशक्तिकरण की दिशा में एक और कदम बढ़ाते हुए आई एण्ड ए विभाग के सहयोग से इन रीडिंग्स को संयंत्र के इंट्रानेट नेटवर्क पर उपलब्ध कराया गया है। इस व्यवस्था के माध्यम से अब संबंधित विभागों के अधिकारी और कर्मी वास्तविक समय (रियल टाइम) में किसी भी कंप्यूटर से ब्लोअर्स के कंपन की स्थिति की जांच कर सकते हैं। इससे अब निगरानी हेतु डेटा की पहुंच व्यापक हुई है। यह पहल संयंत्र के महत्वपूर्ण उपकरणों की दीर्घकालिक विश्वसनीयता और परिचालन सुगमता को बढ़ाने की दिशा में अत्यंत प्रभावी है। निरंतर डिजिटल निगरानी की यह व्यवस्था न केवल उपकरणों की आकस्मिक विफलताओं को रोकने में सहायक है, बल्कि कर्मियों के लिए एक सुरक्षित और तकनीक-आधारित कार्य परिवेश सुनिश्चित करने के प्रति बोकारो इस्पात संयंत्र की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

व्यवसाय में लेने देने को लेकर हुई बेबी देवी की हत्या, पांच आरोपित गिरफ्तार

तेनुघाट (बोकारो)/ नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। जमुनिया नदी से प्लास्टिक के बोरा में बंद मिले अज्ञात महिला के शव का राज खुल गया है। व्यवसाय में लेन देन को लेकर 42 वर्षीय महिला की हत्या की गई थी। बताते चलें कि विगत 20 अप्रैल को चास थाना के क्षेत्र से एक 42 वर्षीय महिला के गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। 23 अप्रैल को चंद्रपुरा थाना क्षेत्र जमुनिया नदी से बोरा में बंद एक अज्ञात महिला का शव पुलिस ने बरामद किया। बरामद शव की शिनाख्त चास थाना क्षेत्र से गायब महिला बेबी देवी की रूप में हुई। अनुसंधान के लिए गठित एसआईटी ने तकनिकी सूचना के आधार हत्या कांड का उद्भेदन किया।

बेरमो एसडीपीओ विशिष्ट नारायण सिंह ने तेनुघाट अनुमण्डल पुलिस मुख्यालय में प्रेस वार्ता कर हत्या कांड का उदभेदन किया। बेरमो एसडीपीओ विशिष्ट नारायण सिंह ने बताया कि चंद्रपुरा थाना क्षेत्र के जमुनिया नदी से महिला का शव बरामद किया गया था। पुलिस अनुसंधान के क्रम में गायब महिला की हत्या व्यवसाय में लेन देन को लेकर हुई थी। व्यवसाय में साथ रहने वाले गुड्डू वर्णवाल ने 40 हजार में हत्या की सुपारी शौकत रजा और जलेश्वर महतो को दी। गुड्डू वर्णवाल ने महिला को विश्वास में लेकर बोकारो के सेक्टर 4 बुलाया।

वहां से पूर्व प्रायोजित हत्या का सार लिखा गया महिला को स्विफ्ट कार में लेकर गुड्डू वर्णवाल ने चार अन्य साथियो के साथ मिल कर गला दबाकर निर्मम हत्या कर दी। शव छिपाने के लिए प्लास्टिक के बोरे में बंद कर जमुनिया नदी फेंक दिया। पुलिस ने हत्यारोपियों से 6 मोबइल फोन, घटना प्रयुक्त स्विफ्ट डिजायर कार और कार के अंदर से महिला के बिखरे बाल बरामद किया है। एसडीपीओ ने बताया की कार के अंदर से बरामद बाल को डीएनए जाँच के लिए भेजा जायेगा। गिरफ्तार सभी हत्यारोपियों को तेनुघाट जेल भेज दिया है।

छापामारी दल में पुलिसकर्मी नवल किशोर सिंह, पुलिस उपाधीक्षक सह पुलिस निरीक्षक बेरमो, रवि शंकर, थाना प्रभारी, चास थाना, विक्रम कुमार, थाना प्रभारी, चन्द्रपुरा, श्रीनिवास कुमार सिंह, बोकारो झरीया ओपी प्रभारी, अमित कुमार सोनी, थाना प्रभारी, नावाडीह थाना, मनीष कुमार, थाना प्रभारी, दुग्दा, महाबीर उरांव, चन्द्रपुरा थाना, धीरज कुमार सिंह, चास थाना, कुन्दन कुमार पासवान, चन्द्रपुरा थाना, प्रवीण महतो शामिल थे।

झारखंड पात्रता परीक्षा : शांतिपूर्ण संचालन हेतु तैयारी पूरी

बोकारो/नबिटा। आज आयोजित होने वाली झारखंड लोक सेवा आयोग अंतर्गत झारखंड पात्रता प्रतियोगिता परीक्षा के सफल, शांतिपूर्ण एवं कदाचारमुक्त संचालन को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां पूरी कर ली हैं। इसी क्रम में शनिवार शाम को उपायुक्त ने गोपनीय कार्यालय कक्ष से पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

चिरकुण्डा में तीन शातिर चोर गिरफ्तार, जेवरात व नकदी बरामद

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। धनबाद के चिरकुण्डा थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए एक संगठित चोर गिरोह का पदार्फाश किया है। पुलिस ने तीन शातिर चोर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी गए सोने-चांदी के आभूषण, नकदी, सिक्के समेत घटना में प्रयुक्त औजार और मोटरसाइकिल बरामद की है। इस संबंध में शनिवार को निरसा एसडीपीओ रजत मणिक बाखला जानकारी देते हुए बताया कि 22 अप्रैल 2026 को लायकडीह डीप कोलियरी स्थित एक बंद क्वार्टर में अज्ञात चोरों ने ताला तोड़कर घर में प्रवेश किया था। चोरों ने घर में रखी तीन अलमारियों और उनके लॉकर को तोड़कर उसमें रखे स्वर्ण-रजत आभूषण, नकदी और सिक्के चोरी कर फरार हो गए थे। इस संबंध में गृहस्वामी किशोर कुमार सिंह के आवेदन पर चिरकुण्डा थाना में कांड संख्या 83/2026 दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया। जांच के दौरान पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि कुछ संदिग्ध व्यक्ति मोटरसाइकिल से बंद क्वार्टरों की रेकी कर रहे हैं। इसके आधार पर 24/25 अप्रैल की रात पंचेत-चिरकुण्डा सीमावर्ती क्षेत्र में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया। इसी दौरान एक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार तीन युवक पुलिस को देखकर भागने लगे, लेकिन संतुलन बिगड़ने से गिर पड़े और पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में तीनों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली। तलाशी के दौरान इनके पास से चोरी गए आभूषण, नकदी, सिक्के और ताला तोड़ने के औजार बरामद किए गए। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अफताब अंसारी उर्फ पकडु, सद्दाम अंसारी और नसीम अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये गिरोह धनबाद, बोकारो और पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में 40 से 50 चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। पुलिस फिलहाल तीनों आरोपियों से गहन पूछताछ कर अन्य मामलों में उनकी संलिप्तता की जांच कर रही है।

बोकारो कर संवाद कॉन्क्लेव 2026 में शामिल हुए उपायुक्त,

चार्टर्ड एकाउन्टेंट पारदर्शिता, नैतिकता और राष्ट्रहित को दें सर्वोच्च प्राथमिकता

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बी.एस.सिटी सेक्टर-04 स्थित रसियन कॉलोनी के मंगलम सभागार में आयोजित बोकारो कर संवाद कॉन्क्लेव-2026 में उपायुक्त अजय नाथ झा शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने चार्टर्ड अकाउंटेंट्स, कर विशेषज्ञों एवं प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि इस तरह के संवाद से सार्थक निष्कर्ष निकलने चाहिए, ताकि समाज, कर व्यवस्था और राष्ट्रहित को मजबूती मिल सके।

कर व्यवस्था राष्ट्र निर्माण की आधारशिला

उपायुक्त ने कहा कि देश की अर्थव्यवस्था की बुनियाद कर व्यवस्था पर टिकी है। शासन-प्रशासन के संचालन से लेकर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन तक टैक्स की अहम भूमिका है। ऐसे में चार्टर्ड अकाउंटेंट्स की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे अपने पेशेवर दायित्वों का निर्वहन पूरी ईमानदारी और नैतिकता के साथ करें। उन्होंने कहा कि हर कोई कर भार कम करने की सोच रखता है, लेकिन कर सलाहकारों का दायित्व केवल टैक्स बचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि राष्ट्रहित को केंद्र में रखकर सही परामर्श देना भी उतना ही आवश्यक है। उन्होंने गलत प्रथाओं, शेल कंपनियों और वित्तीय गड़बड़ियों को बढ़ावा नहीं देने की अपील करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रवृत्तियां देश की आर्थिक बुनियाद पर कुठाराघात करती हैं।

कर भुगतान को राष्ट्र निर्माण में योगदान बताएं

उपायुक्त ने कहा कि अपने क्लाइंट्स (कर-दाताओं) को यह समझाएं कि टैक्स भुगतान देश के प्रति योगदान और गर्व का विषय है। उनके योगदान से ही देश विकास, वैज्ञानिक उपलब्धियों और अंतरिक्ष कार्यक्रमों में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी पेशेवरों से स्वयं को लगातार अपडेट रखने, पारदर्शिता बनाए रखने और किसी भी प्रकार की गड़बड़ी को प्रोत्साहित नहीं करने का आह्वान किया।

एथिक्स और वैल्यूज सफलता का आधार

उपायुक्त ने कहा कि जीवन और पेशे में मूल्यों एवं नैतिकता का विशेष महत्व है। सत्य के मार्ग पर संघर्ष अवश्य होता है, लेकिन उससे मिलने वाली संतुष्टि अनमोल होती है। उन्होंने कहा कि देश सबसे पहले की भावना के साथ कार्य करना ही सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। स्पीकरों द्वारा साझा किए गए विचारों को गंभीरता से सुनने और शंकाओं का समाधान कर सार्थक जीवन मूल्यों को अपनाने की अपील किया।

देशहित सर्वोपरि, सभी मिलकर करें योगदान

अंत में उपायुक्त ने सभी से मिलकर देश को मजबूत बनाने की दिशा में योगदान देने का आह्वान किया। मौके पर एडवोकेट अखिलेश कुमार, एडवोकेट डॉ. बी. गिरी, एडवोकेट अजय कुमार, एडवोकेट नीरज नायक, सीए सौरभ सुरेश, सीए जय शंकर जयपुरिया, आंचल कपूर समेत अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे।

रांची से पहुंची टीम ने कायाकल्प असेसमेंट हेतु सदर अस्पताल का किया निरीक्षण

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सदर अस्पताल में शनिवार को कायाकल्प असेसमेंट के तहत रांची से आई टीम ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण किया। जांच के बाद इसकी रिपोर्ट आगे भेजी जाएगी, ताकि अस्पताल के रख-रखाव को और बेहतर बनाया जा सके और मरीजों को अधिक सुविधाएं मिल सकें। इस दौरान राज्य स्तर के दो प्रतिनिधियों ने विभिन्न विभागों का निरीक्षण किया। सदर अस्पताल के उपाधीक्षक संजीव कुमार ने बताया कि कायाकल्प असेसमेंट के तहत टीम ने अस्पताल के सभी विभागों की जांच की है। उन्होंने कहा कि अस्पताल की गुणवत्ता सुधारने के लिए इस तरह का निरीक्षण जरूरी है। टीम द्वारा दिए गए सुझावों पर काम किया जाएगा, ताकि मरीजों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल सके। उन्होंने आगे बताया कि सदर अस्पताल कॉलेज को पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मोड पर विकसित करने की योजना है। वर्तमान में अस्पताल 100 बेड पर संचालित हो रहा है, जिसे बढ़ाकर 420 बेड का किया जाएगा। इसके लिए अतिरिक्त 320 बेड के भवन का निर्माण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा चयनित जिलों में धनबाद भी शामिल है, जहां पीपीपी मोड पर अस्पताल कॉलेज का विस्तार किया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145865 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK